निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, सोमवार 17 नवम्बर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 180 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

झारखंड के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर 16 नवंबर को रांची में भव्य 'जतरा' (झांकी यात्रा) का आयोजन किया गया

संक्षिप्त समाचार

प्रेम प्रसंग में छात्रा ने फांसी लगा दी जान

गुमला (नबिटा ब्यूरो)। जिले के बिशुनपुर थाना क्षेत्र के हेसराग डिपा बगीचा में एक 18 वर्षीय छात्रा ने कथित प्रेम प्रसंग के कारण फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान स्वर्गीय मैनेजर उरांव की पुत्री सुलेखा कुमारी के रूप में हुई है। वह बिशुनपुर उच्च विद्यालय में नवीं कक्षा की छात्रा थी। परिजनों के मुताबिक घटना के समय घर के सभी सदस्य धान काटने खेत गए हुए थे। जब वे देर शाम घर लौटे तो सुलेखा को अपने ही दुपट्टे से लटका हुआ देखकर दंग रह गए। तुरंत गांव के लोगों को सूचना दी गई। दुपट्टे का फंदा तोड़कर परिजनों ने बेटी को उतारा लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

हजारीबाग जेल में बंद कैदी की मौत

हजारीबाग (नबिटा ब्यूरो)। जिले के जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा में बंद 55 वर्षीय कैदी खेमलाल महतो उर्फ खेलवा की शनिवार को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। खेमलाल कटकमदाग थाना क्षेत्र के हारम गांव का निवासी था। वह पिछले दो साल से बलात्कार मामले में सजा काट रहा था। जेल प्रशासन के मुताबिक खेमलाल कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित था। उसकी तबीयत बिगड़ने के बाद चिकित्सकों की सलाह पर उसे एसबीएमसीएच में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गई।

हाइवा की चपेट में आया युवक, घायल

धनबाद (नबिटा ब्यूरो)। जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के जामाडोबा को-ऑपरेटिव कॉलोनी के पास तेज रफ्तार हाइवा ने 25 वर्षीय हीरा पंडित को जोरदार टक्कर मार दी। हीरा सड़क पार कर रहा था तभी पीछे से आ रहे हाइवा ने उसे सीधे चपेट में ले लिया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उच्च केंद्र में रेफर कर दिया।

पान दुकानदार की गोली मारकर हत्या

समस्तीपुर(नबिटा ब्यूरो)। खानपुर थाना क्षेत्र के मनवाड़ा वार्ड नंबर-10 शनिवार देर रात बदमाशों ने पान दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी। एक बुलेट गर्दन में लगी है। मृतक की पहचान रंजीत साहनी के पुत्र अरविंद कुमार सहनी(30) के तौर पर हुई है। वह अपने घर के सामने ही पान की दुकान चलाता था। मामले की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

झारखंड के सांस्कृतिक गौरव को नई पहचान देगा जतरा मेला : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को राजधानी रांची में आयोजित भव्य झारखंड जतरा मेला का शुभारंभ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया। इस अवसर पर अल्बर्ट एक्का चौक से लेकर शहीद चौक और बिरसा समाधि स्थल तक झारखंड की परंपराओं, लोक-संस्कृति और जनजातीय गौरव की अनूठी झलक देखने को मिली। मुख्यमंत्री स्वयं पारंपरिक वाद्य यंत्र मांदर बजाते हुए कलाकारों के साथ जश्न में शामिल हुए और पूरे आयोजन को अपने मोबाइल कैमरे में कैद भी किया। जतरा मेला की शुरुआत रांची के राजेंद्र चौक से हुई, जहां सुबह से ही हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। झारखंड की 32 जनजातियों की कला, नृत्य, वाद्ययंत्र और पारंपरिक परिधानों की भव्य प्रदर्शनी ने राजधानी की सड़कों को एक उत्सव स्थल में बदल दिया। इस भव्य जतरा मेला में लगभग 4000 कलाकार

शामिल हुए हैं जिनमें पुरुलिया छऊ, मुंडा सोहराय नृत्य, संथाली डांस, हो जनजाति का करमा, असुर ढुमकुश, उरांव का झूमर और अन्य अनेक पारंपरिक प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोह लिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अल्बर्ट एक्का चौक पर झारखंड जतरा मेला में पहुंचकर सभी कलाकारों का उत्साहवर्द्धन किया। इसके बाद वे जुलूस के साथ अल्बर्ट एक्का चौक से शहीद चौक तक पैदल चले और पारंपरिक मांदर बजाकर कलाकारों के साथ ताल मिलाते दिखे। इस दौरान पूरे मार्ग में ढोल, मांदर और नगाड़ों की थाप, जनजातीय नृत्य और पारंपरिक गीतों की गूंज से वातावरण रोमांचित हो उठा। जतरा मेला का एक विशेष आकर्षण रहा 'हेलिकॉप्टर से हुई पुष्प वर्षा', जिसने पूरे आयोजन को और भव्य व अद्वितीय बना दिया। पुष्प वर्षा के दौरान भीड़ ने कलाकारों का उत्साहवर्द्धन करते हुए जमकर तालियां बजाईं। मुख्यमंत्री ने इस पल को भी अपने मोबाइल में कैद किया और कलाकारों की ऐतिहासिक भागीदारी की सराहना की। कार्यक्रम का समापन बिरसा मुंडा समाधि स्थल पर किया गया जहां सभी जनजातियों की सांस्कृतिक झांकियां और समूहों की अंतिम प्रस्तुति हुई। झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित यह जतरा मेला राज्य की सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय पहचान और सामाजिक विविधता का बेहतरीन प्रदर्शन है, जिसने राजधानी में उत्साह का एक नया रंग भर दिया है। भव्य आयोजन को देखने के लिए बड़ी संख्या में राजधानी के नागरिक, बच्चे, बुजुर्ग और देश-विदेश से आए पर्यटक सड़कों पर मौजूद रहे। झारखंड की समृद्ध लोक-संस्कृति का यह दृश्य लंबे समय तक यादगार रहेगा और राज्य के सांस्कृतिक गौरव को नई पहचान देगा।

मालगाड़ी बेपटरी, दो घंटे तक बाधित रहा रेलों का परिचालन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। जिले के पीरपैंती रेलवे स्टेशन से 50 मीटर की दूरी पर रविवार दोपहर एक मालगाड़ी के दो पहिए पटरी से उतर गए। यह घटना प्लेटफॉर्म संख्या 2 से मालगोदाम की ओर जा रही गिट्टी लदी मालगाड़ी के साथ हुई। हादसे के बाद रेलवे की तकनीकी टीम तुरंत मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। जानकारी के अनुसार मालगाड़ी मिर्ज़ा चौकी से कहलगांव की ओर जा रही थी। ओवरब्रिज के पास पहुंचते ही एक बोगी के दो पहिए ट्रैक से नीचे उतर गए। इस घटना के कारण लगभग दो घंटे तक रेल संचालन प्रभावित रहा। मौके पर पहुंची तकनीकी टीम ने ट्रैक की जांच की। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद बोगी के पहियों को दोबारा पटरी पर चढ़ाया गया। इसके उपरांत ट्रैक को सुरक्षित घोषित कर दिया गया। घटना के कारणों को लेकर रेलवे अधिकारियों ने फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। मालदा मुख्यालय को हादसे की सूचना दे दी गई है और मामले की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है।

घाटशिला सीट जीतने के बाद सीएम हेमंत सोरेन से मिले सोमेश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। घाटशिला से नव निर्वाचित विधायक सह झामुमो नेता सोमेश सोरेन ने रविवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में सीएम हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने झामुमो विधायक सोमेश सोरेन को जीत की ढेर सारी बधाई दी। मौके पर घाटशिला विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक सोमेश मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि यह विजय घाटशिला की जनता की आकांक्षाओं और विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय रामदास सोरेन द्वारा जनहित में आरंभ किए गए कार्यों और अधूरे सपनों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अब उनके पुत्र सोमेश सोरेन के कंधों पर है। मुख्यमंत्री

ने भरोसा जताया कि सोरेन जनसेवा एवं विकास कार्यों की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे। घाटशिला में स्व. रामदास सोरेन ने विकास कार्यों को चलाया था उसे अब सोमेश सोरेन पूरा करने का काम करेंगे। वहीं घाटशिला के विधायक सोमेश सोरेन ने कहा कि घाटशिला की जनता ने जो भरोसा और आशीर्वाद मुझे दिया है। उसका भरोसा और विश्वास काभी तोड़ने नहीं दूंगा। घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में मेरे पिता जी पूर्व शिक्षा मंत्री स्व. रामदास सोरेन ने शिक्षा के क्षेत्र में अनेक कार्य किए हैं उन कार्यों को और गति से देने का काम किया जाएगा। साथ ही राज्य और केंद्र प्रायोजित योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। नव निर्वाचित विधायक सोमेश सोरेन अपने पूरे परिवार के साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलने उनके आवास पहुंचे थे।

अवैध कोयला उत्खनन के दौरान चाल धंसने से चार मजदूर दबे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। जिले में निरसा के कापासारा आउटसोर्सिंग क्षेत्र में रविवार सुबह अवैध कोयला उत्खनन के दौरान बड़ी दुर्घटना घट गई। मुहाने के अंदर चाल धंसने से चार मजदूरों के दबे होने की सूचना है। घटना के बाद ईसीएल मुगमा एरिया की टीम मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे क्षेत्र में सन्नाटा पसरा हुआ है। बताया जा रहा है कि बंद पड़े कापासारा कोल माइंस क्षेत्र में लंबे समय से अवैध खनन का काम चल रहा था। स्थानीय लोगों के अनुसार रोजाना सैकड़ों मजदूर सुबह चार बजे से रात नौ बजे तक यहां कोयला निकालने का कार्य करते हैं। मौके पर मजदूरों द्वारा उपयोग किए गए कपड़े और उपकरण पाए गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रविवार की सुबह अचानक चाल धंस गई जिससे चार मजदूर अंदर फंस गए। परिजनों ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर मलबा हटाने की मांग की। उनका कहना है कि अगर तुरंत सफाई कराई जाए तो दबे मजदूरों के जीवित या मृत मिलने की संभावना है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कोयला माफियाओं के संरक्षण में यहां लगातार अवैध खनन जारी है। कुछ लोगों ने बताया कि घटना के बाद मृत या घायल मजदूरों के परिजनों को माफिया तत्वों ने आसपास कहीं छिपा दिया है ताकि मामला दबा रहे। ईसीएल टीम ने स्वीकार किया है कि यह इलाका वर्षों से बंद पड़ा है और यहां ईसीएल की ओर से समय-समय पर भराई की जाती रही है। टीम के एक सदस्य ने बताया कि लोग बार-बार मुहाना खोलकर कोयले की निकासी करते हैं जिससे ऐसी घटनाएं होती हैं। निरसा क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों से बड़े पैमाने पर अवैध कोयला उत्खनन की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। चंद पैसों की लालच में मजदूर अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं जबकि प्रशासन और कोल कंपनी की निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय महिला ज्योति कुमारी ने बताया कि हर दिन यहां सैकड़ों लोग काम करते हैं। ईसीएल टीम सदस्य अरुण कुमार ने बताया कि लगातार अवैध उत्खनन के कारण हादसे हो रहे हैं, हम निरीक्षण कर रहे हैं। जांच के बाद जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

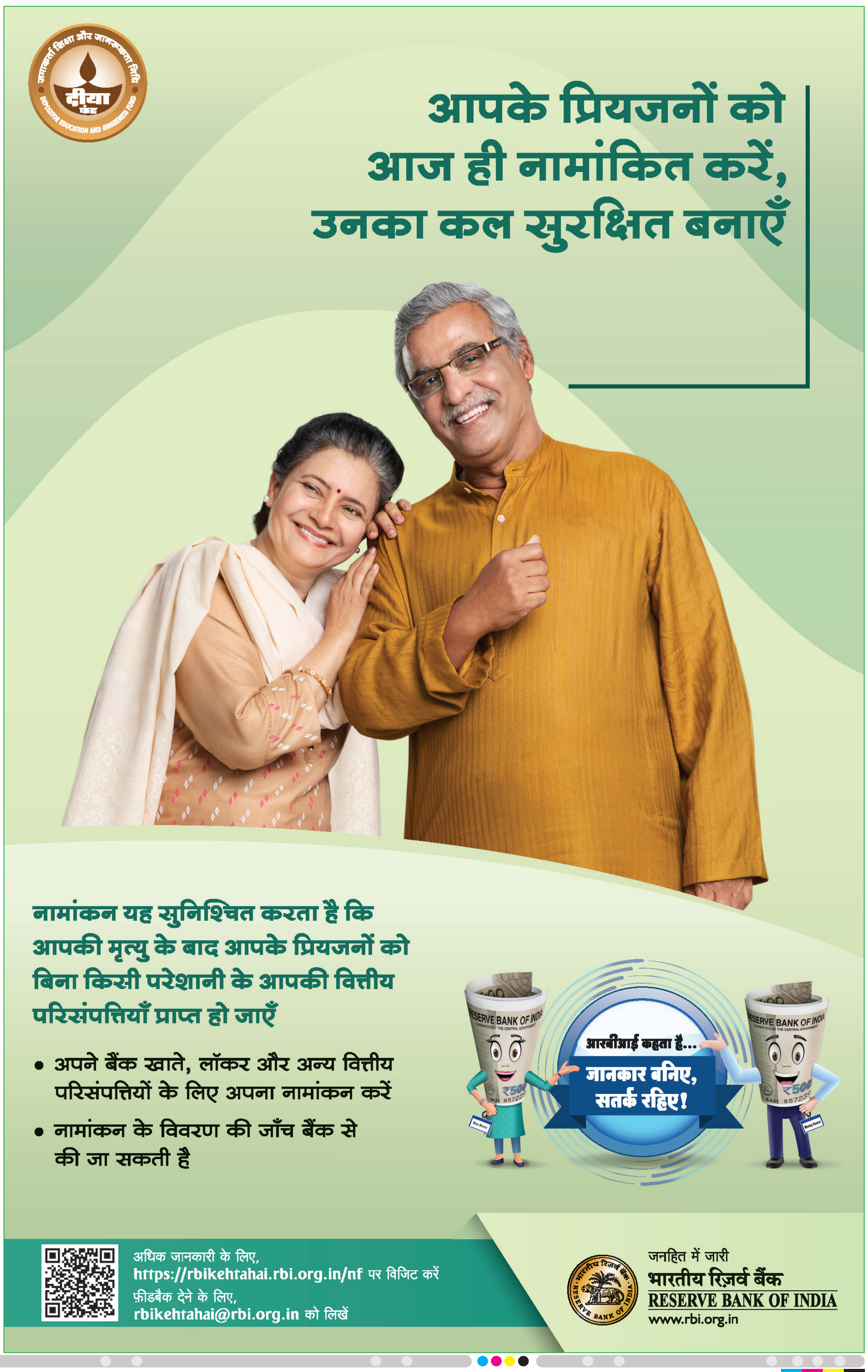

संगठन को मजबूत बनाने में जुटी कांग्रेस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। देश की राजनीति में भाजपा से हर मामले में मुकाबला करने में सक्षम बनने की तैयारी कांग्रेस कर रही है। पहले संगठन को ग्रासरूट तक मजबूत करने के लिए पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर 2025 को संगठन सृजन वर्ष के रूप में मना रही है। अब पार्टी ने अपने प्रवक्ता और मीडिया कोऑर्डिनेटर जैसे महत्वपूर्ण पदों पर योग्य व्यक्ति के चयन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस की आवाज 'नेशनल टैलेंट हंट प्रोग्राम' के तहत अपने प्रवक्ताओं की नियुक्ति करने जा रही है। प्रवक्ताओं के चयन के लिए नेशनल मीडिया टैलेंट हंट प्रोग्राम पूरे देश में चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में झारखंड में भी इस कार्यक्रम की विधिवत लांचिंग हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि एआईसीसी द्वारा टैलेंट हंट के माध्यम से झारखंड में प्रदेश स्तरीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर प्रवक्ताओं की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया शुरू हो रही है। उन्होंने बताया कि पूरे झारखंड को इसके लिए सात जोन में बांटा गया है। इसमें पहला पलामू, दूसरा कोल्हान, तीसरे जोन में देवघर, दुमका, जामताड़ा, चौथे जोन में साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़, पांचवें जोन में रामगढ़, चतरा, कोडरमा, हजारीबाग, छठे जोन में बोकारो, धनबाद, गिरिडीह एवं सातवें जोन में दक्षिण छोटानागपुर के जिले शामिल होंगे। इस पूरी प्रक्रिया में कांग्रेस के मूल्यों के प्रति निष्ठा, वैचारिक प्रतिबद्धता रखने वाले और राजनीतिक रूप से जागरूक, स्पष्ट सोच, त्वरित प्रतिक्रिया देने, शुद्ध भाषा और संचार कौशल, इतिहास का समुचित ज्ञान, मीडिया में सहज उपस्थिति, मीडिया के माध्यम से जनता तक अपनी बातों को तथ्यों के साथ रखने वालों का चुनाव क्षेत्रीय एवं राज्य स्तर पर किया जाएगा। संगठन सृजन के तहत चल रहे कार्यक्रम के अंतर्गत इस सांगठनिक प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। 'नेशनल टैलेंट हंट' प्रोग्राम के लिए पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड एवं बिहार के लिए नियुक्त प्रभारी और एआईसीसी के प्रवक्ता अतुल लोंढे पाटिल ने बताया कि यह कार्यक्रम ऐसी प्रतिभा की खोज के लिए है जो अपने देश के संविधान, प्रस्तावना, संस्कृति और राजनीति की समझ रखता हो। दरअसल पिछले काफी समय से कई ऐसे लोग हैं जो विचारों को देश के साथ साझा करना चाहते हैं, उन्हें यह मंच प्रदान किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सारण में एनडीए की शानदार वापसी, दो महिला विधायक बनीं; एक भाजपा से और दूसरी राजद से

सारण, एजेंसी। बनियापुर से भाजपा के केदारनाथ सिंह लगातार पांचवीं बार विधायक बने, जबकि मढ़ौरा से राजद के जितेंद्र कुमार राय चौथी बार जीतकर पहुंचे। तरैया, सोनपुर, मांझी समेत कई सीटों पर भाजपा ने मजबूत प्रदर्शन किया। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में सारण प्रमंडल ने इस बार पूरी तरह से राजनीतिक समीकरण बदल दिए हैं। वर्ष 2020 के मुकाबले इस बार नतीजे बिल्कुल उलट रहे। पहले जहां एनडीए को सिर्फ तीन सीटें मिली थीं, वहीं 2025 में भाजपा और जदयू ने मिलकर अधिकतर सीटों पर जीत हासिल कर ली। राजद को केवल तीन सीटें मढ़ौरा, गड़खा (सुरक्षित) और परसा ही मिल सकीं। इस बार सारण प्रमंडल से दो महिलाएं विधानसभा पहुंचीं छपरा से भाजपा प्रत्याशी छोटी कुमारी और परसा से राजद प्रत्याशी करिश्मा। बनियापुर से भाजपा के केदारनाथ सिंह लगातार पांचवीं बार विधायक बने, वहीं मढ़ौरा से राजद के जितेंद्र कुमार राय लगातार चौथी बार जीत दर्ज कर चुके हैं। मांझी, सोनपुर और बनियापुर में एक ही राजनीतिक परिवार के तीन सदस्यों की जीत चर्चा का विषय बनी रही।

'मेरी कौन सी गतिविधि पार्टी विरोधी' भाजपा से निष्कासन को लेकर आरके सिंह का नड्डा से सवाल

पटना, एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री राज कुमार सिंह ने अपने ऊपर हुई कार्रवाई को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पार्टी विरोधी गतिविधि के आरोप पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से ही सवाल पूछ लिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री राजकुमार सिंह (आर ।के।सिंह) ने बिहार भाजपा द्वारा निलंबन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पार्टी ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि आखिर उनके खिलाफ कौन-सी 'विरोधी गतिविधियां' बताई गई हैं। उन्होंने बताया कि शो-कॉज़ नोटिस मिलने के बाद उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे ।पी। नड्डा को अपना इस्तीफा भेज दिया है। आर ।के। सिंह ने कहा कि अपने जवाब में उन्होंने बिहार भाजपा से पूछा है कि आखिर मैं कौन-सी गतिविधि 'पार्टी विरोधी' है। मैंने आखिर क्या गुनाह किया है। उन्होंने कहा कि मैंने सिर्फ इतना कहा था कि जिन लोगों का आपराधिक बैकग्राउंड हो या जो भ्रष्ट हों, उन्हें टिकट नहीं दिया जाना चाहिए। क्या यह पार्टी विरोधी गतिविधि है ऐसे लोगों को टिकट देने से पार्टी की छवि खराब होती है, यह न तो पार्टी के हित में है, न देश के और न ही जनता के। उन्होंने कहा कि उनका बयान पूरी तरह पार्टी हित में था। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जहाँ आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों पर सवाल उठाने से लोगों को परेशानी हो, वहां रहने का कोई लाभ नहीं है। एक दिन पहले ही बिहार भाजपा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और आरा से सांसद रहे राजकुमार सिंह उर्फ आर ।के। सिंह पर कार्रवाई की थी। कटिहार में विधान परिषद सदस्य अशोक अग्रवाल और मेयर उषा अग्रवाल पर भी कार्रवाई की गई है। पार्टी ने इन तीनों को छह वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया था। बिहार भाजपा के प्रदेश मुख्यालय प्रभारी अरविंद शर्मा ने तीनों के लिए अलग-अलग पत्र जारी किया था। पत्र में लिखा गया था कि आपकी गतिविधियां पार्टी के विरोध में हैं, जो अनुशासनहीनता की श्रेणी में आती हैं। पार्टी ने इसे गंभीरता से लिया है, क्योंकि इससे पार्टी की छवि धूमिल हुई है और कार्यकर्ताओं का मनोबल प्रभावित हुआ है। इसलिए वरीय पदाधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद आपको भाजपा से निलंबित करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया जा रहा है। भाजपा ने तीनों नेताओं को एक सप्ताह के भीतर जवाब देने के लिए कहा है और पूछा है कि आपको पार्टी से क्यों न निष्कासित किया जाए, इसका स्पष्टीकरण अवश्य दें।

घरेलू विवाद ने लिया भयावह रूप, पत्नी ने पति को जिंदा जलाने की कोशिश, घर राख

पूर्णिया, एजेंसी। कटिहार नगर थाना क्षेत्र के अरगरा चौक मोफरगंज में घरेलू विवाद ने भयावह रूप ले लिया जब पत्नी कल्याणी देवी ने अपने ही घर में आग लगाकर पति पंकज पोद्दार को जिंदा जलाने की कोशिश की। कटिहार नगर थाना क्षेत्र के अरगरा चौक मोफरगंज में एक घरेलू विवाद ने भयावह रूप ले लिया और पति-पत्नी के झगड़े का मामला आगजनी और जान लेने की कोशिश तक पहुंच गया। आरोप है कि कल्याणी देवी ने अपने ही घर में आग लगा दी और पति पंकज पोद्दार को जिंदा जलाने की कोशिश की। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग लगने के तुरंत बाद बंद कमरे से उठती तेज लपटों ने मोहल्ले का ध्यान खींचा। पड़ोसियों ने आवाज देकर दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर उन्होंने दरवाजा तोड़कर अंदर देखा। घर पूरी तरह आग की चपेट में था और उर्दू मध्य विद्यालय शरीफगंज के सरकारी शिक्षक पंकज पोद्दार बुरी तरह झुलस चुके थे। लोगों ने आनन-फानन में उन्हें बाहर निकाला और सदर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के मुताबिक पंकज की हालत गंभीर है और उन्हें रेफर कर दिया गया है।

'मेरा मायका छुड़वाया गया, मुझे अनाथ बना दिया', रोहिणी आचार्य की नई एक्स पोस्ट से सियासी पारा हाई

पटना, एजेंसी। रोहिणी आचार्य ने राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से नाता तोड़ने की घोषणा के एक दिन बाद सोशल मीडिया पोस्ट में नए आरोप लगाए। उन्होंने लिखा, 'कल एक बेटी, एक बहन, एक विवाहिता, एक मां को अपमानित किया गया, उसे गंदी-गंदी गालियां दी गईं, उसे मारने के लिए चप्पल उठाई गई।'

न्होंने आगे लिखा, 'मैंने अपने स्वाभिमान से समझौता नहीं किया, मैंने सत्य का त्याग नहीं किया और केवल इसी कारण मुझे यह अपमान सहना पड़ा। कल एक बेटी, मजबूरी में, अपने रोते हुए माता-पिता और बहनों को छोड़कर चली आई। मुझसे मेरा मायका छुड़वाया गया, उन्होंने मुझे अनाथ बना दिया। आप में से कोई भी मेरे रास्ते पर कभी न चले, किसी भी परिवार में रोहिणी जैसी बेटी-बहन न हो।'

कल पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में रोहिणी ने फूट-फूटकर रोते हुए कहा, 'मेरा कोई परिवार नहीं है। संजय, रमीज और तेजस्वी यादव से पूछिए, उन लोगों ने मुझे परिवार से निकाला है। उन लोगों को हार की जिम्मेदारी नहीं लेनी है। चाणक्य जो बनेगा, वह जवाब देगा। देश-दुनिया चाणक्य से सवाल कर रहा है-पार्टी का ऐसा हाल क्यों हुआ?

संजय यादव और रमीज पर आरोप: रोहिणी ने दावा किया कि उन्हें चप्पल से पीटा गया, गालियां दी गईं और घर से निकाल दिया गया। उन्होंने उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के सलाहकार संजय यादव और रमीज पर हार की जिम्मेदारी से बचने का आरोप लगाया। यह विवाद शनिवार रात को तब भड़का जब रोहिणी ने पटना के लालू-राबड़ी आवास से दिल्ली के लिए प्रस्थान किया।

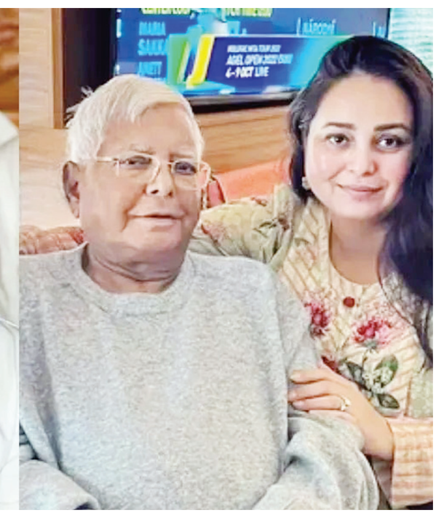

तेजप्रताप को भी निकाला गया : इससे पहले तेजप्रताप को भी पार्टी और परिवार से निकाल दिया गया था। उन पर शादी के बाद भी एक लड़की से प्रेम संबंध रखने के आरोप लगे थे। जिसके बाद तेज प्रताप ने नई पार्टी जनशक्ति जनता दल बनाया और बिहार चुनाव 2025 में अपने प्रत्याशी उतारे थे।

रोहिणी की राजनीतिक सक्रियता : रोहिणी की राजनीतिक सक्रियता इतनी भर है कि वह 2024 के लोकसभा चुनाव में छपरा से राजद की उम्मीदवार थीं। चुनाव हार गईं। विधानसभा चुनाव में वह राघोपुर गई थीं। उन्होंने तेजस्वी के लिए वोट मांगा। वह तेज प्रताप के क्षेत्र महुआ नहीं गईं, लेकिन उन्हें जीत की शुभकानाएं दीं।

रोहिणी आचार्य के लालू परिवार छोड़ने पर सियासी बयानबाजी तेज, बीजेपी नेता ने कहा- ये सत्ता की लड़ाई

डिजिटल डेस्क, पटना। बिहार में राजद की करारी हार के बाद लालू परिवार में कलह तेज हो गई है। लालू-राबड़ी की बेटी रोहिणी आचार्य ने पार्टी और परिवार से नाता तोड़ लिया है। इसके लिए उन्होंने राजद के राज्यसभा सांसद संजय यादव पर गंभीर आरोप लगाया है। रोहिणी के आरोपों के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। बीजेपी नेता और दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने इसे 'सत्ता की लड़ाई' करार दिया है। एनडीए के और भी नेताओं के भी बयान सामने आए हैं।

सिरसा ने कहा, 'रोहिणी आचार्य के इस्तीफे से वही बात स्पष्ट हो गई है, जो भाजपा बार-बार कहती रही है कि वहां परिवारवाद है, उनकी लड़ाई केवल सत्ता के लिए है, राजद में बिहार के विकास की कभी लड़ाई नहीं थी, ये बात स्पष्ट हो गई है। यह बहुत दुख की बात है कि जिन लोगों ने सालों तक शासन किया, उनके मन में कभी देश के लिए कोई भावना नहीं थी।'

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने तेजस्वी यादव पर हमला करते हुए कहा, 'जो लोग पूरे बिहार को चलाने का सपना देख रहे थे, वे अपना परिवार भी नहीं चला पाए। रोहिणी आचार्य ने कहा कि सवाल पूछने पर घर से बाहर निकाला जा सकता है, पीटा जा सकता है, यह कहीं न कहीं उस मानसिकता को दर्शाता है, जिस जंगलराज के लिए पूरा शासन जाना जाता था।'

हम (सेक्युलर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन ने कहा कि ये उनका अंदरूनी मामला है। कहते हैं बुरे वक्त में अपने भी साथ छोड़ देते हैं और जब महत्वाकांक्षा हावी हो जाए, तो परिवार में भी कलह होती है। जनता ने जो जनादेश दिया है, उसे सभी को स्वीकार करना चाहिए, चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष।

बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जयसवाल ने कहा मैं उस पारिवार के मामले में ज़्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन लालू यादव और राबड़ी देवी से अनुरोध करूंगा कि परिवार को इस तरह नहीं बिखरना चाहिए। यह ठीक नहीं है कि रोहिणी आचार्य, जिन्होंने अपनी किडनी देकर लालू यादव की जान बचाई, उन्हें आज यह दिन देखना पड़ रहा है।

नीतीश कुमार ही होंगे बिहार के सीएम? जदयू के पोस्टर से अटकलें तेज

पटना, एजेंसी। बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद सीएम पद को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। इस बीच जदयू के एक पोस्टर ने राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। इसमें लिखा है- बिहार हे खुशहाल, फिर से आ गए नीतीश कुमार। जदयू के इस पोस्ट के बाद ये अटकलें तेज हो गई हैं कि नीतीश कुमार के नाम पर सहमति बन गई है। हालांकि इस पर अभी एनडीए की तरफ से घोषणा होना बाकी है। वहीं, कल लोजपा (रामविलास) नेता चिराग पासवान ने सीएम नीतीश से मुलाकात की थी, लेकिन नए सीएम को लेकर उन्होंने कहा कि इसका फैसला विधायक दल करेगा। हम नेता संतोष सुमन ने भी सीएम नीतीश से मुलाकात की थी।

चुनाव के दौरान भी नीतीश कुमार के सीएम पद पर वापसी मुद्दा बना था। विपक्ष लगातार कह रहा था कि एनडीए की जीत के बाद नीतीश कुमार सीएम नहीं रहेंगे। तब भी केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री पद के लिए कोई वैकेंसी नहीं है, लेकिन किसी नेता ने अभी ये शब्द नहीं कहा है कि 'नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री होंगे', जिससे गहमागहमी बनी हुई है और तमाम तरह की अटकलें चल रही हैं।

बिहार में एनडीए को मिली प्रचंड जीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए की जीत को 'सुशासन की जीत' करार दिया। पीएम मोदी का ये बयान को नीतीश कुमार के आगे भी मुख्यमंत्री बने रहने के समर्थन के रूप में देखा जा रहा है।

सीवान में भीषण बाइक भिड़ंत, एक की मौत और चार घायल, मचा कोहराम

सारण, एजेंसी। सीवान के बड़हरिया थाना क्षेत्र में जगतपुरा मिडिल स्कूल के सामने दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में रविन्द्र प्रसाद की मौके पर मौत हो गई। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए, जिनमें से दो को सिवान सदर अस्पताल रेफर किया गया।

सीवान जिले के बड़हरिया थाना क्षेत्र से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। बड़हरिया-मीरगंज मुख्य मार्ग पर स्थित जगतपुरा गांव के मिडिल स्कूल के सामने दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस भीषण टक्कर में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में से दो की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है।

मृतक की पहचान पकवलिया गांव निवासी रविन्द्र प्रसाद के रूप में की गई है। वहीं घायलों में पकवलिया गांव के नरेश यादव, तथा तिलसंडी 510 के अखलाख अहमद, विश्वनाथ और साबिर अली शामिल हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों और राहगीरों की मदद से सभी घायलों को तुरंत बड़हरिया स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो को गंभीर स्थिति

देखते हुए सिवान सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

परिजनों के अनुसार, रविन्द्र प्रसाद घर निर्माण के ठेकेदारी का कार्य करते थे। प्रतिदिन की तरह वे देर शाम काम खत्म कर बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक जगतपुरा मिडिल स्कूल के समीप पहुँची, सामने से तेज रफ्तार में आ रही दूसरी बाइक से उनकी आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि रविन्द्र प्रसाद ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि दोनों बाइकों की रफ्तार काफी तेज थी और सड़क पर अंधेरा होने के कारण हादसा और भी गंभीर रूप ले लिया।

हादसे की सूचना मिलते ही बड़हरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सिवान सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त बाइकों को जब्त कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में बताया जा रहा है कि दोनों बाइकों में से एक पर तीन लोग सवार थे, जिससे संतुलन बिगड़ने की संभावना जताई जा रही है। घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। गांव में शोक का माहौल है।

बड़े बेटे को लालू ने हटाया, बेटी ने खुद छोड़ा परिवार; पिता का जीवन बचाया था रोहिणी आचार्य ने

पटना, एजेंसी। तेजस्वी यादव और उनके आसपास रहने वाले लोग लालू प्रसाद यादव के परिवार के लिए मुसीबत बन गए हैं। बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को लालू ने निकाला तो यह आरोप सामने आया था। अब लालू को दूसरा जीवन देने वाली रोहिणी आचार्य ने यही आरोप लगाया है।

राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, देश के भूतपूर्व रेल मंत्री और बिहार के भूतपूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। बहुत दिन नहीं हुए, जब लालू प्रसाद यादव ने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को परिवार और पार्टी से निकल बाहर किया था। अब उनकी सबसे चर्चित बेटी रोहिणी आचार्य ने राजनीति से संन्यास लेने का ऐलान करते हुए परिवार से भी दामन छुड़ा लिया है। रोहिणी आचार्य तब सबसे ज्यादा चर्चा में आई थी, जब उन्होंने अपने पिता को किडनी दान कर उनकी जान बचाई थी।

पाटलिपुत्र की सांसद चुनी गई लालू प्रसाद यादव की पहली बेटी मीसा भारती हैं। निशा के बाद रोहिणी आचार्य हैं। रोहिणी आचार्य की शादी तो बिहार में हुई है, लेकिन वह सपरिवार सिंगापुर में रहती हैं। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की जब किडनी खराब हो गई, तो प्रत्यारोपण के लिए दाता की खोज शुरू हुई थी। बाद में रोहिणी आचार्य ने पिता को सिंगापुर बुला लिया। वहां अपनी एक किडनी पिता को देखकर उनकी जान बचाई। दिसंबर 2022 में ऑपरेशन के बाद कुछ समय तक लालू सिंगापुर में रहे और फिर उसके बाद दिल्ली में बेटी मीसा भारती के पास। किडनी देने वाली बेटी को लेकर बिहार में राष्ट्रीय जनता दल के समर्थकों में बहुत जबरदस्त सकारात्मक माहौल था। लोकसभा चुनाव 2024 में सक्रिय हुए लालू प्रसाद यादव ने बेटी रोहिणी आचार्य को सारण में भारतीय जनता पार्टी के राजीव प्रताप रूडी के सामने टिकट दिया। रोहिणी ने बिहार में रहकर अपने क्षेत्र में जबरदस्त प्रचार भी किया, लेकिन जीत नहीं सकीं। इसके बाद वह सिंगापुर लौट गई थीं।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले एक बार चर्चा उठी कि वह यह चुनाव भी लड़ने आने वाली हैं। इधर इस बीच, एक लड़की के साथ वायरल वीडियो के आधार पर लालू प्रसाद यादव ने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को 6 साल के लिए राष्ट्रीय जनता दल और आजीवन परिवार से बाहर कर दिया।

तेज प्रताप यादव पर दहेज प्रताड़ना का केस पहले से चल रहा है। पिछले दिनों जब तेज प्रताप यादव वैशाली के महुआ से अपनी नवगठित पार्टी के नाम पर चुनाव में उतरे, तो लालू परिवार से केवल रोहिणी ने ही अपने भाई के लिए शुभकामना संदेश दिया। कहां जा रहा है कि इसी बात को लेकर तेजस्वी के आसपास रहने वाले लोगों ने परिवार में विवाद बढ़ा दिया। शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम में तेज प्रताप यादव की हार भी हुई। राष्ट्रीय जनता दल बुरी तरह सिमट गया। इसके बाद अब शनिवार को रोहिणी आचार्य ने तेजस्वी यादव के आसपास रहने वाले दो लोगों का नाम लिखकर राजनीति से ही संन्यास लेने और लालू परिवार से दूर होने का एलान कर दिया।

बिहार में संगीत से सत्ता तक, मैथिली ठाकुर की सोलो सक्सेस, दो भोजपुरी स्टार्स फ्लॉप!

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणाम स्पष्ट हो चुके हैं और राज्य में फिर से एनडीए की सरकार बनने जा रही है। 243 सीटों वाली विधानसभा में एनडीए ने 200 से अधिक सीटों पर जीत का मजबूत आधार बना लिया है। चुनावी विश्लेषकों के मुताबिक यह जीत एनडीए की रणनीति, नेतृत्व और कैंपेन की प्रभावी पहुंच का परिणाम है। जिसमें मैथिली ठाकुर को जीत मिली तो अन्य सितारों को हार का सामना करना पड़ा।

मैदान में संगीत जगत के तीन चेहरे: इस चुनाव की खास बात यह रही कि गैर राजनीतिक बैकग्राउंड से आने वाले तीन प्रमुख कलाकार मैदान में उतरे थे। इनमें मैथिली ठाकुर, खेसारी लाल यादव और रितेश पांडे शामिल रहे। तीनों संगीत जगत के बड़े नाम हैं और अपनी लोकप्रियता के दम पर

राजनीति में कदम रख रहे थे। इन उम्मीदवारों को लेकर जनता में काफी चर्चा रही क्योंकि ये अपने क्षेत्र में बड़ी फैन फॉलोइंग रखते हैं।

अलीनगर सीट से उतरी थी मैथिली ठाकुर: लोक गायिका मैथिली ठाकुर को अलीनगर सीट से भारतीय जनता पार्टी ने टिकट दिया था। मैथिली ठाकुर लंबे समय से मिथिला संस्कृति और पारंपरिक संगीत को बढ़ावा देने के लिए जानी जाती हैं। उनकी सौम्य शैली, मर्यादित गायन और सांस्कृतिक जुड़ाव ने उन्हें बिहार में एक सम्मानित व्यक्तित्व के रूप में स्थापित किया है।

मैथिली ठाकुर की राजनीतिक सफलता: शुक्रवार को जब चुनावी परिणाम आए तो मैथिली ठाकुर ने अलीनगर सीट पर 84915 वोटों के साथ 11730 के अंतर से शानदार जीत दर्ज की। यह न सिर्फ उनकी लोकप्रियता का प्रमाण है बल्कि पहली बार चुनाव लड़ते हुए जनता का उन पर भरोसा भी दिखाता है। उनकी जीत को एनडीए की बड़ी सफलता के रूप में भी देखा जा रहा है क्योंकि उन्होंने अपने क्षेत्र में मजबूत दावेदारों को पीछे छोड़ दिया।

खेसारी लाल यादव को नहीं मिली जीत: भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव इस बार राष्ट्रीय जनता दल के टिकट पर छपरा सीट से उम्मीदवार थे। उनकी लोकप्रियता व्यापक है, लेकिन राजनीतिक अनुभव की कमी उनके लिए चुनौती बनकर सामने आई। परिणामों में यह स्पष्ट हुआ कि खेसारी लाल यादव ने छपरा में कड़ा मुकाबला दिया, लेकिन 79245 वोट लाने के बाद वो 7600 से हार गए और दूसरे स्थान पर रहे। चुनाव प्रचार के दौरान उन पर भोजपुरी संस्कृति को कमजोर करने और अश्लीलता को बढ़ावा देने के आरोप विपक्ष और सोशल मीडिया के जरिए लगते रहे।

पश्चिम चंपारण का जनादेश, कहीं थ्रिलर मुकाबला तो कहीं एकतरफा जीत, एनडीए का दबदबा बरकरार

तिरहुत-मुजफ्फरपुर, एजेंसी। पश्चिम चंपारण जिले की 9 विधानसभा सीटों पर आए नतीजों में इस बार भी एनडीए का दबदबा कायम रहा। भाजपा और जदयू ने मिलकर अधिकांश सीटों पर जीत दर्ज की।

पश्चिम चंपारण जिले की सभी 9 विधानसभा सीटों के नतीजे शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा के बीच जारी किए गए। सुबह आठ बजे शुरू हुई मतगणना देर शाम तक चली। इस दौरान कहीं बड़े अंतर से जीत दर्ज हुई, तो कई जगह बेहद रोमांचक मुकाबले ने जिले की राजनीति में सस्पेंस बनाए रखा। कुल मिलाकर इस बार भी जिले में एनडीए ने अपना मजबूत दबदबा कायम रखा, जबकि कांग्रेस, राजद और जन सूराज ने कुछ सीटों पर संघर्ष किया, लेकिन उसे जीत में बदलने में सफल नहीं हुए।

वाल्मीकि नगर विधानसभा क्षेत्र संख्या 1 से कांग्रेस के सुरेन्द्र प्रसाद ने मात्र 1,675 वोटों के बेहद कम अंतर से जीत हासिल की। उन्हें कुल 1,07,730 वोट मिले, जबकि जदयू के धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह को 1,06,055 वोट मिले। यह सीट पूरे जिले में सबसे कम अंतर से जीती गई और अंतिम राउंड तक

मुकाबला बेहद रोमांचक रहा।विधानसभा क्षेत्र 2 रामनगर में भाजपा प्रत्याशी नंदकिशोर राम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 35,680 वोटों के भारी अंतर से जीत दर्ज की। उन्हें 1,15,214 वोट मिले। राजद उम्मीदवार सुबोध कुमार को 79,534 वोट मिले। यहां भाजपा शुरुआत से ही आगे रही। नरकटियागंज (संख्या 3) में त्रिकोणीय मुकाबले के बावजूद भाजपा के संजय कुमार पांडेय ने 26,458 वोटों से जीत दर्ज की।बगहा (संख्या 4) से भाजपा के राम सिंह ने 6,313 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। उन्हें 1,06,875 वोट मिले। कांग्रेस प्रत्याशी जयैश मंगलमय सिंह के वोटों का आंकड़ा (10,00,562) मतगणना कर्मियों और स्थानीय राजनीति में गड़बड़ी का विषय बना रहा।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर "बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता का संरक्षण" विषयक परिचर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर आज स्थानीय सूचना भवन सभागार में 'बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता का संरक्षण' विषयक परिचर्चा का आयोजन किया गया। प्रमंडलीय सूचना एवं जनसंपर्क इकाई तथा सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, पलामू के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में जिले के विभिन्न मीडिया संस्थानों के पत्रकारों ने कहा कि डिजिटल युग में भ्रामक सूचनाएँ और फेक न्यूज तेजी से फैल रही हैं, ऐसे समय में प्रेस की जिम्मेदारी और भी बढ़ गयी है।तथ्य-जांच, विश्वसनीय स्रोत, नैतिक पत्रकारिता और संपादकीय अनुशासन ही प्रेस की विश्वसनीयता को बनाए रख सकते हैं। वरिष्ठ पत्रकारों ने यह भी बताया कि मीडिया का मूल उद्देश्य जनता को सत्य, सटीक और संतुलित जानकारी उपलब्ध कराना है।

वक्ताओं ने चर्चा के दौरान पत्रकारिता के बदलते स्वरूप, तकनीकी चुनौतियों, सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव तथा विश्वसनीय सूचना तंत्र को मजबूत करने की रणनीतियों पर भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। प्रमंडलीय जनसंपर्क कार्यालय के उपनिदेशक संजीव कुजूर ने सभी का स्वागत करते हुए विषय प्रवेश कराया। उन्होंने भ्रामक सूचनाओं की रोकथाम के लिए सत्यपरक जानकारियां प्रस्तुत करने की बातें कही, ताकि समाज को गति मिले।

पत्रकार प्रभात मिश्रा 'सुमन' ने कहा कि हमसभी भ्रामक सूचनाओं के शिकार हो रहे हैं। उन्होंने उदाहरणपूर्वक बताया कि हमसभी कैसे भ्रामक सूचनाओं के आगोश में आ रहे हैं और इससे बचाव के क्या तरीके हैं। उन्होंने कहा कि विश्वसनीयता का संरक्षण पत्रकारों को खुद करना होगा। उन्होंने अप्पा दीपो भवः की बात कहते हुए खुद दीपक बनने की सलाह दी।

उन्होंने काकोरी एक्शन के नायक शहीद अशफाकउल्ला खॉ के पलामू में रहने की जानकारी सहित संविधान सभा में पलामू व झारखंड के सपूतों के बारे में बृहद जानकारी देते हुए कहा कि तथ्य की प्रमाणिकता रहने से सूचनाएं भ्रामक नहीं होगी। उन्होंने सभी से प्राप्त सूचनाओं का सत्यापन करने के बाद ही प्रचारित व प्रसारित करने की सलाह दी।

राष्ट्रीय नवीन मेल के स्थानीय संपादक सह वरिष्ठ पत्रकार राणा अरुण सिंह ने कहा कि आज का विषय, बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता का संरक्षण, हमारे लिए गहन आत्ममंथन का अवसर है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक, सोशल और डिजिटल मीडिया का समाज और देश-दुनिया पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। यह एक ऐसा युग है जहां हर व्यक्ति सूचना का संप्रेषक बन गया है। भविष्य में यह प्रभाव वरदान बनेगा या अभिशाप, यह समय ही बताएगा। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में विश्वसनीयता बनाए रखना आज पहले से कहीं अधिक आवश्यक है। सूचना के प्रसार में सत्यापन की जिम्मेदारी हर व्यक्ति पर है। केवल स्रोत की जांच और तथ्य की पुष्टि करने के बाद ही सूचना का प्रकाशन या प्रसारण किया जाना चाहिए। क्योंकि सूचना का प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है, इसलिए इसके माध्यम से समाज में विकृतियों और भ्रम की संभावना कम करने का प्रयास होना चाहिए।

उन्होंने समाज को सशक्त बनाने के लिए सही और सटीक जानकारी के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि स्रोतों को जागरूक करना आवश्यक है। भ्रमित और भ्रामक सूचनाओं की रोकथाम ही समाज में सामंजस्य और विकास की नींव रखती है। उनका संदेश था कि सही सूचना के माध्यम से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है और हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी निभाकर इसे सुनिश्चित कर सकता है।

हिन्दुस्तान के पलामू ब्यूरो प्रमुख सतीश चंद्र मिश्र 'सुमन' ने प्रेस दिवस पर आयोजित 'बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता का संरक्षण' विषय पर अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि समाज को बनाने के लिए सूचनाओं की सत्यता की जांच कर उसमें मूल्यवृद्धि कर जनता के बीच प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को पत्रकारीय गुण को जगाते हुए सही जानकारी का संप्रेषण करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि संप्रेषण के तीन मुख्य स्तंभों में दो यथा मिडिया और रिसिवर पूर्व की तुलना में वर्तमान में क्रमशः अध्यधिक तेज और अधिक जागरूक हो गया है।इस कारण तीसरे स्तंभ मेसेज में मिलावट आम लोग भी पकड़ ले रहे हैं।इस लिए विश्वास का संकट गहराता जा रहा है। इससे बचाव सभी स्तर पर जरूरी है तभी प्रेस की विश्वसनीयता और मयार्दा दोनों संरक्षित हो पाएगी।

द इमर्जिंग वर्ल्ड के पॉलिटिकल एडिटर संजय पांडेय ने कहा कि आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से सूचना प्रवाह काफी बढ़ा है। आज लोगों को /डिजिटल साक्षरता अपनानी ही पड़ेगी। ऐसे में सभी को डिजिटल अवेयरनेस की जरूरत है। पत्रकारिता में खबरों का संग्रह कर रहे पत्रकार को तथ्य जांच की अनिवार्यता को समझना है। उन्होंने कहा कि सत्य केवल खबर नहीं बल्कि विश्वास है। फेसबुक, व्हाट्सएप सहित अन्य माध्यमों द्वारा सूचना प्राप्त हो रही है। सूचनाओं को पढ़ने के साथ ही फेक सूचना की सत्यता की जांच करने की जरूरत है। तथ्य जांच के उपरांत ही प्रकाशित एवं प्रसारित करने की आवश्यकता है। उन्होंने पत्रकारों को स्वयं को अपडेट रहने की सलाह दी। साथ ही मीडिया एथिक्स एवं प्रेस लॉ की जानकारी की अनिवार्यता पर बल दिया। वहीं जमीनी स्तर पर पहुंचकर खबरों को बनाने की सलाह दी।

दैनिक जागरण के वरिष्ठ पत्रकार तौहीद रब्बानी ने कहा कि परिचर्चा की सार्थकता को हमसभी प्रेस मीडिया को आत्मसात करने और व्यवहारिक जीवन में उतारते हुए भ्रामक सूचनाओं को संप्रेषण से बचने की जरूरत है।

उन्होंने जमीनी स्तर पर रिपोर्टिंग करने, प्राप्त सूचनाओं के तथ्यों की पुष्टि करते हुए पाठक/दर्शक के समक्ष सत्य समाचार प्रेसित करने पर बल दिया। पत्रकार संजय सिंह उमेश एवं प्रेम प्रकाश ने भी परिचर्चा को संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रेस छायाकार सैकत चट्टोपाध्याय एवं धन्यवाद ज्ञापन सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के एपीआरओ अजीत कुमार तिवारी ने की। मौके पर प्रमंडलीय जनसंपर्क इकाई के एपीआरओ बिजय कुमार ठाकुर, एसएमपीओ अमनदीप कुजूर सहित सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सभी कर्मी एवं बड़ी संख्या में सभी प्रेस , मीडिया के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने किया बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। नौडीहा, नीलांबर-पीतांबरपुर प्रखंड, पलामू में आज पलामू की उपायुक्त समीरा एस. ने नौडीहा में स्थापित बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन किया। 60 मीट्रिक टन की उत्पादन क्षमता वाला यह समग्र इफ्ठ, महिला उद्यमी सुमित्रा देवी के नेतृत्व में संचालित होगा। इसे संयुक्त सहयोग से स्थापित किया गया है, जो जिले में ऐसे मॉडलों के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उद्घाटन के दौरान उपायुक्त ने जिले में और अधिक सेंटर स्थापित करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जिले में एक ऑर्गैनिक स्टोर खोला जाएगा, जहाँ एफपीओएस और बीआरसीएस द्वारा तैयार कृषि उत्पाद उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि किसानों को बेहतर बाजार मूल्य मिल सके।

उपायुक्त ने प्रेम शंकर, अनीता केर-केट्टा, श्रवण कुमार (जिला उद्यान विभाग), सुकेशिनी केरकेट्टा (नीलाम्बर-पीताम्बरपुर), जवाहर मेहता (विकास सहयोग केंद्र) सहित सभी साझेदार संगठनों के कार्यों की सराहना की।

कार्यक्रम में नौडीहा की महिला उद्यमी सुमित्रा देवी और पांकी की बीआरसी उद्यमी श्रीमती अनिता देवी ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि किस प्रकार पुनर्जीवि कृषि ने उनके गाँव में सकारात्मक परिवर्तन लाए हैं।

इस अवसर पर सुनील कुमार पासवान (प्रखंड प्रमुख), अवकेश खलखो , प्रिंस कुमार, लंकेश, सौरभ, रुचिका, ओम प्रकाश, सत्यप्रिय तिवारी, धनंजय कुमार, नीरज सिंह, सामुदायिक समन्वयक, एफ टी सी, सहित लगभग 200 महिला कृषक उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम का संचालन कुलदीप बड़ाईक के द्वारा किया गया।

विधवा प्रेमिका को जलाया

दुमका। शिकारीपाड़ा के सीतासाल गांव में 13 नवंबर की रात शादी का दबाव देने पर प्रेमी ने 21 साल की विधवा आदिवासी प्रेमिका पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

पुलिस की मदद से झुलसी महिला को पहले पश्चिम बंगाल के रामपुरहाट अस्पताल में भर्ती कराया गया, हालत में सुधार नहीं होने पर उसे वर्धमान रेफर कर दिया।

विधवा की मां के बयान पर पुलिस ने शुक्रवार की शाम आरोपित और उसकी पत्नी पर मामला दर्ज किया। शनिवार को पुलिस ने आरोपित युवक को शिकारीपाड़ा से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस महिला के होश में आने का इंतजार कर रही है।

दरअसल शिकारीपाड़ा थाना की पुलिस को 13 नवंबर की रात सूचना मिली कि सीतासाल में घर में ही आदिवासी महिला आग से झुलस गई है। पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को इलाज के लिए रामपुरहाट अस्पताल में भर्ती कराया।

प्रेम प्रसंग में हुआ हाई वोल्टेज ड्रामा

हुई शादी, पहुंची पुलिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। पहले फोन काल से टूटी शादीङ्क फिर प्रेमी का अचानक घर पहुंचना और उसके बाद थप्पड़, हंगामा और पुलिस की एंट्री! तीन साल पुराने प्रेम प्रसंग ने ऐसा करवट बदला कि देखते ही देखते भीड़ जमा हो गई। तनाव के बीच प्रेमी ने जो कदम उठाया, उसने सबको हैरान कर दिया-मांग में सिंदूर!

दरअसल, प्रेम का यह अनोखा संगम झारखंड के धनबाद जिले के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के भेलाटांड में देखने को मिला है। शनिवार की शाम प्रेम प्रसंग को लेकर हाई-वोल्टेज ड्रामा हो गया। प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक की पहले जमकर फजीहत हुई और फिर घंटों चली गर्मागर्मी एवं पुलिस की मौजूदगी में युवक ने प्रेमिका की मांग में सिंदूर भर दिया।

बाबुडीह निवासी जमीन कारोबारी प्रेम गोप के पुत्र सोनू गोप का पिछले तीन वर्षों से एक लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस बीच लड़की के परिजनों ने उसकी शादी बोकारो में तय कर दी थी और शादी का कार्ड भी छप चुका था।

इसी दौरान सोनू ने बोकारो में फोन कर लड़की के होने वाले दूल्हे को बताया कि वह लड़की से प्रेम करता है। इस फोन काल के बाद लड़की की शादी टूट गई।इसके बाद लड़की के परिजनों ने सोनू के पिता से मुलाकात कर शादी का प्रस्ताव रखा, लेकिन सोनू के पिता राजी नहीं हुए।

शनिवार शाम सोनू ने लड़की को मिलने के लिए फोन किया, लेकिन लड़की ने यह कहते हुए मना कर दिया कि जब उसके पिता शादी नहीं मान रहे, तो मिलने का कोई अर्थ नहीं है। इसके बावजूद सोनू उसके घर पहुंच गया। लड़की ने यह बात अपने परिजनों को बता दी, जिन्होंने सोनू को पकड़ लिया और उसकी जमकर फजीहत की।

सूचना पर सोनू के पिता और अन्य परिजन भेलाटांड़ पहुंचे। दोनों पक्षों में विवाद बढ़ने पर पुलिस को जानकारी दी गई। बरवाअड्डा पुलिस मौके पर पहुंची और समझाने-बुझाने का प्रयास किया। लड़की के परिजन सोनू पर शादी के लिए दबाव डाल रहे थे।

काफी मान-मनौवल और विवाद के बाद अंततः सोनू ने लड़की की मांग में सिंदूर भर दिया। हालांकि, लड़की के परिजन इस विवाह को स्वीकार नहीं कर रहे हैं और सोनू के परिजन भी शादी से इंकार कर रहे हैं। लड़के के पिता का आरोप है कि उनके बेटे को जबरन शादी कराने के लिए लाया गया है।

इस प्रेम प्रसंग को लेकर दोनों पक्षों में विवाद जारी है। पुलिस मामले के पटाक्षेप का प्रयास कर रही है। लड़की पक्ष का कहना है कि वे शादी तभी मानेंगे जब सामाजिक रीति-रिवाज से संपन्न हो।

ससुर-साले ने दामाद पर बरसायी गोलियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। परसुडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत कीताडीह गाड़ीवान पट्टी स्थित गफ्फार बस्ती में दामाद पर ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना सामने आई।

हालांकि, घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन अचानक हुई फायरिंग से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। कीताडीह निवासी जावेद खान ने इस मामले में अपनी पत्नी हीना खातून, साला मो. रियाशद, ससुर मो. लियाकत समेत पांच अज्ञात आरोपितों के खिलाफ जानलेवा हमला, मारपीट और फायरिंग करने की प्राथमिकी परसुडीह थाना में दर्ज कराई है।

पुलिस ने घटनास्थल से तीन खोखा किया है। जावेद खान ने पुलिस को बताया कि वह लंबे समय से बेंगलुरु में कार्यरत था और करीब एक माह पहले ही कीताडीह लौटा है। घर वापस आने के बाद उसने पाया कि उसकी पत्नी किसी अन्य व्यक्ति से लगातार फोन पर बातचीत करती है। जब उसने इस पर आपत्ति जताई, तो विवाद बढ़ गया। आरोप लगाया कि शुक्रवार रात इसी बात को लेकर पत्नी और उसके परिजनों ने पहले उसके साथ मारपीट की। इसके बाद साले, ससुर और उनके साथ आए अज्ञात युवकों ने उस पर तीन राउंड गोलियां चलाईं।

संयोगवश कोई भी गोली उसे नहीं लगी और वह बाल-बाल बच गया। परसुडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने बताया कि घटना में शामिल सभी आरोपितों की पहचान कर ली गई है। वे कीताडीह और आसपास के इलाकों के निवासी हैं। पुलिस की विशेष टीम उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

उन्होंने कहा कि मामला पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवाद से जुड़ा प्रतीत होता है। जल्द ही सभी नामजद व अज्ञात आरोपितों की गिरफ्तारी होगी।

बिहार चुनाव परिणाम से

झारखण्ड के नेताओं में आयी आपसी खटास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। बिहार विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद भी झारखंड के सियासी दिग्गज इंटरनेट मीडिया पर एक-दूसरे पर तीखा वार कर रहे। बिहार विस चुनाव में अपनी राजनीतिक ताकत झोंकने वाले गोड्डा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे के अलावा झारखंड के दो मंत्री संजय यादव और दीपिका पांडेय सिंह के रिश्तों में अब खटास आ गई है।

खटास ऐसी की शब्दों की मयार्दा सीमा लांघ रही। डॉ. निशिकांत ने इंटरनेट मीडिया पर अपनी पोस्ट में संजय यादव को झारखंड का गुंडा से अलंकृत किया तो संजय यादव ने कपड़े उतरवा कर गोड्डा से खदड़ने और कुंडली खोलने की धमकी दे डाली।

इससे पूर्व श्रम मंत्री संजय यादव ने चुनाव प्रचार के दौरान ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के खिलाफ भी मोर्चा खोला था। कहा था, विपरीत परिस्थितियों में उन्होंने दीपिका पांडेय सिंह के लिए क्या किया, यह बताने की जरूरत नहीं है। कहलगांव में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने उनके पुत्र रजनीश भारती को टिकट देकर चुनाव में उतारा। नामांकन के पूर्व तेजस्वी यादव ने कहलगांव आकर माहौल बनाया। इसके बाद इसे अपनी पारंपरिक सीट बताते हुए कांग्रेस ने अपना प्रत्याशी उतार दिया।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह खुलेआम कांग्रेस के समर्थन में उतर गईं। जबकि उन्हें यहां गठबंधन से राजद की उम्मीदवारी को मजबूत करनी चाहिए थी। हालांकि इसपर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई।

बता दें कि गोड्डा जिले के सटे बिहार के कटोरिया, बांका, धोरैया, कहलगांव और पीरपैंती विधानसभा सीट पर इस बार चुनाव प्रचार के दौरान झारखंड के इन दिग्गजों ने खूब ताकत झोंकी। झारखंड के दो मंत्री सहित गोड्डा सांसद और गोड्डा के पूर्व विधायक अमित मंडल भी बिहार चुनाव में रेस रहे।

श्रम मंत्री पूरे चुनाव में अपने पुत्र रजनीश के लिए कहलगांव में ही कैंप करते रहे। चुनाव परिणाम में राजद को यहां जदयू के शुभानंद मुकेश के हाथों करारी शिकस्त खानी पड़ी। निश्चित रूप से श्रम मंत्री की प्रतिष्ठा वहां दांव लगी थी, लेकिन कहलगांव सीट पर संजय यादव कमाल नहीं दिखा पाए।

बांका और भागलपुर जिले की अधिकांश सीटें एनडीए के पक्ष में गई। इधर झारखंड कैबिनेट में श्रम मंत्री संजय यादव को लेकर सत्ताधारी झामुमो ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। आने वाले दिनों में इसका पटाक्षेप क्या होगा, यह समय ही बताएगा।

दीपिका भी कोई खास कमाल नहीं कर पाईं। अंग प्रदेश के दो जिलों भागलपुर और बांका जिले की 12 सीटों पर महागठबंधन का सूपड़ा साफ हो गया। वहीं, सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने चुनाव के दौरान कहलगांव, पीरपैंती से लेकर भागलपुर, बिहपुर, नाथनगर आदि विस सीटों पर धुआंधार प्रचार किया। सभी जगह एनडीए प्रत्याशियों को जीत मिली।

गोल्फ ग्राउंड पर बंदर ने मचाया उत्पात, खलबली

तीन बच्चों को किया घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। क्रिकेट के मैदान में खिलाड़ी अभ्यास के दौरान खूब दौड़ते हैं, लेकिन क्या कभी आपने खिलाड़ियों के साथ किसी बंदर को भी मैदान में उतरते देखा है? शनिवार को गोल्फ ग्राउंड (रणधीर वर्मा स्टेडियम) मैदान में ऐसा ही हैरान कर देने वाला दृश्य देखने को मिला, जब बच्चों के अभ्यास के दौरान एक बंदर मैदान में घुस आया और पूरे मैदान में उत्पात मचा दिया।

यह बंदर प्रैक्टिस कर रहे खिलाड़ियों के पीछे दौड़ पड़ा। उसने तीन बच्चों को काटकर घायल भी कर दिया। गोल्फ ग्राउंड में रोजाना बड़ी संख्या में बच्चे और बड़े खेलकूद के लिए आते हैं-कोई फुटबॉल खेलता है तो कोई क्रिकेट। इसी दौरान अचानक बंदर के मैदान में उतरते ही अफरा-तफरी मच गई।

बंदर को देखकर बच्चे घबरा गए और इधर-उधर भागने लगे। बंदर भी उनके पीछे दौड़ता रहा और कई बच्चों को गिरा दिया, जिससे वे घायल हो गए। कुछ बच्चों ने हाथ में स्टंप लेकर उसे भगाने की कोशिश की, लेकिन इससे बंदर और अधिक आक्रामक हो गया। करीब दो घंटे तक उसने पूरे मैदान में हंगामा मचाए रखा।

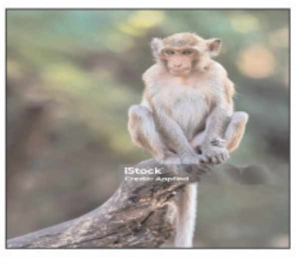

बंदर की हरकतें देख वहां मौजूद कुछ महिलाओं ने उसे खाने का सामान दिया, जिसके बाद वह कुछ देर शांत हुआ। बंदर के हमले से परेशान लोगों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। थोड़ी देर बाद विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने बंदर को पकड़ने की कोशिश भी की, लेकिन वह एक चलती कार पर चढ़ गया और फिर पेड़ पर जा बैठा।

वन विभाग की कोशिशों के बावजूद बंदर को पकड़ा नहीं जा सका। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह बंदर पिछले तीन दिनों से हाउसिंग कालोनी इलाके में घूम रहा है। शुरूआत में लोगों ने उसे सामान्य बंदर समझकर अनदेखा किया, लेकिन धीरे-धीरे उसका व्यवहार आक्रामक होता गया। वन विभाग की टीम जब उसे पकड़ने पहुंची तो बंदर ने दो कर्मियों पर भी हमला कर दिया।

पेंटिंग प्रदर्शनी से कई संदेश देने में सफल रहे अमन चक्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। झारखंड स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर मेदिनीनगर के नावाटोली स्थित कशिश आर्ट सेंटर के बैनर तले कलाकार अमन चक्र द्वारा लगाया गया दो दिवसीय पेंटिंग प्रदर्शनी। जो कई संदेश देने में सफल रहा है। प्रदर्शनी के अवलोकन के उपरांत यह बात रजवाडीह मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक परशुराम तिवारी ने कही।

श्री तिवारी ने बताया कि इस प्रदर्शनी में कलाकार अमन चक्र की पेंटिंग के साथ उनके कला छात्र-छात्राओं की पेंटिंग भी शामिल हैं। अमन चक्र ने एक प्रयोग के तहत पलामू जिला में सक्रिय पंद्रह कवि-कवयित्रियों के चित्र के साथ उनकी कविता और कविता के भाव चित्र उकेर कर साहित्य व कला का संगम का दृश्य उपस्थापित कर दिया है। कहा कि प्रदर्शनी में कला छात्रा ऋचा दुबे व परिधि कुमारी की पेंटिंग भी लगी हुई है। इन दोनों के साथ अमन चक्र और उनकी बहन सुमन लता से हुई मुलाकात पेंटिंग कला को समझने में मददगार रही। परशुराम तिवारी ने अमन चक्र की सोच,संवेदनशीलता व सृजनशीलता की तारीफ की है। और आगे कहा कि अमन चक्र ने अपनी पुस्तक 'प्रेरणा' व पिता सत्यनारायण नाटे लिखित जबड़े अकाल के,युगबोध व 'गंगू व पेड़' भेंट कर उस दिन को यादगार बना दिया।

सीएम के नगाड़े की थाप पर दिखी जनजातीय संस्कृति की अनोखी झलक

स्थापना दिवस के मौके पर कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने पर पूरे राज्य में रजत पर्व उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। राजधानी रांची में रविवार को आयोजित ऐतिहासिक जतरा झांकी इस उत्सव का मुख्य आकर्षण बनी। झांकी में राज्य की समृद्ध जनजातीय परंपराओं, कला और सांस्कृतिक विरासत को भव्य रूप से प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम में 32 जनजातीय समुदायों के कलाकारों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने अपनी पारंपरिक वेशभूषा, नृत्य और लोकगीतों के माध्यम से झारखंड की पहचान को जीवंत किया।

लगभग चार हजार से अधिक कलाकारों की भागीदारी के साथ निकली यह झांकी डोरंडा के जैप ग्राउंड से शुरू होकर मेन रोड होते हुए ऐतिहासिक अल्बर्ट एक्का चौक पहुंची। झांकी के दौरान ढोल-नगाड़ों की थाप पर पारंपरिक नृत्य और गीतों ने पूरे शहर में उत्सवी माहौल बना दिया।

अल्बर्ट एक्का चौक पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंच से कलाकारों का अभिनंदन किया। जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के इस प्रयास की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कलाकारों को पानी, गुड़ और चना बांटकर उनका स्वागत किया। इसके साथ ही उन्होंने पारंपरिक ढाक और ढोलक बजाकर लोगों का उत्साह और बढ़ा दिया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कुछ दूरी तक जतरा रैली में स्वयं शामिल हुए और कलाकारों के साथ कदमताल करते हुए झांकी का हिस्सा बने। उनके इस सहभागितापूर्ण रवैये ने कलाकारों और मौजूद जनता में विशेष उत्साह पैदा किया।

रजत पर्व के अवसर पर आयोजित इस भव्य जतरा झांकी ने यह स्पष्ट कर दिया कि झारखंड अपनी जनजातीय संस्कृति, कला और लोकधरोहर में कितना समृद्ध है। राजधानी की सड़कों पर उमड़ी भीड़ और नृत्य-संगीत की गूंज ने पूरे शहर को एक रंगीन सांस्कृतिक उत्सव में बदल दिया।

यह आयोजन न केवल परंपराओं का सम्मान था, बल्कि झारखंड की अनूठी पहचान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सार्थक प्रयास भी था। वहीं, सुरक्षा को लेकर पूरे अल्बर्ट एक्का चौक को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था। डीसी और एसएसपी खुद मोर्चा संभालते दिखे।

पोस्टर से सियासी पारा हाई

पीएम की पोस्ट से बढ़ी अटकलें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद सीएम पद को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। इस बीच जदयू के एक पोस्टर ने राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। इसमें लिखा है- बिहार हे खुशहाल, फिर से आ गए नीतीश कुमार।

जदयू के इस पोस्ट के बाद ये अटकलें तेज हो गई हैं कि नीतीश कुमार के नाम पर सहमति बन गई है। हालांकि इस पर अभी एनडीए की तरफ से घोषणा होना बाकी है। वहीं, कल लोजपा (रामविलास) नेता चिराग पासवान ने सीएम नीतीश से मुलाकात की थी, लेकिन नए सीएम को लेकर उन्होंने कहा कि इसका फैसला विधायक दल करेगा। हम नेता संतोष सुमन ने भी सीएम नीतीश से मुलाकात की थी।

चुनाव के दौरान भी नीतीश कुमार के सीएम पद पर वापसी मुद्दा बना था। विपक्ष लगातार कह रहा था कि ठऊअ की जीत के बाद नीतीश कुमार सीएम नहीं रहेंगे। तब भी केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री पद के लिए कोई वैकेंसी नहीं है, लेकिन किसी नेता ने अभी ये शब्द नहीं कहा है कि 'नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री होंगे', जिससे गहमागहमी बनी हुई है और तमाम तरह की अटकलें चल रही हैं।

बिहार में एनडीए को मिली प्रचंड जीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए की जीत को सुशासन की जीत करार दिया। पीएम मोदी का ये बयान को नीतीश कुमार के आगे भी मुख्यमंत्री बने रहने के समर्थन के रूप में देखा जा रहा है।

बिहार में एनडीए को मिली बड़ी जीत के बाद मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, नीतीश अपने समर्थकों के बीच सुशासन बाबू के नाम से लोकप्रिय हैं और पिछले 20 वर्षों में

कानून-व्यवस्था और विकास में सुधार लाकर बदलाव लाने का दावा करते हैं। बिहार की यह विकास की जीत हुई है। लोक कल्याण की भावना की जीत हुई है। सामाजिक न्याय की जीत हुई है। उन्होंने नीतीश के मुख्यमंत्री बने रहने की आशंकाओं को दूर करते हुए कहा, मैं एनडीए के सभी नेताओं को उनके शानदार काम के लिए और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनके नेतृत्व के लिए बधाई देता हूं।

किसान की बेरहमी से हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवगछिया। पुलिस जिला नवगछिया के इस्माईलपुर थाना क्षेत्र के छोटी परबत्ता पंचायत अंतर्गत मेघल टोला में नंदकिशोर मंडल उर्फ ननकू मंडल की निर्मम हत्या शनिवार देर शाम में अपराधियों द्वारा कर दी गयी। हत्या की जानकारी सुबह में मृतक की पत्नी द्वारा घर नहीं पहुंचने पर अहले सुबह घर से बाहर खोजने निकली तो खेत में खून से लथपथ पाया।

उसके बाद उसने अपने परिजनों एवं पुत्र को घटना की जानकारी दी। परिजनों द्वारा इमाईलपुर पुलिस को मामले की जानकारी दिया गया। घटना की सूचना के तत्काल बाद मौके पर इस्माईलपुर थानाध्यक्ष धीरज कुमार दलबव के साथ पहुंच कर मामले की छानबीन में जुट गये।

स्थानीय ग्रामीण सहित पूर्व विधायक नरेंद्र कुमार नीरज उर्फ गोपाल मंडल, जिला परिषद सदस्य विपिन मंडल, मुखिया हुलो मंडल, जदयू नेता अजय मंडल सहित बडी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गयी। इस्माईलपुर पुलिस द्वारा तत्काल घटनास्थल की घेराबंदी कर एफएसएल की टीम को बुलाया गया।

बढ़े दामों पर होगी धान की खरीद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। राज्य सरकार ने धान खरीद की प्रक्रिया का औपचारिक एलान कर दिया है। सहकारिता विभाग के माध्यम से धान की खरीदारी की जाएगी।

हालांकि, जिले के लिए धान खरीदने का कोई विशेष लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है, लेकिन एक नवंबर को हुई जिला टास्क फोर्स की बैठक में धान खरीद के लिए समय सीमा तय की गई थी। पहले 15 नवंबर से धान खरीदारी शुरू होने की योजना थी, लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव के कारण अब यह प्रक्रिया 16 नवंबर से प्रारंभ होगी।

राज्य सरकार ने धान की खरीद के लिए प्रति क्विंटल दर भी निर्धारित की है। इस वर्ष साधारण धान की दर 2369 रुपये और ग्रेड ए धान की दर 2389 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 69 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है। इससे किसानों को सीधा लाभ होगा। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, गया जिले में 102 पैक्स

और व्यापार मंडल को धान खरीदने के लिए चिन्हित किया गया है, जहां खरीदारी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

जिला टास्क फोर्स की बैठक में यह स्पष्ट किया गया है कि धान की खरीद केवल निबंधित किसानों से की जाएगी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जिले में 3875 किसान निबंधित हैं, जिनमें 2504 रैयत और 1371 गैर रैयत किसान शामिल हैं। धान की खरीद केवल पोर्टल पर निबंधित किसानों से की जाएगी।

धान की कुटाई के लिए 33 राइस मील चिन्हित किए गए हैं। सहकारिता विभाग ने पैक्स और व्यापार मंडल धान क्रय केंद्र पर धान खरीदने के बाद उसे राइस मील में भेजने की व्यवस्था की है। इनमें 27 उसना और 6 अरवा चावल की कुटाई के लिए चिन्हित किए गए हैं। इसके अलावा, मगध सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक से जिले के 102 पैक्सों को धान खरीदने के लिए कैश क्रेडिट राशि आवंटित की गई है। एक लॉट धान की खरीदारी के लिए 10 लाख रुपये और दो लॉट के लिए व्यापार मंडल को 20 लाख रुपये आवंटित किए गए।

लेडीज फर्स्ट ने जलायी एनडीए की बत्ती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। बिहार के दरभंगा जिले में एनडीए की अप्रत्याशित जीत के पीछे महिलाओं की भूमिका निर्णायक रही। एक तरह से इस चुनाव में महिलाएं एनडीए के लिए संजीवनी साबित हुई हैं।

चुनाव से पहले महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए खाते में 10 हजार रुपये भेजने से काफी अहम फैक्टर साबित हुआ। नीतीश सरकार महिलाओं का विश्वास और अधिक जीतने में कामयाब रही।

परिणाम रहा कि महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों के मुकाबले विगत चुनाव से अधिक बढ़ गया। इसके साथ ही राजनीतिक पंडित एनडीए सरकार की वापसी की बात करने लगे। मतगणना शुरू होने के साथ परिणाम भी दिखने लगा। दरभंगा जिले में 63.66 प्रतिशत मतदान में पुरुषों ने 56.84 प्रतिशत और महिलाओं ने 71.25 प्रतिशत मतदान किया।

जिले की 10 सीटों पर महिलाओं ने 2020 से 10 से अधिक प्रतिशत मतदान किया। परिणाम रहा कि यादव और मुस्लिम बहुल सीटों पर भी इसका असर देखने को मिला।

केवटी की रामपरी देवी कहती हैं, नीतीश सरकार इससे पहले भी महिलाओं के लिए कई योजनाएं चलाकर आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश की है। पंचायती चुनाव में 50 प्रतिशत आरक्षण, पुलिस की नौकरी में आरक्षण, छात्राओं को साइकिल योजना, स्नातक पास छात्राओं को 50 हजार रुपये सहित कई योजनाओं का लाभ मिला है। सिंहवाड़ा की पार्वती देवी कहती हैं कि महिलाओं की

सुरक्षा को लेकर जो काम हुआ है, उससे सरकार को चुनाव में काफी लाभ मिला है। शराबबंदी की जितनी सराहना की जाए वह काफी कम होगी।

बहादुरपुर की तेतरी देवी कहती हैं- कल तक परिवार के संचालन में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। लेकिन, नीतीश सरकार ने उन्हें ताकत का एहसास कराया। मदद मिली तो परिवार के संचालन में उनकी भूमिका निर्णायक साबित होने लगी।

ऐसे में महिलाओं ने खुलकर मतदान किया। जिसका लाभ एनडीए को मिला है। बता दें कि जिले में कुल मतदाता 28 लाख 90 हजार 605 हैं। जिसमें पुरुष मतदाता 15 लाख 23 हजार 142, महिला मतदाता 13 लाख 67 हजार 420 और मंगलामुखी मतदाता की संख्या 43 है। कुल 18 लाख 40 हजार 78 मतदान हुए। इसमें आठ लाख 65 हजार 756 पुरुष, नौ लाख 74 हजार 320 महिला और दो मंगलामुखी ने मतदान किया।

प्रमाण पत्र भी नहीं लेने आये तेजस्वी

हाजीपुर। चुनाव का परिणाम राजद के लिए खासा निराशाजनक रहा है। राज्य की वीवीआईपी सीटों में शुमार और राजद की पारंपरिक सीट राघोपुर से तेजस?वी यादव जीत गए। हालांकि उनका मुकाबला बेहद कांटे की टक्कर वाला रहा। बावजूद उन्होंने भाजपा के उम्मीदवार को 4532 मतों के अंतर से हराया।

हाजीपुर के आइटीआइ बालक हरिवशंपुर मतगणना केंद्र पर शुक्रवार शाम मतगणना समाप्त हुई। इसके बाद तेजस्वी का इंतजार किया जाने लगा कि वे प्रमाणपत्र लेने आएंगे। लेकिन देर रात तक भी वे नहीं पहुंचे। बाद में उन्होंने आने में असमर्थता जताते हुए अपने प्रतिनिधि को प्रमाणपत्र सौंपने की अनुमति देने का अनुरोध किया। इस संबंध में उन्होंने 128 राघोपुर विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी सह हाजीपुर सदर एसडीओ को पत्र भेजा। इसके बाद उनके प्रतिनिधि एवं निर्वाचन अभिकर्ता रंजीत कुमार मतगणना केंद्र पहुंचे। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े पुत्र तेज प्रताप यादव की वजह से हाट सीट बने महुआ विधानसभा क्षेत्र से लोजपा (रामविलास) के संजय कुमार सिंह को जीत मिली।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर संगोष्ठी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर रविवार को प्रेस क्लब भवन अररिया के सभागार में ?बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता की रक्षा विषय पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम का उद्घाटन जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अररिया चंद्रशेखर यादव, जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष राकेश भगत, सचिव अमित कुमार अमन, ब्यूरो प्रमुख प्रशांत पराशर, फुलेंद्र कुमार मलिक, मृगेंद्रमणि सिंह, अमोद कुमार, वरिष्ठ पत्रकार परवेज आलम, एलपी नायक सहित उपस्थित पत्रकारों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

इससे पूर्व जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी एवं पत्रकारों को पौधा देकर स्वागत किया गया। परिचर्चा की शुरूआत निर्धारित विषय बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता की रक्षा पर मीडिया कर्मियों ने मीडिया को मौजूदा समय में भ्रामक सूचनाओं से बचते हुए प्रेस की विश्वसनीयता को बनाए रखने को एक बड़ी चुनौती बताया। साथ ही मीडिया कर्मियों ने कहा कि प्रेस की विश्वसनीयता और खबरों की सत्यता को बनाए रखने के लिए प्रशासन का सहयोग मीडिया को मिले, इस पर बल दिया।

कार्यक्रम को फुलेंद्र मल्लिक, पंकज पराशर,

मृगेंद्र मणि सिंह, आमोद ठाकुर, परवेज आलम, बेदी झा, अमरेंद्र कुमार, राहुल ठाकुर, पंकज रंजीत, एलपी नायक, अब्दुल गनी, फिरोज आलम, विकास कुमार, राजीव सिंह, संतोष झा, मो माजिद सहित अन्य कई मीडिया कर्मियों ने संबोधित किया।

इस अवसर पर प्रेस को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ने कहा कि स्वस्थ्य लोकतंत्र के लिए सशक्त प्रेस बहुत जरूरी है। प्रेस का काम केवल प्रशासन को आईना दिखाना नहीं है बल्कि समाज को भी आईना दिखाना है।

उन्होंने कहा कि मीडिया की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि सत्यता की जांच परख के बाद ही खबरें लिखी जाये। उन्होंने कहा कि मीडिया निष्पक्षता को सर्वोपरि रखे। सनसनी फैलाने वाली भ्रामक खबरों को परोसने से बचे। संगोष्ठी का संचालन पत्रकार ज्योतिष कुमार झा, धन्यवाद ज्ञापन राकेश कुमार भगत द्वारा किया। इस मौके पर, ब्यूरो प्रमुख ज्योतिष कुमार झा, पत्रकार चंदन कुमार लालू, रवि भगत, रुपेश कुमार सहित बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित थे।

रोहिणी के आरोपों से सहमा लालू परिवार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजद प्रमुख लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने शनिवार को राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से नाता तोड़ने की घोषणा की। एक दिन पहले ही, राजद को बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा था और उसके बाद ही रोहिणी के पोस्ट से बिहार की सियासत में हड़कंप मच गया।रोहिणी ने पोस्ट कर बताया कि उन्होंने यह फैसला राजद सांसद संजय यादव के कहने पर लिया। सांसद, आचार्य के भाई तेजस्वी यादव के भी करीबी सहयोगी हैं। रोहिणी आचार्य ने कहा कि संजय यादव ने मुझसे यही करने को कहा था। उन्होंने अपने पोस्ट में एक और नाम का भी उल्लेख किया - रमीज नेमत खान।

रोहिणी आचार्य के आरोपों के बाद सुर्खियों में आया यह शख्स कौन है? यह नाम पहले मीडिया या बिहार की राजनीति में नहीं देखा गया था। हम आपको बताते हैं, रमीज नेमत खान तेजस्वी यादव के पुराने दोस्त हैं और उनकी कोर टीम का हिस्सा हैं। उनकी दोस्ती क्रिकेट के मैदान से लेकर राजनीति तक फैली हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार वह 2016 में राजद में शामिल हुए और महागठबंधन सरकार के दौरान उपमुख्यमंत्री कार्यालय में आंतरिक कार्यों में सहायता से शुरूआत की। समय के साथ, वह तेजस्वी की राजनीतिक टीम का एक अभिन्न अंग बन गए और उनके दैनिक कार्यक्रम, प्रमुख बैठकों, बैक-एंड समन्वय और अभियान प्रबंधन को संभालने लगे।

उत्तर प्रदेश के निवासी रमीज नेमत खान, उत्तर प्रदेश की बलरामपुर लोकसभा सीट (जिसे अब श्रावस्ती के नाम से जाना जाता है) से पूर्व सांसद रिजवान जहीर के दामाद हैं। रमीज नेमत खान के ससुर समाजवादी पार्टी और मायावती की बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के टिकट पर दो बार सांसद रह चुके हैं। उन्होंने एक बार निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में भी चुनाव लड़ा था। रिजवान जहीर एक समय उत्तर प्रदेश के सबसे युवा विधायक भी थे। रमीज नेमत खान की पत्नी जेबा रिजवान तुलसीपुर सीट से दो बार चुनाव लड़ीं। एक बार वह कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ीं थी और एक बार निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में थी, लेकिन वह दोनों बार ही चुनाव नहीं जीत पाई।

रमीज नेमत खान पर 2021 में तुलसीपुर में जिला पंचायत चुनाव के दौरान हिंसा से जुड़ा मामला दर्ज किया गया था।

चर्चा में आये रमीज नेमत खान

किया गया था। उनके खिलाफ आरोप है कि उन्होंने कांग्रेस नेता दीपांकर सिंह और उनके लोगों पर हमला किया था।

इसके बाद, 2022 में, तुलसीपुर नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष फिरोज पप्पू की हत्या के मामले से जुड़ी कथित साजिश के लिए रमीज नेमत खान, उनकी पत्नी, ससुर रिजवान जहीर और तीन अन्य को गिरफ्तार किया गया था।

रमीज नेमत खान को कई मामलों में जमानत मिल चुकी है, जबकि कुछ मामले अभी भी लंबित हैं। उनके खिलाफ बलरामपुर में नौ और कौशाम्बी में दो मामले दर्ज हैं।

रमीज नेमत खान पर लगे अन्य गंभीर आरोपों में 2023 में प्रतापगढ़ के ठेकेदार शकील खान की हत्या का एक और मामला शामिल है। उनका शव कुशीनगर में रेलवे ट्रैक के पास मिला था। ठेकेदार की पत्नी की शिकायत पर रमीज नेमत खान इस मामले में आरोपी बने। उन्हें जुलाई 2024 में गैंगस्टर अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था और इस वर्ष अप्रैल में जमानत दे दी गई थी।

इसके बाद रमीज नेमत खान और उनकी पत्नी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसने अधिकारियों को निर्देश दिया कि उन्हें गिरफ्तार करने या नया मुकदमा शुरू करने से पहले स्थानीय अदालत की अनुमति ली जाए।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद से दम्पति को कई अन्य मामलों में राहत मिल रही है - तथा उनके खिलाफ कोई नया मामला दर्ज नहीं किया गया है।

रमीज नेमत खान का जन्म नवंबर 1986 में हुआ था। उनके पिता, नेमतुल्लाह खान, जामिया मिलिया इस्लामिया में प्रोफेसर हैं। रमीज नेमत खान ने दिल्ली पब्लिक स्कूल, मथुरा रोड से शिक्षा प्राप्त की और जामिया से बीए और एमबीए की डिग्री हासिल की। वह बचपन से ही क्रिकेटर रहे हैं और दिल्ली और झारखंड की विभिन्न आयु वर्ग की टीमों के लिए खेलते रहे हैं।

उन्होंने 2008-09 में झारखंड अंडर-22 टीम की कप्तानी भी की थी। इसी दौरान उनकी तेजस्वी यादव से दोस्ती हुई। 2016 में, वह राष्ट्रीय जनता दल में शामिल हो गए और तब से तेजस्वी यादव की टीम के प्रमुख सदस्य बने हुए हैं।

कंटेनर में लगी आग

आरा। भोजपुर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र अंतर्गत आरा-छपरा फोरलेन पर जमालपुर के समीप रविवार दोपहर एक पार्सल कंटेनर हाईटेंशन विद्युत प्रवाहित तार के संपर्क में आ गया।

जिससे कंटेनर के पिछले हिस्से में आग लग गई और करंट की चपेट में आने से चालक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों के साथ कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड की टीम एवं ग्रामीणों के सहयोग से कंटेनर में लगी आग को बुझाया गया। मृतक की पहचान सारण (छपरा) जिले के मांझी थाना क्षेत्र के मांझी डुमरी गांव निवासी अमर प्रसाद के 21 वर्षीय पुत्र आकाश कुमार के रूप में हुई। वे पेशे से चालक थे और पश्चिम बंगाल में कंटेनर चलाते थे।

शव का पोस्टमार्टम आरा सदर अस्पताल में कराया गया। जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर आकाश पार्सल कंटेनर लेकर कोईलवर से डोरीगंज की ओर जा रहे थे। इसी दौरान जब वह कंटेनर को सड़क किनारे खड़ा करने का प्रयास कर रहे थे, तभी कंटेनर बिजली के खंभे से टकरा गया।

बीआरए बिहार विवि के खेल कैलेंडर को मिली मंजूरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। करीब चार महीने की देरी के बाद बीआरए बिहार विश्वविद्याय का खेल कैलेंडर को प्रशासनिक मंजूरी मिल गई है।

शैक्षणिक सत्र 2025 - 26 के लिए अब संशोधित खेल कैलेंडर जारी किया जाएगा। अगले सप्ताह विश्वविद्यालय की ओर से विस्तृत कैलेंडर जारी किया जाएगा। एआइयू के कैलेंडर के हिसाब से विश्वविद्यालय की ओर से पूर्व में तैयार किए गए खेलों के आयोजन तिथि में संशोधन की प्रक्रिया होगी। प्रतियोगिता की शुरूआत बैडमिंटन से होगी। कैलेंडर के अनुसार ही अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इसमें एथलेटिक्स (महिला और पुरुष वर्ग), बैडमिंटन (पुरुष), क्रिकेट (महिला), क्रिकेट (पुरुष), टेनिस (महिला और पुरुष), फुटबाल (पुरुष), फुटबाल (महिला), चेस (पुरुष), चेस (महिला), खो- खो (पुरुष) और खो- खो (महिला) का आयोजन होना है। बताया जा रहा है कि पूर्व में तैयार कैलेंडर के अनुसार जिन प्रतियोगिताओं के आयोजन की तिथि अक्टूबर और नवंबर निर्धारित किया गया था उसका आयोजन बाद में कराया जाएगा। इस पर भी सहमति मिली है।

कैलेंडर के अनुसार विभिन्न खेलों के मेजबानी की जिम्मेदारी भी कालेजों को सौंपी जाएगी। पूर्व के कैलेंडर के अनुसार शहर के प्रीमियर कालेजों के साथ-साथ ही अन्य जिलों में भी विभिन्न प्रतियोगिता की मेजबानी के लिए स्थल बनाए गए थे।

जुलाई में ही विश्वविद्यालय की ओर से खेल कैलेंडर तैयार कर लिया गया था लेकिन प्रशासनिक स्वीकृति के इंतजार में करीब चार महीने बीत गए। कैलेंडर जारी नहीं होने के कारण कई ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में बीआरए बिहार विश्वविद्यालय की टीम नहीं जा सकी।

सोनपुर मेला में आकर्षण का केंद्र बना घोड़ा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र का सबसे बड़ा और सबसे छोटा बौना घोड़ा आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यह सीतामढ़ी का है। दावा किया गया है कि इस मेले में इससे बड़ा और कोई दूसरा घोड़ा नहीं है।

इस समय संपूर्ण घोड़ा बाजार घोड़ों की हिनहिनाहट से गूंज रहा है। कहीं घुड़दौड़ हो रही है तो कहीं घोड़ों के टापों की आवाज सुनाई पड़ रही है। इन्होंने कुत्ते भी एक से बढ़कर लाए हैं, जो दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं।

घोड़ा बाजार में सबसे ज्यादा दर्शकों की भीड़ भी यहीं दिख रही है। इतना ही नहीं, इन घोड़ों के मालिक की मूंछों की भी तारीफ हो रही है। अभी भी मेले का घोड़ा बाजार 671 घोड़ों की उपस्थिति से गुलजार है। अब तक इस मेले में 1482 घोड़ों की बिक्री हो चुकी है।

सोनपुर मेला का घोड़ा बाजार कई भागों में विभक्त है और इसके मालिक भी अनेक हैं। पुराने बकरी बाजार से पश्चिम और नए बकरी बाजार से उत्तर की ओर घोड़ा बाजार में जाने वाली सड़क के पूर्वी किनारे सीतामढ़ी के परिहार ग्राम निवासी डा. जितेंद्र यादव का शिविर लगा हुआ है।

इस शिविर में उनका मेले का सबसे बड़ा 65 इंच का घोड़ा एवं सबसे छोटा बौना घोड़ा दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। वे बताते हैं कि इसे उन्होंने 11 लाख में खरीदा था। यहां उनके तीन घोड़े, विभिन्न नस्ल के चार कुत्ते भी उपस्थित हैं, जिन्होंने मेले के कुत्ता बाजार में आए कुत्तों को भी पीछे छोड़ दिया है। वे सबसे बड़े घोड़े के बारे में बताते हैं कि यह राजस्थानी घोड़ा है और इस मेले का सबसे ऊंचा घोड़ा भी है। थाईलैंड नस्ल का कुत्ता एवं जर्मन शेफर्ड कुत्ता भी गजब का है।स्वयं घोड़ा मालिक डा. जितेंद्र यादव की 13 इंच की बड़ी मूंछें भी आकर्षण का केंद्र हैं।

बाइक की आमने-सामने ठोकर में दो की मौत

रोहतास। थाना क्षेत्र के बकुआ गांव के समीप दो बाइक की आमने-सामने टक्कर में दो युवकों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि दोनों बाइक के परखच्चे उड़ गए और उस पर सवार लोग सड़क पर दूर तक जा गिरे।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार यह दर्दनाक दुर्घटना तीखे मोड़ पर हुई। अंधेरा और तेज रफ्तार होने के कारण दोनों बाइकें आमने-सामने भिड़ गईं। हादसे में एक बाइक सवार तुंबा गांव निवासी 26 वर्षीय रौनक सिंह उर्फ बंटी व दूसरे बाइक पर सवार ढेलाबाद निवासी 25 वर्षीय बबलू प्रजापति की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि तीन अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल ढेलाबाद निवासी पप्पू कुमार समेत तीनों को आनन-फानन में लोगों ने एंबुलेंस से इलाज के लिए रोहतास पीएचसी पर लाया, जिसके बाद चिकित्सक ने उनकी स्थिति गंभीर देखते हुए सासाराम सदर अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

कबड्डी में सीतामढ़ी जिले की बेटियां बनी चैंपियन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीतामढ़ी। जिले की कबड्डी प्रतिभाओं ने एक बार फिर अपने प्रदर्शन से सीतामढ़ी का नाम राज्यभर में रोशन कर दिया है। बुधवार को सारण जिले के नयागांव स्थित मदल्लीचक के मठ परिसर में आयोजित 35वीं राज्य स्तरीय सब-जूनियर बालक एवं बालिका कबड्डी प्रतियोगिता में सीतामढ़ी की बालिका वर्ग की टीम ने चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

जबकि बालक वर्ग में जिले ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी के साथ बेगूसराय के गांधी स्टेडियम में आयोजित बिहार राज्य स्तरीय विद्यालय बालिका कबड्डी प्रतियोगिता में भी सीतामढ़ी की बेटियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-17 वर्ग में लगातार दूसरे वर्ष चैंपियन बनने का खिताब जीता। वहीं अंडर-14 बालिका वर्ग में

तीसरा स्थान प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया। दोनों प्रतियोगिताओं में मिली इस दोहरी सफलता के उपलक्ष्य में मां जानकी स्टेडियम परिसर में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खिलाड़ियों का मेडल, ट्राफी और अंगवस्त्र से सम्मान किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। मौके पर सीतामढ़ी जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार मिश्रा, उपाध्यक्ष डा. सुनील कुमार सुमन, सचिव पीयूष परिमल, शारीरिक शिक्षक रंजीत कुमार सिंह एवं वरीय चिकित्सा पदाधिकारी डा. मनोज कुमार व संघ के संरक्षक पंकज कुमार सिंह ने कहा कि सीतामढ़ी की प्रतिभा राज्य में लगातार अपनी पहचान बना रही है। संघ के मुख्य संरक्षक ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि जिले के खेल इतिहास में उल्लेखनीय है। आने वाले वर्षों में यह प्रतिभाएं राष्ट्रीय स्तर पर भी सीतामढ़ी का नाम रोशन करेंगी। कार्यक्रम में एकलव्य प्रशिक्षण केंद्र की प्रशिक्षिका मेनका कुमारी, वरीय राष्ट्रीय खिलाड़ी जुही कुमारी, हिमांशु शेखर, सहित खेलप्रेमी एवं अभिभावक मौजूद रहे।

बिहार के शहरों में 1.40 रुपये प्रति यूनिट सस्ती होगी बिजली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य की बिजली वितरण कंपनी ने बड़ा फैसला लेते हुए बिहार विद्युत विनियामक आयोग को एक ऐसा प्रस्ताव सौंपा है जिसके बाद बिजली की मौजूदा दो-स्तरीय दरों को खत्म कर एक स्लैब लागू किया जा सकता है। इस फैसले का सीधा लाभ 25 लाख शहरी घरेलू उपभोक्ताओं और करीब 25 लाख वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को मिलेगा। प्रस्ताव लागू होने के बाद शहरी घरेलू उपभोक्ताओं के लिए प्रति यूनिट बिजली 1.40 रुपये सस्ती हो जाएगी। वहीं वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को भी कम दर पर बिजली मिल सकेगी। साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के जीएम (राजस्व) अरविंद कुमार ने बताया कि मौजूदा समय में शहरी क्षेत्रों में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए दो खपत-स्तर लागू हैं। पहले 100 यूनिट तक बिजली की दर अलग होती है और इसके बाद 125 यूनिट तक बढ़ने पर दर अधिक हो जाती है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर से कटने वाली राशि भी इन्हीं स्लैबों के आधार पर बदलती रहती है, जिससे उपभोक्ता अक्सर कन्फ्यूजन में रहते हैं। अब प्रस्ताव है कि 125 यूनिट से अधिक खपत होने पर भी बिजली एक समान दर 4.12 रुपये प्रति यूनिट पर मिले, जबकि अभी यही खपत 5.52 रुपये प्रति यूनिट की दर से मिलती है। यानी उपभोक्ताओं को हर यूनिट पर 1.40 रुपये की सीधी बचत होगी। वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए भी राहत का रास्ता खुल रहा है। प्रस्ताव के मुताबिक 25 लाख वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को 5.67 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। कंपनी ने आयोग से आग्रह किया है कि यह नई दरें 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक लागू की जाएं। इसके लिए आयोग प्रमंडल स्तर पर जनसुनवाई करेगा ताकि उपभोक्ताओं और विशेषज्ञों की प्रतिक्रिया भी ली जा सके। जनसुनवाई के बाद आयोग अंतिम आदेश जारी करेगा। कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि अभी दो दरों के कारण स्मार्ट प्रीपेड मीटर में हर यूनिट की कटौती बदलती रहती है, जिससे उपभोक्ताओं को समझने में परेशानी होती है। एक स्लैब लागू होने के बाद यह समस्या खत्म हो जाएगी और उपभोक्ता आसानी से अपनी खपत और बैलेंस का अनुमान लगा सकेंगे। यदि प्रस्ताव को मंजूरी मिली, तो नया स्लैब न सिर्फ शहरी घरों की मासिक बचत बढ़ाएगा बल्कि पूरे बिलिंग सिस्टम को सरल बनाएगा। बिजली कंपनी का दावा है कि इससे उपभोक्ताओं की 'क्लियर बिलिंग' की समस्या काफी हद तक खत्म होगी और भुगतान का दबाव भी कम होगा।

एफएमजीइ के लिए चार दिसंबर तक कर सकते हैं आवेदन

पटना(नबिटा ब्यूरो)। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेस ने विदेशी मेडिकल ग्रेजुएट परीक्षा दिसंबर 2025 सत्र के लिए आवनेदन प्रक्रिया शुरू हो गयी है। रजिस्ट्रेशन वेबसाइट पर जाकर कर सकते हैं। आवेदन चार दिसंबर रात 11:55 बजे तक कर सकते हैं। एफएमजीइ दिसंबर 2025 का आयोजन 17 जनवरी 2026 को किया जायेगा। रिजल्ट 17 फरवरी 2026 को जारी किया जायेगा। एफएमजीइ जून 2025 सत्र में कुल 37,207 उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया, जिनमें से 36,034 उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए थे। इन परीक्षार्थियों में से केवल 6,707 उम्मीदवार सफल रहे, जिससे पास प्रतिशत लगभग 18% रहा, जबकि असफलता दर 81।39% रहा। उम्मीदवारों को 31 अक्तूबर 2025 या उससे पहले अंतिम एमबीबीएस परीक्षा या समकक्ष डिग्री उत्तीर्ण करनी चाहिए। निर्धारित समय तक योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने पर उम्मीदवार की उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी।

तेजस्वी यादव आज पार्टी विधायकों संग करेंगे बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार चुनाव के बाद सियासत में हलचल तेज हो गई है। एक तरफ एनडीए के जीतने पर नई सरकार के गठन की तैयारी है जबकि दूसरी तरफ तेजस्वी यादव ने अपने विधायकों की बैठक बुला ली है। यह बैठक 17 नवंबर यानी सोमवार को होगी। इस बैठक में तेजस्वी यादव ने अपनी पार्टी के हारे हुए उम्मीदवारों को भी बुला लिया है। दरअसल, अब आरजेडी में चुनाव परिणाम को लेकर मंथन शुरू होने वाला है। जानकारी के मुताबिक तेजस्वी यादव अपनी पार्टी के विधायकों के साथ बैठक अपने सरकारी आवास पर करेंगे। दोपहर करीब 2 बजे यह बैठक होगी, लेकिन इससे पहले कयासों का सिलसिला तेज हो गया है। जानकारी के मुताबिक इस दौरान विधानसभा रिजल्ट के अलावा संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर भी तमाम विधायकों के साथ बातचीत की जायेगी। चुनाव में महागठबंधन की हार के बाद अब धीरे-धीरे सियासी हलचल तेज हो गई है। दरअसल बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने सुरक्षित सीटों पर जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 87.5 प्रतिशत सीटों पर जीत हासिल की है। इस रणनीतिक सफलता ने न केवल महागठबंधन के समीकरणों को ध्वस्त किया, बल्कि 2020 के विधानसभा चुनाव में विपक्ष को मिली 12 सुरक्षित सीटों पर भी कब्जा कर लिया। मालूम हो, राजद ने इस बार 143 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे। राजद को कुल 23% वोट हासिल हुए हैं। वोट शेयर के हिसाब से राजद सभी पार्टियों से आगे है। ये आंकड़ा दूसरी पार्टियों से इस कारण अधिक है कि राजद ने अन्य प्रमुख दलों की तुलना में सबसे अधिक सीटों पर चुनाव लड़ा था। 2020 में राजद को 23.11% वोट मिले थे। बीते चुनाव की अपेक्षा इस साल राजद को लगभग 0.11 फीसदी कम वोट मिले हैं। वोट प्रतिशत 0.11 फीसदी कम होने के कारण उसकी सीटें 75 से घटकर 25 हो गयी है। इस चुनाव में राजद को कुल 11546055 वोट मिले।

एनडीए की प्रचंड विजय जनता का विश्वास व कार्यकर्ताओं के अथक मेहनत का परिणाम : डॉ. दिलीप जायसवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद आज भाजपा प्रदेश कार्यालय के अटल सभागार में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में बिहार विधानसभा चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी विस्तारको का भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने अभिनंदन और सम्मानित किया। इस सम्मान समारोह में केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय, बिहार के मंत्री मंगल पांडेय तथा संगठन महामंत्री भीखू भाई दालसानिया भी मौजूद रहे और अपने विचार व्यक्त किए। बिहार भाजपा के अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि बिहार में एनडीए की ऐतिहासिक और प्रचंड विजय केवल एक चुनावी परिणाम नहीं बल्कि हमारे कार्यकर्ताओं की समर्पित मेहनत, संगठनात्मक शक्ति और जनता के विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि सभी विस्तारक बंधुओं ने कठिन परिस्थितियों में भी जन-जन तक संदेश पहुँचाया, सकारात्मक राजनीति का संदेश दिया और संगठन की ताकत को जमीन पर उतारा। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक कार्ययोजना के धरातलीय क्रियान्वयन कर इन्होंने संगठन को ताकत दी। उन्होंने उपस्थित सभी विस्तारक बंधुओं के परिश्रम, अनुशासन और समर्पण को नमन करते हुए कहा कि इन्हीं कर्मयोगियों की बदौलत लोकतंत्र मजबूत होता है और विकास की राह और सशक्त बनती है। उन्होंने सभी विस्तारकों को जीत के लिए बधाई दी। डॉ. जायसवाल ने कहा कि एनडीए की केंद्र तथा प्रदेश सरकार की लोक कल्याणकारी नीतियां बूथ तक पहुंचाने तथा लाभार्थियों से संपर्क की कार्ययोजना पर विस्तारकों ने बेहतरीन कार्य किया, जिसका परिणाम आज दिख रहा है।

कांग्रेसजनों को जिम्मेदारी देने की जरूरत : रणधीर झा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। धूप हो, सर्दी हो, भयानक बरसात हो शाखा के लोग सुबह एकजुट होना नहीं भूलते उसके उलट कांग्रेस का कोई संगठन सर्द धूप तक में अपने लोगों की सुध लेने नहीं निकलता। यह कहना है अखिल भारतीय असंगठित कामगार कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रणधीर झा का। उन्होंने कहा कि आज चारों ओर कांग्रेस हार रही है। इसकी प्रमुख वजह अपनी नींव को भूलकर सत्ता के मार्ग तलाशने की है। भारत में कांग्रेस के समर्थक 12 करोड़ से ज्यादा हैं पर कांग्रेस के नेता कभी उन लोगों तक नही पहुंचते। पहुंचना तो छोड़िए अगर कांग्रेस के वो जन अपने नेता के पास पहुंचने की जुर्रत भी करें तो उसे समय नहीं दिया जाता फिर कैसे वो 12 करोड़ से आंकड़ा बढ़ेगा। उदासीनता के दलदल में फंसे वो कार्यकर्ता भी एक दिन हताशा के सागर में डूबकर खुद को कहीं दूर कर लेंगे इस दूषित राजनीति से। आज राहुल गांधी के अलावा कोई नेता जनता से गले लगता नहीं दिखता, सब अपने धंधे में व्यस्त हैं। दूसरी तरफ भाजपा के नेता वैचारिक रूप से संगठन से जुड़कर काम करते हैं उनके लिए उनका पद कमाई का जरिया नहीं बल्कि पार्टी सेवा का स्तंभ है। आज जरूरत है कि हर जिलाध्यक्ष को एक साइकिल दिया जाए और हर रोज उसे एक गांव के भ्रमण के लिए आदेशित किया जाए और उसका काम केवल कांग्रेसी जनों को खोजकर उन्हें अपने संगठन में जिम्मेदारी देने की हो और वो हर महीने सीधे दिल्ली कार्यालय में रिपोर्ट करे और हर गांव से एक कार्यकर्ता को चिन्हित कर राहुल गांधी से मिलाने के लिए कार्य करे जो कार्यकर्ता उदासीनता और असुरक्षा के बेड़े में आज खुद को जकड़े पा रहे हैं कल वो योद्धा बनकर हुंकार भरेंगे। श्री झा ने कहा कि आज सोशल मीडिया के माध्यम से कांग्रेस के बारे में इतनी अफवाह भर दी गई है जिसके कारण लगभग 10 करोड़ युवा भाजपा के कोर वोटर बनने की ओर अग्रसर हैं उन्हें समय रहते उन अफवाहों की सत्यता से रूबरू कराना पड़ेगा। संगठन को कार्य पर लगाना होगा बाकी हम चुनाव आयोग और सत्तारूढ़ दलों के नेताओं के जाल में फंसकर उनके तिलश्म को नहीं तोड़ सकते उनके पास पैसा, सूचना तंत्र, कार्यकर्ता सब हैं हमारी लड़ाई भाजपा या मोदी से है ही नहीं हमारी लड़ाई अपने उन लोगों के लिए होनी चाहिए जो हैं तो कोर कांग्रेसी पर आज तक बांट जोह रहे हैं कि कब राजीव का बेटा उनके दरवाजे आएगा जिसे वो कलेजे से लगाकर यह कहेंगे कि जीवन धन्य हो गया। तुम्हारे पूर्वजों द्बारा स्थापित कराई गई संस्थानों में नौकरी करके मैने अपनी तीन पीढ़ियों का भविष्य संवारा है। तुमसे मिलकर सुप्त पड़ी ऊर्जा जागृत हो गई है। अब अपने गांव के 50 वोटरों को कांग्रेस में लाने की जिम्मेदारी मेर। जिस दिन यह ऊर्जा बह चली भाजपा का झूठा जाल टूटकर कहीं यूरेशिया में उड़कर पहुंच जाएगा। कांग्रेस, भाजपा या उसके रणनीति के चलते नहीं अपनी अकर्मण्यता और मूर्खता के चलते आरएसएस से पार नहीं पा रही है।

इस बार ऐतिहासिक होगा डीबीए का चुनाव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में वकीलों की जिला स्तर पर सबसे बड़ी संस्था पटना जिला अधिवक्ता संघ का 18 नवंबर को होने वाला चुनाव इस बार कई मायनो में ऐतिहासिक होगा। मतदान जिला अधिवक्ता संघ के नए निर्माणाधीन भवन में प्रातः 10:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक होगा। भवन परिसर में केवल पर्यवेक्षकगण, मतदानकर्मियों, मतदाताओं तथा सुरक्षा कर्मियों का ही प्रवेश होगा। किसी अन्य व्यक्ति को मतदान परिसर वाले भवन में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। मतदान परिसर में किसी भी प्रकार की प्रचार सामग्री ले जाना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है। किसी भी उम्मीदवार की प्रचार सामग्री मतदान परिसर में पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। मतदाता जिला अधिवक्ता संघ से जारी पहचान पत्र या वैकल्पिक रूप से राज्य बार काउंसिल से निर्गत पहचान पत्र के आधार पर ही मतदान कर पाएंगे। इस बार चुनाव में 32 पदों के लिए 112 उम्मीदवार मैदान में हैं। मतदान 18 नवंबर को होगा और उसी दिन मतगणना भी की जाएगी। गौरतलब है कि वकीलों के संघ के चुनावों में पटना जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव एक महत्वपूर्ण चुनाव होता है। हर 2 वर्ष पर होने वाले इस चुनाव में अच्छी खासी गहमा गहमी होती है। राज्य बार काउंसिल के निरीक्षण में पूरे मतदान की प्रक्रिया पूरी की जाती है। संघ के अध्यक्ष के एक पद, उपाध्यक्ष के तीन पद, महासचिव के एक पद, संयुक्त सचिव के तीन पद और सहायक सचिव के तीन पदों समेत 32 पदों के लिए वकीलों के प्रतिनिधि अपना-अपना भाग्य आजमाते हैं। पुराने और दिग्गज वकीलों के साथ-साथ युवा वकील भी संघ के इस चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

भव्य राम बारात 25 नवंबर को

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना सिटी स्थित श्री सनातन धर्म सभा भवन में रविवार को श्री राम जानकी विवाह महोत्सव समिति की एक बैठक रखी गई, जिसकी अध्यक्षता शिव प्रसाद मोदी ने की। बैठक का संचालन संस्थापक महासचिव विकास कुमार मौड़ीवाल ने किया। संयोजक डॉ अजय प्रकाश ने बताया कि श्री राम जानकी विवाह महोत्सव विहंगम एवं अद्भुत होगा जिसमें धनुष यज्ञ, प्रभु श्री राम बारात में विभिन्न आकर्षक झांकियां के साथ रात्रि में शुभ विवाह सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल हैं। 25 नवंबर (मंगलवार) को विवाह पंचमी के शुभ अवसर पर राम बारात यात्रा सनातन धर्म सभा भवन से निकलकर नगर भ्रमण करते हुए भगवती सिता मंदिर, मितन घाट को जाएगी। संपूर्ण आयोजन हेतु 51 सदस्यीय कमिटी का गठन किया गया जिसमें नारायण प्रकाश साह-अध्यक्ष, शिव प्रसाद मोदी-कार्यकारी अध्यक्ष, विकास कुमार मौड़ीवाल-महासचिव, डॉ अजय प्रकाश-संयोजक, ईश्वर प्रसाद गोयनका-कोषाध्यक्ष, लल्लू शर्मा-उपाध्यक्ष, रघुनाथ सोनेवाल-मीडिया प्रभारी, उषा सिंह-प्रचार प्रभारी, सुनीता गुप्ता-महिला प्रभारी, सुनील कुमार चौरसिया-सहसचिव मनोनीत किए गए। बैठक में मोहित कुमार मौड़ीवाल, दुर्गा प्रसाद, संतोष कुमार गुप्ता, चंद्र पूर्णिमा, शर्मिला देवी, सोनी देवी, विणा देवी, शाश्वत चन्द्र समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

स्कूली बच्चों को भूकंप के खतरे और बचाव के तरीके से कराया अवगत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम के अंतर्गत पीएमश्री उच्च माध्यमिक विद्यालय मनेर पटना में भूकंप से खतरे व उसके बचाव विषय पर जानकारी दी गयी। इस विद्यालय के शिक्षक डॉक्टर विल्फ्रेड हेनरी को राजकीय शिक्षक पुरस्कार 2025 से नवाजा गया है। बड़े ही रोचक ढंग से बच्चों व शिक्षकों के बीच भूकंप के कारण, भूकंप से होने वाले खतरे व बचाव के विषय में जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया की भूकंप एक ऐसी प्राकृतिक आपदा है जिसकी भविष्यवाणी नहीं की जा सकती और इसके आने पर चंद ही मिनटों में भयंकर जान माल की क्षति हो जाती है। इससे बचाव के लिए बच्चों के बीच मॉक ड्रिल कराया। मॉक ड्रिल में उन्होंने झुको ढको और पकड़ो मंत्र को बताया। उन्होंने बताया कि यदि हम बेंच कुर्सी के नीचे छिप जाते हैं तो हमारी जान बच सकती है। इसके अलावा यदि हम विद्यालय में कुर्सी से, बच्चे अपने बैग से, अपने दोनों हाथों से अपने सर को ढक कर भी अपनी जान को बचा सकते हैं। इस रोचक कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं व प्राचार्य डॉ राम रतन प्रसाद भी मौजूद थे। विल्फ्रेड हेनरी के प्रेजेंटेशन को विद्यार्थियों, शिक्षक शिक्षिकाओं एवं प्राचार्य ने खूब सराहा।

बाल दिवस पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बाल दिवस के उपलक्ष्य पर इनर व्हील क्लब ऑफ पाटलिपुत्र द्वारा उद्यान सेंटर, पटना में पेंटिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। क्लब की आईएसओ सुधा बिदसरिया के नेतृत्व में प्रतियोगिता तीन वर्गों वर्ग-ए, वर्ग-बी और वर्ग-सी में आयोजित की गई। वर्ग-ए में संकल्प, अंकिता और साईं शिवम को पुरस्कृत किया गया। वर्ग-बी में दक्षिता, शाम्भवी और शिवम की कलाकृतियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। वर्ग-सी में अनुष्का, शन्या और सुहानी विजेता घोषित की गईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए क्लब प्रेसिडेंट शीतू गांधी ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में बच्चों को बिस्किट, अल्पाहार व टॉफ़ियाँ वितरित कर बाल दिवस की खुशियाँ साझा की गईं। मौके पर एम पी जैन ने बताया कि इस अवसर पर क्लब से सेक्रेटरी नीलांजना भट्टाचार्य, क्लब एडिटर रेखा सिंह एवं अजीता झा भी उपस्थित रहीं तथा प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। सभी बच्चों ने रचनात्मकता, ऊर्जा और उमंग के साथ हिस्सा लिया। इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ बच्चों में रचनात्मक सोच, मानसिक विकास एवं सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होती हैं।

रोहिणी के बाद लालू यादव की तीन और बेटियां दिल्ली रवाना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में राजद को मिली करारी हार के बाद से लालू परिवार घमासान मचा हुआ है। फॅमिली और पॉलिटिक्स छोड़ने के ऐलान के एक दिन बाद रोहिणी आचार्य ने एक के बाद एक 2 सोशल मीडिया पोस्ट कर तेजस्वी यादव और संजय यादव पर गंभीर आरोप लगाए। शनिवार शाम रोहिणी आचार्य के राबड़ी आवास छोड़ने के बाद रविवार को तीन और बहनों ने दिल्ली जाने का फैसला किया है। रागिनी, राजलक्ष्मी और चंदा यादव भी परिवार के साथ दिल्ली रवाना हो गई है। रविवार को लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दो इमोशनल पोस्ट किया। इसमें उन्होंने बताया कि उनके साथ कैसा बर्ताव हुआ है। उन्होंने लिखा, कल एक बेटी, एक बहन, एक शादीशुदा महिला, एक मां को जलील किया गया, गंदी गालियां दी गयीं, मारने के लिए चप्पल उठाया गया, मैंने अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया, सच का समर्पण नहीं किया, सिर्फ और सिर्फ इस वजह से मुझे बेइज्जती झेलनी पड़ी। कल एक बेटी मजबूरी में अपने रोते हुए मां- बाप बहनों को छोड़ आयी, मुझसे मेरा मायका छुड़वाया गया। मुझे अनाथ बना दिया गया। आप सब मेरे रास्ते कभी ना चलें, किसी घर में रोहिणी जैसी बेटी-बहन पैदा ना हो।

चिराग पासवान का बड़ा बयान

विवाद पर चिराग पासवान भी सामने आए और उन्होंने कहा कि राजनैतिक मतभेद एक तरफ है लेकिन वह मेरा भी परिवार है। जब किसी परिवार में तनाव होता है तो वह आपको कितना विचलित कर सकता है, मैं इस बात को समझ सकता हूं। मैं इस बात को नहीं मानता हूं कि शादी के बाद ससुराल ही बेटी का घर है। मैं इस रूढ़िवादी सोच का प्रशंसक नहीं हूं। कल जब उन्होंने यह सब कहा तो मैं यह दर्द समझ रहा हूं और प्रार्थना करता हूं कि यह सब जल्द ठीक हो जाए।

बख्तियारपुर-राजगीर रेलखंड के दोहरीकरण को मंजूरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। लंबे इंतजार के बाद बख्तियारपुर-राजगीर रेलखंड का दोहरीकरण की मंजूरी प्रदान की गयी है। रेलवे मंत्रालय ने इसके लिए राशि भी जारी कर दी है। इस रेलखंड के दोहरीकरण का कार्य राजगीर से आगे तिलैया (नवादा) तक होगा। दोहरीकरण से इस इलाके के यात्रियों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। मालगाड़ियों के परिचालन में भी तेजी आएगी। राजगीर, नालंदा, पटना, नवादा और शेखपुरा जिले के हजारों यात्रियों को इससे लाभ मिलेगा। बख्तियारपुर-राजगीर रेलखंड का इतिहास काफी गौरवशाली रहा है। ब्रिटिश काल में सबसे पहले 1903 में मार्टिन लाइट रेलवे कंपनी ने बख्तियारपुर से बिहारशरीफ तक नैरोगेज रेल लाइन बिछाई थी। उस समय यह क्षेत्र कृषि उत्पादों और स्थानीय व्यापार का केंद्र हुआ करता था। रेल लाइन ने व्यापार और लोगों के आवागमन में नई ऊर्जा भरी थी। इसके बाद 1911 में नैरोगेज लाइन को बिहारशरीफ से नालंदा और सिलाव होते हुए राजगीर तक बढ़ाया गया था। राजगीर उस समय भी धार्मिक, अध्यात्मिक और पर्यटन दृष्टिकोण से उभरता हुआ केंद्र था। सनातन धर्मावलंबियों के साथ बौद्ध धर्म और जैन धर्म के अनुयायी बड़ी संख्या में यहां पहुंचते थे। रेल संपर्क से यहां के विकास को और गति मिली थी। शुरुआत में यह पूरी रेल लाइन नैरोगेज थी। छोटे भाप इंजनों और हल्के डिब्बों के सहारे इस रेलखंड में गाड़ियां चलती थी। बाद में यात्री की संख्या और व्यापारिक जरूरतें जैसे जैसे बढ़ने लगी, तब इसका विस्तार आवश्यक हो गया। आजादी के बाद भारतीय रेल मंत्रालय ने इस रेलखंड के महत्व को समझा। तत्कालीन रेल मंत्री जगजीवन राम के कार्यकाल में 1962 में इस नैरोगेज लाइन को ब्रॉडगेज (1676 मिमी या 5 फीट 6 इंच) में बदल दिया गया। उसी समय राजगीर को गया जी से जोड़ने की योजना बनाई गई थी। डीपीआर भी तैयार किया गया था। इससे ट्रेनों की रफ्तार बढ़ी और अधिक डिब्बों वाली गाड़ियां इस खंड पर दौड़ने लगीं। पटना से राजगीर और गया से राजगीर आने-जाने वाले यात्रियों के लिए यह रेल लाइन बेहद उपयोगी साबित हुई है। समय के साथ इस रूट पर ट्रेनों की संख्या लगातार बढ़ी है। राजगीर न केवल धार्मिक, अध्यात्मिक और ऐतिहासिक नगरी है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटन, शिक्षा और खेल भूमि भी है। हर साल लाखों की संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक यहां पहुंचते हैं। दुनिया के दर्जनों देशों के छात्र यहां शिक्षा पाने आते हैं। यहां अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेलों का भी आयोजन होने लगा है। इसके अलावा गया और पटना से होकर जाने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों के संचालन में भी यह रेलखंड महत्वपूर्ण कड़ी है। एकल लाइन होने की वजह से ट्रेनों के आवागमन में हमेशा बाधा आती रहती है। अक्सर यात्रियों को देरी से चलने वाली गाड़ियों की परेशानी झेलनी पड़ती है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए रेलवे ने बख्तियारपुर-राजगीर- तिलैया रेलखंड का दोहरीकरण कराने का निर्णय लिया है।

सरकारी स्कूल तैयार करेंगे मैगजीन, बच्चे करेंगे संपादन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जिले के माध्यमिक विद्यालयों में पढ़नेवाले बच्चों के लिए एक रचनात्मक पहल के माध्यम से किताबों की पढ़ने की आदत विकसित करने की कवायद शुरू कर दी गयी है। बच्चों में वैचारिक व तार्किक समझ को विकसित करने के साथ ही किताबों के प्रति रुचि बढ़ायेगी। इसके तहत विद्यार्थियों को किताब पढ़ने के लिए प्रेरित किया जायेगा। प्रत्येक माध्यमिक स्कूलों की ओर से मैगजीन तैयार करायी जायेगी। इस मैगजीन का संपादन बच्चों द्वारा ही किया जायेगा। बच्चों में लेखन की क्षमता और सृजनशीलता को बढ़ाने के उद्देश्य से इसे लागू किया जायेगा। इसके साथ ही बच्चों को रचनात्मक बुकमार्क बनाने के लिए प्रेरित किया जायेगा और बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया जायेगा। इसके साथ ही शिक्षकों को भी बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए किताबों पर चर्चा करने, कहानियां लिखने और किताब पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित करने को कहा गया है। इसके साथ ही जिले के सभी विद्यालयों में पुस्तकालयों को भी विकसित किया जायेगा। स्कूलों में बच्चों के पढ़ने के लिए पाठ्यक्रम के अलावा साहित्य व सामान्य ज्ञान की किताबें भी मुहैया करायी जायेगी। स्कूलों को मुहैया करायी जाने वाली किताबों में कहानी, उपन्यास, जीवनी और प्रेरणादायी साहित्य भी शामिल होगी। स्कूली बच्चों द्वारा इन किताबों का सारांश विद्यालय की चेतना सत्र में प्रस्तुत किया जायेगा। इसमें सर्वाधिक किताबें पढ़ने वाले छात्र को प्रशंसा पत्र भी दिया जायेगा। जिला शिक्षा कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण भी कराया जायेगा।

नवबिहार टाइम्स
बोकारो, सोमवार 17 नवंबर 2025

संपादकीय

टीबी केस घट रहे, लेकिन खतरा क्यों नहीं घटा

दुनिया भर में तपेदिक या टीबी के उन्मूलन का लक्ष्य हासिल करना दशकों से एक जटिल चुनौती है। समय-समय पर इस बीमारी से संबंधित नए तथ्य और इलाज को लेकर जिस तरह के आंकड़े और ब्योरे सामने आते रहे हैं, वे इस रोग से उपजी व्यापक समस्या से पार पाने की दिशा में एक निरंतरता का बयान तो करते हैं, लेकिन तपेदिक को पूरी तरह खत्म कर पाना अब तक संभव नहीं हो पाया है। भारत में इस रोग से प्रभावित वर्गों की जीवन-स्थितियां और उनके जितने स्तर रहे हैं, उसमें अनुकूल नतीजे तक पहुंचना थोड़ा और जटिल हो जाता है। मगर अब इस दिशा में एक राहत देने वाली खबर आई है कि भारत में टीबी के मामलों में तेजी से गिरावट आ रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक तपेदिक (टीबी) रपट, 2025 के मुताबिक भारत में हर वर्ष टीबी के नए मामलों में इक्कीस फीसद तक की कमी आई है। 2015 में प्रत्येक एक लाख की आबादी पर यह संख्या जहां दो सौ सैंतीस थी, वहीं वर्ष 2024 में घट कर प्रति लाख जनसंख्या पर एक सौ सत्तीस हो गई।जाहिर है, टीबी के नए मामलों में इतनी कमी इस रोग को देश से पूरी तरह खत्म करने के लिए काफी नहीं है, लेकिन बीते कुछ वर्षों के दौरान इस गिरावट को काफी अहम माना जा सकता है। इसी क्रम में सरकार ने भी इस वर्ष के अंत तक टीबी को देश से पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य रखा है। मगर अब भी इस रोग के प्रभाव क्षेत्र और जड़ों की जो वास्तविक तस्वीर है, उसमें इसके पूरी तरह उन्मूलन के लिए और ज्यादा ठोस कदम उठाने की जरूरत लगती है। दरअसल, नए मामलों में तेजी से गिरावट निश्चित रूप से एक उम्मीद पैदा करती है, लेकिन अब भी टीबी की वजह से होने वाली मौतों को कम करने का लक्ष्य काफी दूर है। पिछले वर्ष सरकार ने संसद में बताया था कि सन 2023 में देश में टीबी से पचासी हजार लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि सरकार का कहना है कि नई तकनीकों के ज्यादा से ज्यादा उपयोग, सेवाओं को निचले स्तर तक पहुंचाना और बड़े पैमाने पर इस रोग के प्रति लोगों को जागरूक करने की वजह से टीबी के उपचार के दायरे में काफी विस्तार होगा और इससे इस रोग को खत्म करने में मदद मिलेगी।सवाल है कि इस आशावाद के समांतर सरकार क्या जमीनी स्तर पर तपेदिक की मार से प्रभावित वर्गों तक दवाओं और उपचार की पहुंच सुनिश्चित कर पा रही है।

न्यायालय ने इन्हें दोष मुक्त तो करार दे दिया, किंतु ये न्याय एक तरफा है। अधूरा है। निठारी कांड तो हुआ है। चर्चित निठारी कांड में निचली अदालत से कोली को एक दर्जन से अधिक मामलों में फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है। निठारी गांव के कोठी डीएस?5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को दो केस में फंसी की सजा हो चुकी है। निठारी हत्याकांड के दोषी ठहराए गए सुरेंद्र कोली को सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह बेहद दुख की बात है कि लंबी जांच के बावजूद निठारी के जघन्य हत्याकांड के असली अपराधी की पहचान कानूनी मानकों के अनुरूप स्थापित नहीं हो पाई। अपराध जघन्य थे और परिवारों की पीड़ा अथाह थी। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा के निठारी हत्याकांड से जुड़े अंतिम लंबित मामले में सुरेंद्र कोली को बरी करते हुए यह टिप्पणी की।

निठारी कांड के निर्णय पर गूंजते सवाल

(अशोक मधुप)

इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के नोएडा के चर्चित निठारी कांड के 12 केस के आरोपी सुरेंद्र कोली और दो केस में फांसी की सजा पाए कोठी डीएस5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को भी ने बरी कर दिया है।

न्यायालय ने इन्हें दोष मुक्त तो करार दे दिया, किंतु ये न्याय एक तरफा है। अधूरा है। निठारी कांड तो हुआ है। चर्चित निठारी कांड में निचली अदालत से कोली को एक दर्जन से अधिक मामलों में फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है। निठारी गांव के कोठी डीएस?5 के मालिक मनिंदर सिंह पंढेर को दो केस में फंसी की सजा हो चुकी है। अब जब की ये निचली अदालत से फांसी की सजा पाए ये दोनों आरोपी हाईकोर्ट ने बरी कर दिए तो व्यवस्था को यह तो बताना ही होगा कि फिर इस कांड के आरोपी कौन हैं? किसने इस कांड की 19 घटनाओं को अंजाम दिया। कांड तो हुआ ही है। ये दोनों आरोपी इसलिए बरी हो गए कि इनके विरूद्ध सुबूत नही थे, किंतु पीड़ित परिवार को भी तो न्याय चाहिए। उनके परिवार की युवतियों, बेटियों और बच्चों पर जुल्म करने वाला, उनसे व्यभिचार कर उन्हें काटकर खाने वाला कोई तो होगा? किसी ने तो ये कांड किया होगा? उसे कानून की जद में लाकर सजा कौन दिलाएगा? ये निर्दोष थे तो फिर इनकी कोठी के पास नाले में किसने मारकर इनको डाला?

29 दिसंबर 2006 को नोएडा में मोनिंदर सिंह पंढेर के घर के पीछे नाले से 19 बच्चों और महिलाओं के कंकाल मिले। मोनिंदर सिंह पंढेर और सुरेंद्र कोली गिरफ्तार किया। आठ फरवरी 2007 को कोली और पंढेर को 14 दिन की सीबीआई हिरासत में भेजा गया। मई 2007 को सीबीआई ने पंढेर को अपनी चार्जशीट में अपहरण, दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोप मुक्त कर दिया था। दो माह बाद अदालत की फटकार के बाद सीबीआई ने उसे मामले में सह अभियुक्त बनाया। 13 फरवरी 2009 को विशेष अदालत ने पंढेर और कोली को 15 वर्षीय किशोरी के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या का दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई। ये पहला फैसला था। इसके बाद 11 केस में दोनों को सजा हुई।

पुलिस ने इस मामले में कहा था कि कम से कम 19 युवा महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया था, उनकी हत्या कर दी गई थी और उनके शवों के टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए थे। पुलिस ने उस समय कहा था कि ये हत्याएं पंढेर के घर के अंदर हुई थीं, जहां कोली नौकर के तौर पर काम करते थे। पुलिस ने आरोप लगाया कि जिन बच्चों के अवशेष बैग में छिपे हुए पाए गए थे,

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने फैसले में कहा, आपराधिक कानून अनुमान या पूर्वधारणा के आधार पर दोषसिद्धि की अनुमति नहीं देता। खुदाई शुरू होने से पहले घटनास्थल को सुरक्षित नहीं किया गया था, खुलासे को उसी समय दर्ज नहीं किया गया। रिमांड दस्तावेज में विरोधाभासी विवरण थे और कोली को समय पर अदालत की ओर से निर्देशित चिकित्सा जांच के बिना लंबे समय तक हिरासत में रखा गया। अदालत ने कोली की सजा को रद्द करते हुए कहा कि अगर वह किसी और मामले में वांछित नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत रिहा किया जाए। यह फैसला उन परिवारों और कानूनी हलकों के लिए अहम है, जो पिछले 18 वर्षों से इस मामले पर नजर रखे हुए थे। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि अभियोजन पक्ष सुरेंद्र कोली के खिलाफ ठोस और विश्वसनीय सबूत पेश नहीं कर पाया। अदालत ने माना कि जांच के दौरान कई गंभीर प्रक्रियागत खामियां रहीं, इसके चलते दोषसिद्धि बरकरार नहीं रखी जा सकती। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर उम्रकैद या फांसी नहीं दी जा सकती।

उन्हें कोली ने मिठाई और चॉकलेट देकर लालच देकर मार डाला था। पुलिस का कहना था कि जांच के दौरान कोली ने नरभक्षण और नेक्रोफिलिया (शवों के साथ संबंध बनाने) की बात कबूल की थी। बाद में उन्होंने अदालत में अपना कबूलनामा ये कहते हुए वापस ले लिया कि उनसे जबरन ये बयान दिलवाया गया था। सीबीआई ने सुरेंदर कोली और पंढेर के खिलाफ़ 19 मामले दर्ज किए थे। जहां कोली पर हत्या, अपहरण, बलात्कार, सबूतों को मिटाने जैसे आरोप थे तो वहीं पंढेर पर अनैतिक तस्करी का आरोप था। इस मामले की गूंज कई सालों तक देश गूंजती रही थी। लोगों ने पुलिस पर लापरवाही बरतने के आरोप लगाए थे। स्थानीय लोगों ने उस समय कहा था कि पुलिस इस मामले में इसलिए भी कार्रवाई नहीं कर सकी क्योंकि लापता होने वालों में से अधिकतर गरीब परिवार के थे।न्यायालय ने निर्णय में ये माना कि आरोपियों के विरूद्ध सबूत नही हैं। न्यायालय ने ये नही कहा कि कांड हुआ ही नही। उसने माना कि कांड तो हुआ। 19 महिलाओं और बच्चियों के कंकाल कोठी डीएस?5 के सामने नाले से मिले। अब प्रश्न यह है कि ये नही तो किसी और ने ये कांड किया है। जिसने कांड किया उसे सजा दिलाने की किसकी जिम्मेदारी है? किंतु लगता है कि न्यायालय ने इस केस के आरोपी के बरी हो जाने के बाद ये केस व्यवस्था की कबाड़ की फाइल में चला जाएगा। 2006 से न्याय की आशा में बैठे पीडित परिवार को रो पीट कर चुप हो बैठना पड़ेगा। इस निर्णय के बाद पीड़ितों के माता पिता और परिवार वालों का दुख और गहरा हो गया। अपनों को खोने वालों ने कहा कि 19 साल बाद भी हम लोगों को न्याय नहीं मिला। निठारी कांड में अपने बच्चों को खोने वाले पैरंट्स का लगभग एक ही सवाल है कि अगर पंढ़ेर और कोली निर्दोष हैं तो उनके बच्चों को किसने मारा है? एक बात और हाईकोर्ट ने कहा कि शवों की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर जांच नहीं हुई। ये रिपोर्ट मानव तस्करी की और इशारा कर रही थी। दोनों न्यायधीश ने जांच पर नाखुशी जताते हुए ये भी कहा कि जांच बेहद खराब है। सुबूत जुटाने की मौलिक प्रक्रिया का पूरी तरह उल्लंघन किया गया। जांच एसेंसियों की नाकामी जनता के विश्वास के साथ धोखा है। हाईकोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसियों ने अंग व्यापार के गंभीर पहलुओं की जांच किए बिना एक गरीब नौकर को खलनायक की तरह पेश किया। हाईकोर्ट ने माना कि ऐसी गंभीर चूक के कारण मिलीभगत सहित कई गंभीर निष्कर्ष संभव है। हाईकोर्ट ने यह भी माना कि दोनों आरोपियों के खिलाफ कोई सुबूत नही हैं। सुबूत के अभाव में दोनों आरोपियों को लगभग 19 साल जेल में रहना पड़ा। अकारण जेल में बिताए इनके इन सालों के लिए कौन जिम्मेदार है? इस केस में शुरूआत से ही पुलिस पर आरोप लगते रहते हैं कि वह इस मामले में रूचि नही ले रही। उसी के बाद मामला सीबीआई को गया। अब सीबीआई की जांच पर भी सवाल उठा है तो सीबीआई को अपनी जांच और प्रक्रिया पर भी सोचना और बदलाव करना होगा। क्योंकि देश में उसका बहुत सम्मान है। प्रत्येक प्रकार के टिपिकल मामले में उसी से जांच कराने की बात आती है। अब उसकी भी जांच ऐसी ही निम्न स्तरीय होगी,तो फिर उसे सोचना तो होगा ही।(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

हाईवे के किनारे खड़ी गाड़ियों पर सुप्रीम टिप्पणी

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

आमतौर पर किसी भी बड़े हादसे में शिकार हुए यात्रियों की संख्या का ही जिक्र होता है और सरकार मुआवजे की घोषणा करके अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। अधिक से अधिक हमारे विमर्श का मुद्दा यह होता है कि दोषी कौन था? कौन सा ड्राइवर लापरवाही से वाहन चला रहा था, वह नशे में था या उसे नींद की झपकी लग गई।

देश भर में नेशनल हाईवे व शहर के अंदर व आउटर में संचालित होटलों, ढाबों के किनारे भारी वाहन चालकों द्वारा यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए रोड पर जहां-तहां वाहनों को खड़ा कर दिया जाता है। सड़क किनारे खड़े ऐसे वाहन अन्य वाहन चालकों और यात्रियों के लिए यमदूत साबित हो रहे हैं। बीती 10 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के फालौदी और तेलंगाना के श्रीकाकुलम के सड़क हादसों में 37 लोगों की मौत पर सुओ मोटो कार्रवाई करते हुए सड़क सुरक्षा की गंभीर खामियों पर चिंता जताई है।

सबसे ज्यादा बड़े वाहन ढाबों पर खड़े नजर आते हैं। रात व दिन में यहां वाहन एक के पीछे एक खड़े रहते हैं। रात के समय तो आलम और भी भयंकर होता है, यहां से निकलने में भी डर बना रहता है। नियमित चेकिंग न होने और चालान न होने की वजह से यहां हादसे का डर बना रहता है। छुटपुट मामले तो आये दिन होते रहते हैं।बरसात के मौसम में इन ढाबों के पास हादसे की अधिक आशंका रहती है। ट्रक मिट्टी में खड़े होकर हाईवे पर आते हैं तो मिट्टी सड़क पर जमा हो जाती है। बरसात में इस मिट्टी से फिसलकर बाइक सवार हादसे का शिकार हो जाते हैं। इस के अलावा कई बार ट्रकों या अन्य लोडिंग वाहनों में उनकी क्षमता से अधिक माल भरा होता है। मुख्यता लोहे के सरिये, गर्डर आदि जो लोडिंग की लंबाई में न आते हुए पीछे तक निकले रहते हैं। इस तरह के वाहन भी हादसों का कारण बनते हैं।

यातायात पुलिस और परिवहन विभाग की ओर से लाखों रुपये रुपये प्रचार-प्रसार पर बहाया जाता है। इसके बावजूद सड़क सुरक्षा के नियम निर्देश कहीं भी धरातल पर देखने को नहीं मिलते हैं। गोष्ठियों और सेमिनारों में तो वाहन चालकों को नियमों का पाठ पढ़ाया जा जाता है लेकिन हाईवे ट्रक, डीसीएम, कंटेनर या अन्य वाहन चालकों को समझाने वाला कोई नहीं है। देश में सैकड़ों लोगों की मौत सड़क के किनारे गलत तरीके से खड़े ट्रक से वाहनों के टकराने से होती है, लेकिन दोषी ट्रक चालक को कड़ी सजा नहीं मिलती। वहीं दूसरी ओर वाहन चालकों को भी गति सीमा में रहने तथा अन्य सावधानियों का सख्ती से पालन करना चाहिए। सरकारों का दायित्व भी बनता है कि राजमार्गों पर रफ्तार की सीमा के नियमन के साथ बाधामुक्त सफर भी सुनिश्चित करें।

निश्चित रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की जवाबदेही बनती है कि राजमार्गों को दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये नियमित जांच-पड़ताल की जाती रहे। ताकि निर्दोष लोगों के बेमौत मरने का सिलसिला खत्म हो सके। इन विभागों व मंत्रालयों का जिम्मा सिर्फ टोल वसूलना ही नहीं है बल्कि सड़कों को सुरक्षित बनाना भी इनकी जवाबदेही है। निश्चित रूप से सड़क के निर्माण की गुणवत्ता तथा उसे दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये उच्च सुरक्षा मानकों का क्रियान्वयन भी उतना जरूरी है। इसके अलावा सख्त कानून व निगरानी के जरिये ट्रकों व भारी वाहनों को सड़क के किनारे खड़े करने पर रोक लगायी जाए। भारत में हर साल हजारों सड़क हादसे होते हैं. ज्यादातर में लापरवाही जिम्मेदार होती है। सुप्रीम कोर्ट का ये कदम सरकार और अधिकारियों पर दबाव डालेगा। इससे हाईवे सुरक्षित होंगे, ढाबे नियंत्रित जगह पर चलेंगे और ट्रक पार्किंग के लिए अलग जगह बनेगी। आम जनता की जान बचाने के लिए ये बड़ा फैसला साबित हो सकता है। (लेखक स्वतंत्र पत्रकार है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल क्या है? दुनिया इससे कितनी प्रभावित है? भारत इससे कैसे बच सकता है?

(कमलेश पांडे)

सोशल मीडिया, डिजिटल चैनल्स और एनक्रिप्टेड संचार माध्यमों का उपयोग कर गुप्त रूप से फंडिंग, हथियार और विस्फोटक सामग्री की खरीद-फरोख्त करते हैं। तीसरा, सामाजिक या धार्मिक संस्थाओं के आड़ में छुपकर संदिग्ध गतिविधियों को अंजाम देते हैं, जैसे सुरक्षा बलों को धमकी देना या स्थानीय लोगों को सुरक्षा सहयोग से रोकना।

व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल संगठित अपराध का नया और बेहद खतरनाक रूप है, जिसमें डॉक्टर्स, इंजीनियर्स, अध्यापक, प्रोफेशनल्स और अभिजात्य वर्ग के लोग आतंक की लॉजिस्टिक्स, फंडिंग, गुप्त संगठन और तकनीकी सहायता का काम करते हैं, जबकि सामने उनका समाज में सम्मानित और बेदाग चेहरा रहता है। यह खतरा आज न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में बढ़ रहा है और इसकी पहचान तथा रोकथाम बहुत बड़ी चुनौती बन चुकी है।

व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल क्या है?

व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल ऐसे पेशेवर और पढ़े-लिखे लोग चलाते हैं, जिन पर आमतौर पर शक नहीं होता। इनका काम सीधे आतंकवादी हमला करना नहीं, बल्कि फंडिंग, लॉजिस्टिक सपोर्ट, रिक्रूटमेंट, गुप्त संचार, और तकनीकी सहायता देना है। हाल ही में दिल्ली और एनसीआर में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां डॉक्टर और मेडिकल स्टूडेंट्स ने बम, विस्फोटक, शस्त्र, और हाई-टेक उपकरण छुपाकर आतंकी संगठनों की मदद की। खुफिया मामलों के जानकारों के मुताबिक, हवाला, एनक्रिप्टेड कम्युनिकेशन ऐप्स, और सामाजिक/धार्मिक संगठनों की आड़ में इन्हें फंडिंग व नेटवर्किंग मिलती है।

नागरिक समाज और पेशेवर समूहों को सतर्क और जागरूक बनाना बेहद जरूरी है। हर संदिग्ध गतिविधि की सूचना पुलिस, एनआईए या साइबर क्राइम पोर्टल पर तुरंत दें। वहीं, सुरक्षा एजेंसियों को अब केवल परंपरागत आतंकवादियों तक सीमित न रहकर कॉलेज-यूनिवर्सिटी, अस्पताल, प्रोफेशनल कॉम्युनिटी में 'काउंटर-रेडिकलाइजेशन' अभियान और डिजिटल मॉनिटरिंग तेज करनी होगी। बेहतर होगा कि यूरोपीय देश फ्रांस की तरह 'प्रिवेंट टू प्रोटेक्ट' जैसी स्कीम लागू की जा सकती है, जिसमें शिक्षा, सोशल, सुरक्षा व जेल व्यवस्था को समन्वित कर चरमपंथी विचारधारा की रोकथाम और नेटवर्क की पहचान की जाए।

इसके अलावा, डिजिटल और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग तथा फेक एनजीओ/सोशल-चैरिटी के वित्तीय लेन-देन पर खास नजर रखना जरूरी है। वहीं, ऑड-प्रोफेशनल्स या पढ़े-लिखे संदिग्धों के लिए संवेदनशील स्थानों, संगठनों में वेरिफिकेशन, साइबर मॉनिटरिंग और अंडरकवर इन्फॉर्मेशन नेटवर्क तेज किए जाएं। इन उपायों के जरिये ही भारत इस नए और बेहद मुश्किल आतंकवादी खतरे से अपनी सुरक्षा कर सकता है, क्योंकि अब युद्ध बंदूकधारियों और आतंकवादियों से ज्यादा,

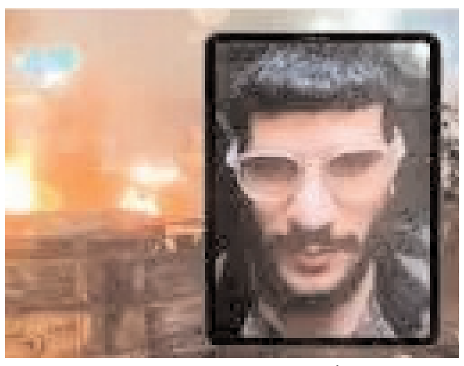

'सूट-बूट' वालों के जरिए लड़ा जा रहा है।

व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल के सामान्य संकेतों को ऐसे समझिए

व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल के सामान्य संकेतों में ये प्रमुख पहलू होते हैं- पहला, ऐसे पेशेवर और पढ़े-लिखे व्यक्ति जो आमतौर पर सम्मानित होते हैं, जैसे डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, जो अचानक कट्टरपंथी विचार धारा अपना लेते हैं। दूसरा, सोशल मीडिया, डिजिटल चैनल्स और एनक्रिप्टेड संचार माध्यमों का उपयोग कर गुप्त रूप से फंडिंग, हथियार और विस्फोटक सामग्री की खरीद-फरोख्त करते हैं। तीसरा, सामाजिक या धार्मिक संस्थाओं के आड़ में छुपकर संदिग्ध गतिविधियों को अंजाम देते हैं, जैसे सुरक्षा बलों को धमकी देना या स्थानीय लोगों को सुरक्षा सहयोग से रोकना। चतुर्थ, सामान्य जीवन में कोई संदिग्ध व्यवहार नहीं दिखाते, लेकिन अचानक आंतरिक घुसपैठ और आतंकी गतिविधियों में संलिप्त हो जाते हैं।

पंचम, अचानक किसी पेशेवर या छात्र समूह में कट्टरपंथी विचारों का प्रभाव फैलाना, खुद को ऑनलाइन या ऑफलाइन तेजी से रेडिकलाइज करना। षष्टम, बड़े हमलों के लिए लॉजिस्टिक सपोर्ट, विस्फोटक, हथियारों और फंड की गुप्त व्यवस्था करना। सप्तम, संदिग्धों का संदिग्ध यात्रा इतिहास (जैसे विदेश यात्रा), पोस्टर्स या सोशल मीडिया पर आतंकवादी प्रोपेगैंडा फैलाना। इन संकेतों से सुरक्षा एजेंसियां शुरुआत कर स्थानीय संदिग्धों की पहचान कर पाती हैं, खासकर जब ये लोग अचानक अपने सामाजिक व्यवहार या नेटवर्क में बदलाव दिखाने लगें। इससे साफ होता है कि यह मॉड्यूल पेशेवर और प्रतिष्ठित दिखने वाले लोग होते हुए भी आतंकवाद का हिस्सा होते हैं, जो बेहद खतरनाक है।

इस प्रकार, व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल के संकेत पहचानना और समय रहते सतर्क रहना भारत की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। नागरिक व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल के संकेतों की पहचान कर देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिए वे निम्नलिखित कदम उठा सकते हैं- पहला, अपने आस-पास के लोगों के व्यवहार में अचानक आए बड़े बदलावों, कट्टरपंथी विचारों, और सामाजिक अलगाव को गंभीरता से लें। दूसरा, संदिग्ध गतिविधियों या गुप्त फंडिंग, हथियारों की खरीद, या आतंकवादी प्रोपेगैंडा फैलाने वाले ऑनलाइन या ऑफलाइन व्यवहार की जानकारी तुरंत पुलिस, राष्ट्रीय जांच एजेंसी या साइबर क्राइम पोर्टल पर दें। तीसरा, पेशेवर, शिक्षाविद्, और सामाजिक समूहों में घुसपैठ की आशंका होने पर सतर्क रहें और बदलावों की सूचना संबंधित अधिकारियों को दें। चतुर्थ, अपने परिवार, दोस्तों और समुदाय में कट्टरपंथी विचारों के खात्मे के लिए संवाद और जागरूकता बढ़ाएं, ताकि युवा और पेशेवर इस तरह के जाल में न फंसें। पंचम, सामाजिक और धार्मिक संस्थानों में किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखें और त्वरित सूचना दें। षष्टम, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर संदिग्ध या फेक सोशल मीडिया प्रोफाइल, फंडिंग स्रोत और ग्रुप्स पर नजर रखें और रिपोर्ट करें। सप्तम, सरकारी और पुलिस द्वारा जारी की गई व्हाइट कॉलर टेरर और रेडिकलाइजेशन से संबंधित प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लें।

निःसन्देह, इन उपायों से नागरिक अपनी सामाजिक-जिम्मेदारी निभाते हुए आतंक के खिलाफ सरकार और सुरक्षा बलों का सहयोग कर सकते हैं, जिससे आतंक की जड़ों को समय रहते पकड़ा जा सकेगा और सुरक्षा मजबूत होगी और देश व देशवासी सुरक्षित रहेंगे।वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

झूठ, जातीय उकसावे व फजीवाड़े पर धमदाहा का प्रहार

लेसी सिंह बोलीं, 'जनता ने साजिशों को जड़ से उखाड़ फेंका'

■ वोट की चोट से टूटे भ्रम, बंटवारे की राजनीति को नकारते हुए मतदाताओं ने दिया सबसे सटीक जवाब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। चुनाव परिणाम ने जैसे ही धमदाहा का रुख तय किया, राजनीति की भाषा बदल गई—और इसी बदली हुई हवा का प्रवाह लेशी सिंह की पहली प्रेस वार्ता में साफ-साफ महसूस हुआ। उनका स्वर आक्रामक भी था, आत्मविश्वास से भरा भी, और जनता के प्रति कृतज्ञ भी। उन्होंने पूरे चुनाव अभियान को झूठ, जातीय उकसावे, सोशल मीडिया फजीवाड़े और चरित्र-हनन की राजनीति का घिनौना उदाहरण बताते हुए कहा कि धमदाहा ने इसे पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

उन्होंने शुरूआत धमदाहा के देव तुल्य मतदाताओं को धन्यवाद देते हुए की और कहा कि इस जीत ने विपक्षियों की हर चाल को बेनकाब कर दिया। 'विपक्षियों ने हमें हराने के लिए जितना झूठ गढ़ा जा सकता था, सबकुछ गढ़ा। फर्जी वीडियो, छेड़छाड़ वाली तस्वीरें, यूट्यूब पर किराए के चेहरों द्वारा गलत सूचनाएँ—लेकिन धमदाहा की जनता के विवेक पर इन सबका जरा भी असर नहीं हुआ,' उन्होंने जोर देकर कहा। यही नहीं, उन्होंने वह सबसे खतरनाक हथकंडा भी उजागर किया जिसे विपक्ष ने चुनावी हवा में घोलने की कोशिश की—जातीय उन्माद। उनके

शब्दों में, 'मतदाताओं को जातियों में बाँटकर भड़काने की कोशिश हुई। हमें लगा था कि वे कुछ सीमा तक रहेंगे, लेकिन उन्होंने पूरी तरह जातीय जहर फैलाने की कोशिश की। जनता ने उनकी इस साज़िश को पहले ही पल में भांप लिया और वोट की चोट पर ऐसा जवाब दिया कि उनकी पूरी चाल धरी की धरी रह गई।'

लेशी सिंह ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि उन्हें 'डायन' कहा गया, 'राशन चोर' के नाम से बदनाम करने की कोशिश की गई, और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तक को साजिशों के जाल में फंसाने का प्रयास हुआ। तकनीकी छेड़छाड़ कर बनाई गई फर्जी तस्वीरों को सोशल मीडिया पर ऐसे फैलाया गया जैसे वह कोई 'राजनीतिक हथियार' हों। लेकिन लेशी सिंह के मुताबिक जनता का एक-एक वोट इस बार उन हथकंडों का करारा प्रतिवाद था। उन्होंने खासकर महिलाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि धमदाहा की आधी आबादी ने जो एकजुटता दिखाई, वही इस चुनाव की कहानी लिखने वाली असली ताकत है। उन्होंने देखा कि बेटी को बदनाम करने की कोशिश हो रही है। पर वे चुप नहीं रहीं। बूथ पर जाकर उन्होंने विरोधियों को सबसे मजबूत जवाब दिया। विपक्ष द्वारा फैलाए गए धमदाहा की 'आजादी' वाले नारे पर भी उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी। 'किस बात की आजादी? लूट की? भ्रष्टाचार की? गुंडागर्दी की? धमदाहा ने बता दिया कि यह धरती ऐसी आजादी की प्रयोगशाला नहीं बनने वाली है,' उन्होंने दृढ़ता से कहा। इस प्रेस वार्ता ने यह साफ कर दिया कि धमदाहा ने सिर्फ एक प्रतिनिधि नहीं चुना—बल्कि एक संदेश दिया है। जनादेश यह कह रहा है कि यहां न जातीय विभाजन चलेगा, न डिजिटल झूठ, न अफवाहों की राजनीति। धमदाहा ने विकास, शांति और सच्चाई को चुना है—और झूठ पर अपनी मुहर के प्रहार से साबित कर दिया है कि जनता को बांटना आसान नहीं, और गुमराह करना असंभव।

एनडीए की जीत के बाद पटना में विधायक विजय खेमका की सक्रिय उपस्थिति, शीर्ष नेतृत्व से मुलाकातों का दौर तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। एनडीए की प्रचंड जीत के बाद पूर्णिया से लगातार तीसरी बार चुने गए विधायक विजय खेमका शनिवार को पटना पहुंचे, जहां उन्होंने सरकार और संगठन दोनों के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर चुनाव परिणाम को लेकर धन्यवाद और शुभकामनाएँ साझा कीं। पूरे दिन उनकी राजनीतिक व्यस्तता ने राजधानी की सियासी हलचल को और तेज कर दिया।

सबसे पहले विजय खेमका मुख्यमंत्री आवास पहुंचे और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शिष्टाचार भेंट की। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि यह जनादेश जनता की अपेक्षाओं, विकास और स्थिर प्रशासन पर भरोसे का संकेत है। मुख्यमंत्री ने भी पूर्णिया की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य की योजनाओं पर सकारात्मक चर्चा की।इसके बाद श्री खेमका भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल से मिले। दोनों के बीच संगठन की भूमिका, कार्यकताओं की मेहनत और आगामी राजनीतिक कार्ययोजनाओं पर विस्तृत बातचीत हुई। खेमका ने

इसे संगठन और जनता की संयुक्त जीत बताया। विधायक की अगली मुलाकात उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से हुई। उन्होंने उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएँ दीं और चुनाव परिणामों पर चर्चा की। उपमुख्यमंत्री ने खेमका को बधाई देते हुए कहा कि पूर्णिया ने एनडीए पर जो भरोसा जताया है, वह आने वाले समय में विकास के नए रास्ते खोलेगा। पटना प्रवास के दौरान खेमका ने केंद्र के गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय और बिहार सरकार के मंत्री मंगल पांडेय से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं से मिलने के बाद खेमका ने बताया कि यह जनादेश केवल चुनावी जीत नहीं, बल्कि जनता द्वारा दिए गए बड़े दायित्व का संकेत है। विजय खेमका शाम तक संगठन महामंत्री भीखूभाई दलसानिया, बिहार विधानसभा के स्पीकर नंदकिशोर यादव, और प्रदेश भाजपा कार्यालय में मौजूद पदाधिकारियों व कार्यकताओं से मिलते रहे। उन्होंने सभी से बातचीत के दौरान यह स्पष्ट किया— 'यह जीत जनता की आकांक्षाओं का संदेश है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि इस भरोसे को विकास में बदलें।' इस तरह पूरे दिन पटना में खेमका की सक्रियता ने यह संदेश साफ कर दिया कि पूर्णिया से लेकर पटना तक एनडीए की जीत को नई ऊर्जा और नई दिशा देने की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

बनमनखी ने लिखी भरोसे की नई इबारत

कृष्ण कुमार ऋषि की छठी जीत पर जनसैलाब उमड़ा, विकास के प्रति जनता की साफ प्रतिबद्धता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बनमनखी/पूर्णिया। बनमनखी रविवार की सुबह जिस उर्जा से जागा, वह किसी सामान्य विजयी जुलूस का नजारा नहीं था। सड़कें रंगीन अबीर की उड़ान से गुलाबी थीं, ढोल-नगाड़ों की गूंज लगातार फैल रही थी और भीड़ का उत्साह इस बात का ऐलान कर रहा था कि कृष्ण कुमार ऋषि की छठी जीत सिर्फ एक चुनावी परिणाम नहीं—बल्कि जनता का दिया हुआ ठोस जनादेश है।

विजयी जुलूस जब नगर की मुख्य सड़कों से गुजर रहा था, महिलाओं की अग्रणी भूमिका ने पूरा माहौल बदल दिया। डीजे की धुन पर उनका लयबद्ध उत्साह इस बात का संकेत था कि इस चुनाव में महिला मतदाताओं ने न सिर्फ रिकॉर्ड संख्या में हिस्सा लिया, बल्कि अपने वोट से वातावरण की दिशा भी तय की। युवाओं की उमंग, बुजुर्गों की सहभागिता और बच्चों का उल्लास—तीनों ने इस जुलूस को एक सामूहिक उत्सव में बदल दिया।

विकास की राजनीति को जनता ने दिया मजबूत समर्थन

विधायक कृष्ण कुमार ऋषि ने जनता के बीच पहुँचकर अभिवादन स्वीकार किया और साफ कहा कि यह जीत विकास आधारित राजनीति के प्रति जनता की निष्ठा को दर्शाती है। बिहार में एनडीए की अपेक्षाओं से कहीं आगे निकलकर हुई जीत इस बात का संकेत भी है कि जनता ने नकारात्मक विमर्श को दरकिनार कर आगे बढ़ने की राह चुनी है। इस विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सभा ने भी चुनावी माहौल को नया मोड़ दिया था। बनमनखी को विकास की पटरी पर तेजी से चढ़ाने और किसानों के लिए चीनी मिल स्थापना की संभावनाओं को लेकर दिया गया संदेश ग्रामीण वोटरों के बीच गहरी छाप छोड़ गया। अब यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि उद्योग की स्थापना वियाडा की जमीन पर होगी या नया अधिग्रहण होगा। किसानों और युवाओं के लिए रोजगार का मुद्दा अब सिर्फ कल्पना नहीं, बल्कि आने वाली योजनाओं का केंद्र बन चुका है।

जातीय समीकरणों पर जनता ने लगाई पूर्ण विराम

इस चुनाव ने यह भी स्पष्ट किया कि बनमनखी के मतदाता किसी बंधन या खांचे में सीमित नहीं रहे। जातीय समीकरणों को पीछे धकेलते हुए लोगों ने साफ छवि, काम की क्षमता और विश्वसनीयता पर वोट किया। विजेता को मिले 45296 मतों के अंतर ने यह संदेश और भी स्पष्ट कर दिया कि जनता बदलाव नहीं, भरोसे की निरंतरता चाहती है। विजय जुलूस में विभिन्न वर्गों की उपस्थिति इसकी पुष्टि कर रही थी कि यह जीत किसी एक तबके की नहीं—पूरे समाज की सामूहिक जीत है। महिलाएँ अग्रणी थीं, युवा सबसे आगे थे और बुजुर्गों की संतुष्टि चेहरों पर साफ दिख रही थी। विधायक स्वयं भी जुलूस में सहज रूप से शामिल होते हुए बच्चों को कंधे पर उठाए दिखे, जो इस जश्न का सबसे मानविक और जीवंत क्षण था।

केनगर पुलिस की बड़ी कामयाबी : विदेशी शराब की भारी खेप बरामद, एक गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

केनगर/पूर्णिया। रविवार दोपहर करीब 2 बजे केनगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए विदेशी शराब की भारी खेप के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई थाना से बिल्कुल करीब विशेष छापेमारी के दौरान की गई, जिसमें पुलिस ने पंच लग्जरी कार (रजिस्ट्रेशन संख्या इफ06 DC 8392) को भी जब्त कर लिया।

थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार पटेल ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि बंगाल से बड़ी मात्रा में विदेशी शराब लोड कर एक वाहन केनगर होकर बनमनखी की ओर जाने वाला है। सूचना की पुष्टि के बाद

पुलिस टीम का गठन किया गया और बनभाग चौक से लेकर केनगर चौक तक नाकेबंदी करते हुए छापेमारी अभियान चलाया गया। इसी दौरान थाना के समीप एक उजले रंग की पंच कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें विभिन्न ब्रांड के कुल 346.77 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। मौके से धंधेबाज मो. दिलसान, पिता मो. मुर्शिद, निवासी — झिकटिया गाँव, थाना सिंहेश्वर, जिला मधेपुरा — को गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उसे सोमवार को न्यायिक हिरासत में पूर्णिया भेज दिया जाएगा।

क्षेत्रीय रेलवे हिंदी नाटक प्रतियोगिता में कटिहार रेल मंडल सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे राजभाषा विभाग मालीगांव गुवाहाटी की ओर से आयोजित क्षेत्रीय रेलवे हिंदी नाटक प्रतियोगिता में कटिहार रेल मंडल की ओर से प्रस्तुत नाटक उदास मत हो चिन्निह्म का सफलतापूर्वक मंचन किया गया। प्रतियोगिता में कुल चार टीमों ने भाग लिया। जिनमें तीन टीमें हेडक्वार्टर और एक टीम कटिहार रेल मंडल की रही। प्रतियोगिता में हेडक्वार्टर की टीम को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। वहीं कटिहार रेल मंडल को उत्कृष्ट एवं बेहतर प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया।

राजभाषा विभाग मालीगांव द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं प्रोत्साहन को बढ़ावा देना था।कटिहार रेल मंडल की प्रस्तुति ह्यउदास मत हो चिन्निह्म मूलत महिला सशक्तिकरण के विषय पर आधारित एक प्रेरक नाटक है। जिसका निर्देशन आलोक कुमार ने किया।नाटक के प्रमुख कलाकारसोनम शर्मा, अंजली कुमारी, पूजा कुमारी, रितेश कुमार, सौरव, आकाशदीप, नंदकिशोर, कौशिक कर, अभिनव पॉल, अनुराग कुमार आदि रहे ।संगीत संयोजन कुमार सत्यम, वेश-भूषा एवं मेकअप कौशिक कर रहे। कटिहार रेल मंडल प्रशासन ने सभी कलाकारों, तकनीकी दल एवं आयोजनकताओं को सफल प्रस्तुति के लिए बधाई दी और भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

बिहार जनादेश 2025 : एनडीए की प्रचंड जीत से भाजपा नेताओं का आत्मविश्वास चरम पर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि जनता विकास, स्थिरता और सुशासन की राह से भटकने को तैयार नहीं। पूर्णिया सदर ,कसबा और धमदाहा विधानसभा सहित राज्यभर में एनडीए की प्रचंड जीत ने राजनीतिक पटल पर एक नया संदेश दिया है। उक्त बातें जिला भाजपा के वरिष्ठ नेता महेंद्र गुप्ता ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा। उन्होंने कहा कि यह जीत सिर्फ गठबंधन की रणनीति का परिणाम नहीं, बल्कि जनता के भरोसे की मुहर है। उनका मानना है कि 'बिहार ने अवसरवाद

और भ्रम की राजनीति को सिरे से खारिज कर दिया है। लोगों ने उन हाथों को चुना है जो काम करते हैं, न कि वे जो सिर्फ वादों की राजनीति करते हैं। श्री गुप्ता ने दावा किया कि पूर्णिया से लेकर सीमांचल के हर कोने तक विकास की योजनाओं और कानून-व्यवस्था में सुधार ने जनता को एनडीए के साथ मजबूती से खड़ा किया। यह भी कहा गया कि आने वाला कार्यकाल 'गति और गारंटी' का होगा, जिसमें अधूरे कार्य पूरे किए जाएंगे और नए लक्ष्य तय होंगे। चुनावी परिणाम को लेकर उन्होंने कहा कि बिहार का मतदाता अब परिपक्व, सजग और पूरी तरह विकासाभिमुख हो चुका है। चुनावी शोर थम चुका है, लेकिन जनादेश की प्रतिध्वनि आने वाले वर्षों तक सुनाई देगी।

धान की तैयारी के दौरान लगी आग

हसनगंज /कटिहार। प्रखंड के जगरनाथपुर पंचायत स्थित मोहम्मदिया गांव में धान की तैयारी के दौरान अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पुआल के ढेर और रखे गए धान को अपनी चपेट में ले लिया। वही आग को देख अफरा-तफरी का माहौल बन गया। किसान रामानंद साह ने बताया कि उन्होंने अपने लगभग एक बीघा खेत का धान लाकर रखा था। जिसमें से अधिकांश सामग्री आग में जलकर नष्ट हो गई। उन्होंने कहा कि थोड़ी मात्रा में धान बचाया जा सका। लेकिन लगभग पूरा पुआल और तैयार की जा रही फसल राख हो गई।ग्रामीणों ने जैसे ही आग की लपटें देखीं। सामूहिक प्रयास से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

सिवाना गांव में गूंजा अखंड हरिनाम, भक्ति में डूबा पूरा क्षेत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी /कटिहार। नगर पंचायत बरारी अंतर्गत सिवाना गांव इन दिनों पूर्णतःआध्यात्मिक वातावरण में डूबा हुआ है। गांव में शुक्रवार से आरंभ हुए तीन दिवसीय श्रीश्री 108 अखंड हरिनाम संकीर्तन ने पूरे क्षेत्र में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनूठा संचार कर दिया है।

आयोजन स्थल को वैदिक विधियों के अनुसार शुद्ध किया गया, जिसके उपरांत विधिवत पूजा-अर्चना और मंत्रोच्चार के बीच अष्टजाम का शुभारंभ हुआ। गांव में यह दिव्य परंपरा लगातार 43 वर्षों से जारी है और हर वर्ष की भांति इस बार भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही हैं।हरिनाम संकीर्तन में बिहार और पश्चिम बंगाल से आई कई सुप्रसिद्ध कीर्तन मंडलियों ने भाग लिया। इन मंडलियों ने हरिनाम के साथ रामलीला और रासलीला की मोहक प्रस्तुतियां दीं, जिससे स्थल का वातावरण और अधिक भक्ति रस में रंग गया। कटिहार, पूर्णिया, भागलपुर, कुसेर्ला के कोशिकीपुर, नवगछिया के भीटा बस्ती, फलका के सोहरा, सुजापुर के चिकनी और भंडारतल से आई मंडलियों ने धार्मिक गीतों, मृदंग-झांझ के सुर और मनमोहक नृत्य से हर दर्शक को मंत्रमुग्ध कर दिया। गौरतलब हो कि 72 घंटे तक निरंतर चलने वाले इस अष्टजाम में राधाकृष्ण की अलौकिक प्रतिमा के सामने होने वाली रासलीला विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। श्रद्धालुओं ने कहा कि इस आयोजन से गांव में शांति, सौहार्द और समृद्धि आती है। आसपास के गांवों से महिला-पुरुष, बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक बड़ी संख्या में पहुंचकर भक्ति में सराबोर हो रहे हैं।कार्यक्रम का शुभारंभ गांव के पांच प्रसिद्ध पंडित पारसमणि तिवारी, शिवनाथ तिवारी, राजेश तिवारी, संजीव तिवारी और सोनू तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया। अष्टजाम की पूर्णाहुति भी यही पंडित संपन्न कराएंगे। पूरे आयोजन के दौरान मंत्रों की ध्वनि, ऊँचे स्वर में गूंजता हरिनाम और विभिन्न मंडलियों की भजन-कीर्तन प्रस्तुति पूरे वातावरण को दिव्यता से जोड़ रही है।इस संबंध में आयोजनकर्ता समाजसेवी भोला चौहान ने बताया कि गांव में 43 वर्षों से जारी यह धार्मिक अनुष्ठान लोगों के विश्वास और आस्था की पहचान है। उन्होंने कहा कि इससे गांव में सामाजिक एकता मजबूत हुई है और लोगों के बीच भाईचारा बढ़ा है।

जयमाला शिक्षा निकेतन में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

कटिहार/नवबिहार टाइम्स संवाददाता।। जयमाला शिक्षा निकेतन में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के निदेशक डॉ. एस. के. सुमन ने दीप प्रज्वलित कर की।इस अवसर पर विद्यालय के नन्हे-मुन्ने वर्ग वन, 'टू, थ्री , फोर , फाइव ,सिक्स के बच्चों ने मनमोहक नृत्य, गीत, नाटक और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित दर्शकों का दिल जीत लिया। वही सेवन और एआईट के बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में अपने प्रतिभा और ऊर्जा से पूरा परिसर उत्साह से भर उठा।

वर्ल्ड डायबिटीज डे : पूर्णिया में जागरूकता शिविर सम्पन्न

'मधुमेह से बचना है तो जीवनशैली बदलनी ही होगी'– विशेषज्ञों की स्पष्ट चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर शुक्रवार को पूर्णिया का मोदी डायबिटिक एंड रिसर्च सेंटर चिकित्सकीय जागरूकता का केंद्र बना रहा। एपीआई, सीसीडीएसआई, आईएमए तथा रिसर्च सोसायटी ऑफ स्टडीज ऑफ डायबिटीज (RSSDI) की बिहार शाखा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस विशेष शिविर में टाइप-1 तथा यंग टाइप-2 डायबिटिक मरीजों को रोकथाम, देखभाल और जीवनशैली में बदलाव के महत्व पर विस्तार से जागरूक किया गया। शिविर में टाइप वन स्माइल फाउंडेशन से जुड़ी आकांक्षा, जो स्वयं टाइप-1 डायबिटीज की मरीज हैं, ने भी भाग लेकर उपस्थित बच्चों, युवाओं और महिलाओं को प्रेरित किया। शिविर में रोगियों की चिकित्सा जाँच की गई और उन्हें ग्लूकोमीटर, टी-शर्ट, टोपी और फल प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एपीआई के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. देवी राम, एपीआई बिहार चैप्टर के इलेक्ट चेयरमैन डॉ. आर. के. मोदी, एपीआई पूर्णिया चेयरमैन डॉ. अजय कुमार, डॉ. एस. पी. सिंह, आईएमए अध्यक्ष डॉ. आलोक कुमार और सचिव डॉ. प्रिन्स पंकज उपस्थित थे।

'मोटापा है डायबिटीज का असली खतरा' : डॉ. आर. के. मोदी

डॉ. आर. के. मोदी ने कहा कि देश में डायबिटीज तेजी से पाँव पसार रहा है। 'टाइप-1 डायबिटीज बच्चों में होता है और उन्हें जीवन भर इंसुलिन की आवश्यकता रहती है। जबकि टाइप-2 डायबिटीज का प्रमुख कारण मोटापा और इंसुलिन प्रतिरोध है। पहले यह बीमारी 40-50 वर्ष की उम्र में दिखती थी, लेकिन अब 30-40 वर्ष के युवा भी इससे प्रभावित हो रहे हैं। 'उन्होंने आगे कहा कि गैर-संचारी रोगों का बीज बचपन में ही पड़ जाता है, इसलिए एपीआई बच्चों के बीच 'स्कूल की ओर' अभियान चला कर उन्हें जागरूक कर रहा है।

'हर दिन पैदल चलें, तला-भुना त्यागें': डॉ. देवी राम

डॉ. देवी राम ने जिंदगी में अनुशासन को अनिवार्य बताते हुए कहा कि 'अगर हम अपनी आदतों में बदलाव लाएँ— तला-भुना भोजन छोड़ें, कैलोरी सेवन पर निगरानी रखें और भाप में पकाए कम-कैलोरी वाले भोजन को अपनाएँ— तो मधुमेह पर नियंत्रण आसान होगा।'

'नियमित व्यायाम ही असली बचाव'– डॉ. अजय कुमार

एपीआई पूर्णिया अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार ने कहा कि रेसिस्टेंस एक्सरसाइज, संतुलित प्रोटीन डाइट और नियमित व्यायाम से सारकोपेनिया (मांसपेशी क्षरण) को रोका जा सकता है। उन्होंने तनाव प्रबंधन पर जोर देते हुए ध्यान, बागवानी और शांत गतिविधियों को लाभकारी बताया।

'डायबिटीज को नजरअंदाज किया तो अंगों को बड़ा खतरा' : डॉ. एस. पी. सिंह

पूर्व चेयरमैन डॉ. एस. पी. सिंह ने मरीजों को चेताया कि 'अनियंत्रित डायबिटीज भविष्य में किडनी, हार्ट, स्ट्रोक, तंत्रिका तंत्र और आँखों के रेटिना को गंभीर नुकसान पहुँचा सकता है। शुरूआती वर्षों में कंट्रोल बनाए रखना ही बड़ा बचाव है।'

'आँखें और पैर सबसे अधिक संवेदनशील'– आईएमए पूर्णिया

आईएमए अध्यक्ष डॉ. आलोक कुमार और सचिव (ईएनटी) डॉ. आलोक कुमार ने कहा कि 'अनियंत्रित मधुमेह का सबसे पहला असर आँखों पर पड़ता है। रेटिना खराब होने का खतरा बढ़ जाता है। मरीज कभी भी नंगे पैर न चलें और हीटर या आग के पास पैर न सेंकें।' उन्होंने गर्भावस्था के समय डायबिटीज के नियंत्रण को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

डायबिटीज : खतरा कब बढ़ता है?

टाइप-1: पूरी तरह जेनेटिक, टाइप-2: लाइफस्टाइल + एनवायरनमेंट + जेनेटिक यदि शुरूआती 5-10 साल बीमारी कंट्रोल में न रहे, तो आगे ऑर्गन डैमेज का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है। जिन लोगों ने 20 साल तक डायबिटीज झेली और शुरूआती वर्षों में नियंत्रण रखा, उनमें खतरा कम पाया गया।

खुद को कैसे बचाएँ? विशेषज्ञों का सरल सूत्र

35-40 वर्ष की उम्र में अनिवार्य रूप से वार्षिक बॉडी चेकअप, बीएमआई 23 से ऊपर होने पर तुरंत व्यायाम शुरू करें, प्रतिदिन कम से कम 1 घंटे तेज चाल, योग, ध्यान और तनाव नियंत्रण, आहार में तला-भुना कम, प्राकृतिक भोजन अधिक इस मौके पर दवा प्रतिनिधि रवि कुमार भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

बालिका शिक्षा के उत्सव का रंग-कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में बाल दिवस पर विशेष कार्यक्रम

नेहरू जयंती पर छात्राओं ने प्रस्तुत किए विचार, नृत्य और बाल अधिकारों पर जागरूकता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धमदाहा/पूर्णिया। पंडित जवाहर लाल नेहरू की जयंती के अवसर पर मंगलवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, टाइम-1 में बाल दिवस अलग ही उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत वार्डेन विभा कुमारी की अगुवाई में छात्राओं द्वारा दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण से हुई, जिसके बाद चाचा नेहरू के जीवन-दर्शन और बाल हितों पर विस्तृत चर्चा की गई।

विद्यालय की छात्राओं ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के व्यक्तित्व पर अपनी बातें रखते हुए बताया कि आधुनिक भारत की नींव मजबूत करने में उनका योगदान कितना महत्वपूर्ण रहा। बाल अधिकारों को लेकर

उनके विचार आज भी बच्चों की शिक्षा और उनके विकास का मार्ग प्रशस्त करते हैं। कार्यक्रम में संथाली नृत्य की प्रस्तुति ने उत्सव को सांस्कृतिक रंग दिया, वहीं निबंध प्रतियोगिता में छात्राओं ने बाल अधिकार, शिक्षा की अनिवार्यता और बाल दिवस के उद्देश्य पर सार्थक विचार प्रस्तुत किए। विद्यालय परिसर पूरे दिन बाल सृजनात्मक ऊर्जा से सराबोर रहा। इस मौके पर वार्डेन विभा कुमारी ने कहा कि 'बाल दिवस केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बच्चों की चिंताओं, जरूरतों और उनके भविष्य को प्राथमिकता देने की याद दिलाता है। कस्तूरबा विद्यालय बच्चियों को सुरक्षित, सशक्त और शिक्षा-केंद्रित वातावरण देने के लिए प्रतिबद्ध है।'कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी छात्राओं को उत्साहवर्धन किया गया और बाल अधिकारों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

दिल्ली, मुंबई में दुबई के रेट..

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत में खुदरा महंगाई दर ऐतिहासिक रूप से सबसे कम हो गई है। लेकिन, दिल्ली, मुंबई और गुरुग्राम जैसे बड़े शहरों में रहने वाले आम भारतीयों, खासकर मध्यम वर्ग के लोगों को यह बिल्कुल भी महसूस नहीं हो रही है। चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) और निवेश बैंकर सार्थक आहूजा ने लिंक्डइन पर एक पोस्ट में इस मुद्दे को उठाया है। उन्होंने बताया कि कैसे भारत के आधिकारिक महंगाई के आंकड़े (सीपीआई नंबर) शहरी मध्यम वर्ग के परिवारों की असली आर्थिक परेशानियों को छुपा रहे हैं। उनके विदेशी दोस्त, जो सैन फ्रांसिस्को, हांगकांग, दुबई और स्विट्जरलैंड जैसे शहरों से आए थे, उन्होंने कहा कि गुरुग्राम में रहने का खर्च उनके शहरों के बराबर ही हो गया है। उन्होंने लिखा, जब भी वे भारत आते हैं तो बाहर खाना खाने, खाना ऑर्डर करने, सैलून जाने और ऐसी ही दूसरी जगहों पर उनका उतना ही खर्च होता है जितना उनके अपने शहरों में होता है। पहले तो आहूजा को इस पर यकीन नहीं हुआ। लेकिन, जब उन्होंने खुद आंकड़ों की जांच की तो उन्हें इस विरोधाभास का कारण समझ आया। रकॉर्ड नचिले स्तर पर खुदरा महंगाई सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर सिर्फ 0.25 प्रतिशत रही, जो रिकॉर्ड निचला स्तर है। यह गिरावट मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतों में भारी कमी और रोजमर्रा की जरूरी चीजों पर टैक्स में कटौती के कारण आई है। यह आंकड़ा बाजार के अनुमानों से काफी कम था। 2015 में

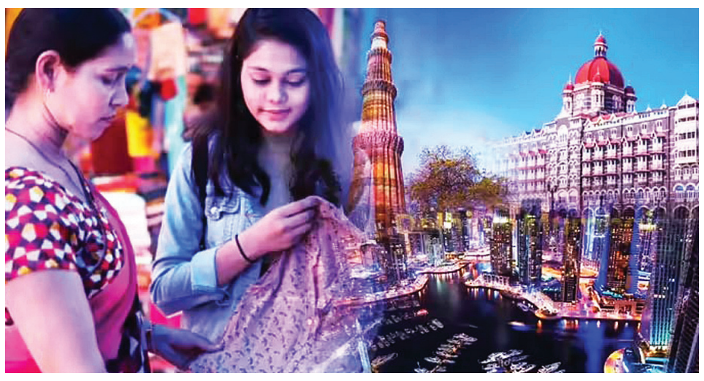

वर्तमान सीपीआई स्ट्रक्चर (जो 2012 की कीमतों पर आधारित है) के लागू होने के बाद से सबसे कमजोर महंगाई दर है। खाद्य महंगाई लगातार पांचवें महीने गिरी है, जो पिछले साल की तुलना में 5 प्रतिशत कम रही। अन्य क्षेत्रों में भी महंगाई कम हुई है। पर्सनल केयर उत्पादों की कीमतों में सितंबर की तुलना में 1.9 प्रतिशत की गिरावट आई। आई, जबकि कपड़े, जूते और मनोरंजन श्रेणियों में 0.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। स्वास्थ्य सेवाओं के खर्च में भी 0.1 प्रतिशत की मामूली कमी आई। यह बड़ी गिरावट सितंबर के अंत में सरकार की ओर से जीएसटी कम करने के फैसले के बाद आई है। इसमें बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं, जैसे डेयरी उत्पाद और पर्सनल केयर उत्पादों पर टैक्स घटाया गया। सरकार का यह कदम घरेलू मांग को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया था। खासकर तब जब अमेरिका की ओर से कई आयातित वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का भारी टैक्स लगाने के बाद वैश्विक व्यापार में चिंताएं बढ़ गई थीं। आहूजा ने कहा, यह शहरी भारतीय मध्यम वर्ग का अनुभव नहीं है। मेट्रो शहरों में रहने वाले, जो क्वकि-कॉमर्स ऐप से किराने का सामान खरीदते हैं और बच्चों को निजी स्कूलों में भेजते हैं, वे कहीं ज्यादा महंगाई महसूस करते हैं। यह अंतर अप्रवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए चौंकाने वाला है। वे भारतीय मेन्यू की कीमतों और सेवा लागतों को देखकर हैरान हैं। ये अब दुनिया के बड़े शहरों के बराबर हो गई हैं। आहूजा ने इस विडंबना पर भी जोर दिया, अगर आप आज गुरुग्राम या मुंबई में रहते हैं तो आप ऐसे शहर में रहते हैं जहां रहने का खर्च अंतरराष्ट्रीय स्तर का है। लेकिन, बुनियादी ढांचा और हवा सांस लेने लायक नहीं है। एक्सपर्ट ने दावा किया कि 70 लाख रुपये की वार्षिक आय होने के बावजूद कई शहरी भारतीय अभी भी मध्यम वर्ग महसूस करते हैं और उसी तरह जीते हैं, जब आवास, स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और जीवनशैली की लागतों को ध्यान में रखा जाता है।

शहरी मध्यम वर्ग का अनुभव अलग क्यों

सार्थक आहूजा के अनुसार, अक्टूबर 2025 के लिए भारत की सीपीआई महंगाई दर सिर्फ 0.25 प्रतिशत है, जो शायद अब तक की सबसे कम दर है। लेकिन, आहूजा का तर्क है कि यह आंकड़ा भारत की जनसंख्या की संरचना से बहुत प्रभावित है। देश की 55 प्रतिशत से अधिक आबादी यानी करीब 79 करोड़ लोग, सरकार से 2–3 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से सब्सिडी वाला अनाज प्राप्त करते हैं, जो सरकारी लागत से काफी कम है। इसके अलावा, 56 प्रतिशत छात्र मुफ्त सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं और 86 प्रतिशत भारतीय अपने खुद के घरों में रहते हैं, जिससे वे किराए से जुड़ी महंगाई से बचे रहते हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं की महंगाई ने भी तोड़ी है कमर

इन सबके अलावा, आहूजा का अनुमान है कि निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की महंगाई आसानी से 10 प्रतिशत से ऊपर है। उनका कहना है कि इन सब को मिलाकर मेट्रो शहरों के निवासियों की ओर से अनुभव की जाने वाली वास्तविक महंगाई 10–15 प्रतिशत है जो आधिकारिक आंकड़ों से बहुत अलग है।

रवींद्रन ने एनसीएलटी में दी शिकायत, गलत तरीके से फंड जुटाने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। बायजूस की मूल कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (टीएलपीएल) में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। निलंबित निदेशक बायजू रविन्द्रन ने एनसीएलटी का दरवाजा खटखटाते हुए आरोप लगाया है कि प्रमुख कर्जदाता जीएलएएस ट्रस्ट कंपनी विदेशी निवेश (एफडीआई) के नाम पर अवैध विदेशी कर्ज (ईसीबी) दिलाने की कोशिश कर रही है। उनका दावा है कि टीएलपीएल की आकाश राइट्स इश्यू में भागीदारी के लिए बनाया गया 100 करोड़ का सीसीडी समझौता एफईएमए और आईबीसी नियमों का खुला उल्लंघन है। मामले में बायजू रवींद्रन ने का कहना है कि यह सीसीडी सौदा भारतीय एफडीआई और एफईएमए नियमों का उल्लंघन करता है और असल में इसे विदेशी कर्ज (ईसीबी) जैसा बनाया गया है, जो पूरी तरह से प्रतिबंधित है। बता दें कि पूरे मामले में एईएसएल (आकाश) को सुप्रीम कोर्ट से राइट इश्यू की मंजूरी मिल गई है। वहीं टीएलपीएल, जिसके पास एईएसएल की लगभग 25.7 प्रतिशत हिस्सेदारी है, को अपने हिस्से का राइट इश्यू भरने के लिए करीब 25.75 करोड़ चाहिए थे, लेकिन टीएलपीएल दिवालिया प्रक्रिया (सीआईआरपी) में है और उसके पास पैसे नहीं हैं। इसी वजह से जीएलएएस ट्रस्ट ने अपनी अमेरिकी सहायक कंपनी के जरिये टीएलपीएलृ को 100 करोड़ तक के सीसीडी जारी करने का प्रस्ताव दिया, ताकि पैसा जुटाया जा सके। अब समझिए रवींद्रन ने क्यों कहा सौदा अवैध बात अगर आरोपों की करें तो रवींद्रन का आरोप है कि सीसीडी को जानबूझकर एफडीआई जैसा दिखाया गया है, जबकि वह विदेशी कर्ज (ईसीबी) जैसा है, जो कि गैर कानूनी है। साथ ही एक ही समय में इसे सीआईआरपी के दौरान इंटरिम फाइनेंस भी बताया जा रहा है, जो संभव नहीं है। गौरतलब है कि रवींद्रन के अनुसार एक साधन मजबूरी से कन्वर्ट भी हो और विकल्प से भी यह कानूनी रूप से असंभव है। वहीं आरबीआई और एफईएमए के नियमों के मुताबिक यह सीसीडी असल में अनधिकृत विदेशी कर्ज है। रवींद्रन ने एनसीएलटी से आग्रह किया है कि पांच नवंबर की सीओसी मीटिंग में पास हुए सभी सात प्रस्ताव रद्द किए जाएं।

भारत अक्टूबर में रूस से कच्चा तेल खरीदने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश बना

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस–यूक्रेन युद्ध के बीच भारत अक्टूबर में रूसी कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा आयातक बनकर उभरा है। चीन के बाद भारत ने 2.5 अरब डॉलर का कच्चा तेल खरीदा। वहीं, चीन ने 3.7 अरब डॉलर का आयात किया। कुल मिलाकर भारत का रूस से जीवाश्म ईंधन का आयात 3.1 अरब डॉलर रहा। यह चीन के 5.8 अरब डॉलर से कम है। पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद भारत और चीन रूसी तेल खरीद रहे हैं। वे मानते हैं कभारत और चीन ऐसा करके रूस की युद्ध मशीनरी को चला रहे हैं। यह जानकारी हेलसिंकी स्थित सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की रिपोर्ट से सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, तुर्की 2.7 अरब डॉलर के आयात के साथ तीसरे स्थान पर रहा। जबकि यूरोपीय संघ (ईयू) 1.1 अरब डॉलर के साथ खसिककर चौथे स्थान पर आ गया। पश्चिमी देश भारत और चीन पर रूसी तेल की खरीद कम करने का दबाव बना रहे हैं। उनका तर्क है कि यह खरीद रूस को यूक्रेन में अपने युद्ध को जारी रखने के लिए पैसा दे रही है। पिछले महीने अमेरिका ने रूस के दो बड़े तेल निर्यातकों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए थे। इन प्रतिबंधों का असर भारत और चीन के दिसंबर के आयात आंकड़ों में देखने को मिल सकता है। चीन रूसी कोयले का सबसे बड़ा खरीदार बना हुआ है, जो भारत और तुर्की से आगे है। अक्टूबर में भारत ने 35.1 करोड़ डॉलर का रूसी कोयला और 22.2 करोड़ डॉलर के तेल उत्पाद खरीदे। तुर्की रूसी तेल उत्पादों का सबसे बड़ा खरीदार रहा। इसका आयात 95.7 करोड़ डॉलर था।

एयरपोर्ट की तरह अब रेलवे स्टेशनों पर दिखेंगे मशहूर फूड चेन

ई-ऑक्शन से मिलेंगे स्टॉल, स्टेशनों पर कई तरह के स्टॉल

नई दिल्ली, एजेंसी।
आप जब एयरपोर्ट जाते होंगे तो आपको वहां केएफसी, मैकडॉनल्ड्स, बास्किन रॉबिन्स, पिज्जा हट, हल्दीराम और बीकानेरवाला जैसे मशहूर फूड ब्रांड्स के आउटलेट दिखते होंगे। आप सोचते होंगे कि ऐसे मशहूर फूड चेन रेलवे स्टेशनों पर क्यों नहीं दिखते अब आपको बड़े रेलवे स्टेशनों पर इनके आउटलेट्स भी दिखेंगे। जी हां एक रिपोर्ट के मुताबिक रेलवे ने अपनी कैटरिंग पॉलिसी में बदलाव कर दिया है। इससे अब स्टेशनों पर बड़े और प्रीमियम ब्रांड्स को अपनी दुकानें खोलने का रास्ता साफ हो गया है।

क्यों जरूरी था यह: देश में अब नया मध्यम वर्ग तैयार हो गया है। वह रेलवे स्टेशन और रेलगाड़ी में भी एयरपोर्ट की तरह साफ-सुथरी और बेहतर सुविधाएं चाहते हैं। चाहे इसके लिए थोड़ी ज्यादा कीमत क्यों नहीं चुकानी पड़े। इसी को देखते हुए रेलवे के साउथ सेंट्रल रेलवे ज़ोन की तरफ से रेलवे बोर्ड के पास एक प्रस्ताव आया था। इसी के बाद उच्च स्तर पर बात हुई और रेलवे की कैटरिंग पॉलिसी में बदलाव हुआ।

सिंगल ब्रांड कंपनी आउटलेट भी खुलेंगे= रेलवे की नई गाइडलाइन्स के मुताबिक, जोनल रेलवे उन जगहों पर सिंगल-ब्रांड और कंपनी के अपने आउटलेट या फ्रेंचाइजी आउटलेट खोलने की इजाज़त देंगे जहां इनकी मांग होगी और ज़रूरत होगी। इन दुकानों को स्टेशन के प्लान या ब्लूप्रिंट में शामिल किया जाएगा। इससे स्टेशनों पर पहले से मौजूद स्टॉलों के लिए आरक्षण नीति में कोई बदलाव नहीं होगा। अभी जो आरक्षण नीति है।

फूड चेन के लिए आसानी से मिलेगी जगह

मशहूर ब्रांड के किसी आउटलेट में आप जाएं तो पाएंगे कि वे सामान्य फूड स्टॉल के मुकाबले थोड़े बड़े होते हैं। जबकि भारत के बड़े स्टेशनों का निर्माण हुए करीब 100 साल तो हो ही चुके हैं। ऐसे में रेलवे स्टेशनों या प्लेटफार्म पर इन फूड चेन्स के लिए पर्याप्त जगह मिल पाएगी इस सवाल पर रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब रेलवे देश भर में 1,200 से ज़्यादा स्टेशनों का कायाकल्प कर रही है।

भारत-वेनेजुएला महत्वपूर्ण खनिजों के लिए करेंगे सहयोग

● आंध्र में लॉजिस्टिक्स डिजिटलीकरण के लिए समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी।
वेनेजुएला ने भारत के साथ महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए इच्छा जताई है। वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और वेनेजुएला के पारिस्थितिकी खनन विकास मंत्री हेक्टर सिल्वा के बीच हुई बैठक में इस पर चर्चा की गई। ने भारत के साथ तेल क्षेत्र से परे आर्थिक सहयोग बढ़ाने में रुचि व्यक्त की। इसमें महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग और भारतीय निवेश आकर्षित करना शामिल है। भारत-वेनेजुएला संयुक्त समिति तंत्र को दोबारा सक्रिया करने पर जोर गोयल ने भारत-वेनेजुएला संयुक्त समिति तंत्र को दोबारा सक्रिय करने की जरूरत पर बल दिया, जिसकी अंतिम बैठक एक दशक पहले हुई थी। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला में ओएनजीसी के चल रहे परिचालन से खनन और अन्वेषण में गहन सहयोग की संभावना है। उन्होंने सुझाव दिया कि वेनेजुएला दवा व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए भारतीय फार्माकोपिया को स्वीकार करने पर विचार कर सकता है और ऑटोमोबाइल क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर प्रकाश डाला। एक अलग बयान में, मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम लिमिटेड, लॉजिस्टिक्स डेटा सर्विसेज लिमिटेड और आंध्र प्रदेश सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म का उपयोग करके राज्य के लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को पूरी तरह डिजिटल रूप देना है।

पैसा छापने की मशीन...5 साल में 1,350 प्रतिशत रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। लहर फुटवियर्स के शेयरों में पिछले कुछ सालों में जोरदार तेजी देखने को मिली है। कंपनी के सितंबर तिमाही के नतीजों के बाद से निवेशकों का इस स्टॉक पर फोकस है। कंपनी ने दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया है। इसमें उसका राजस्व पिछले साल की समान अवधि के 37.6 करोड़ रुपये से बढ़कर 140.5 करोड़ रुपये हो गया है। यह 273 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी है। ऑपरेटिंग प्रॉफिट भी 4.5 करोड़ रुपये से बढ़कर 12.6 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हालांकि, ऑपरेटिंग मार्जिन थोड़ा घटकर 9 प्रतिशत रह गया, जो पिछले साल 11.9 प्रतिशत था। शुक्रवार को यह शेयर 243.80 रुपये पर बंद हुआ था। कंपनी की फाइनेंस कॉस्ट में कमी आई है, जो 1.6 करोड़ रुपये से घटकर 1.2 करोड़ रुपये हो गई है। डेप्रिसिएशन में मामूली बढ़ोतरी हुई है, जो 1.4 करोड़ रुपये रहा। प्रॉफिट बिफोर टैक्स (पीबीटी) 1.7 करोड़ रुपये से बढ़कर 10.1 करोड़ रुपये हो गया है। इसके चलते नेट प्रॉफिट (पीएटी) 1.3 करोड़ रुपये से 461 प्रतिशत बढ़कर 7.3 करोड़ रुपये हो गया है। अगर पहली छमाही के प्रदर्शन को देखें तो कंपनी का राजस्व 100.8 करोड़ रुपये से बढ़कर 282.7 करोड़ रुपये हो गया है। ऑपरेटिंग प्रॉफिट 25.3 करोड़ रुपये और पीबीटी 19.8 करोड़ रुपये रहा, जिससे नेट प्रॉफिट (पीएटी) 14.6 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। यह कंपनी के प्रदर्शन में मजबूत रफ्तार को दर्शाता है। जीएसटी में बदलाव से पहले कुछ समय के लिए मांग में थोड़ी कमी आई थी। लोग खरीदारी टाल रहे थे। लेकिन, जीएसटी दरें कम होने के बाद त्योहारी सीजन में मांग में अच्छी खासी बढ़ोतरी हुई। पिछले दो सालों से मांग थोड़ी सुस्त थी। लेकिन, अब इसमें फिर से जान आ गई है। कंपनी को उम्मीद है कि आने वाली तिमाहियों में भी यह मांग बनी रहेगी। लहर फुटवियर्स की मास (आम जनता) और मिड-मार्केट (मध्यम वर्ग) सेगमेंट में मजबूत पकड़ है। कंपनी के

पास कई तरह के उत्पाद हैं। इन सब वजहों से कंपनी का मानना है कि वह मांग में आने वाली इस तेजी का फायदा उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। कंपनी ने हाल ही में रणर ब्रांड के तहत अपने नए स्पोर्ट्स फुटवियर की बिक्री भी शुरू की है। इस नए प्रोडक्ट को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसके लिए काफी ऑर्डर आए हैं। हाल के महीनों में कंपनी के शेयर में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया है। इससे पहले शेयर ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया था। अक्टूबर 2020 से जनवरी 2025 के बीच स्टॉक में एक बड़ी तेजी आई, जिसने 1,428 प्रतिशत का शानदार मुनाफा दिया। हालांकि, हाल के महीनों में मुनाफावसूली के कारण शेयर में कुछ गिरावट आई है। फिर भी पिछले पांच सालों में इसने लगभग 1,350 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इस तेजी के बीच मई में शेयर 300 रुपये के पार चला गया था और 322.20 रुपये के अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। दूसरे शब्दों में समझें तो अगर कोई निवेशक 5 साल पहले इसमें सिर्फ 10,000 रुपये का निवेश करता तो 1,350 प्रतिशत रिटर्न के बाद उसका मूल्य 1,45,000 रुपये होता।

दवा बेचते-बेचते पता चली असली कमाई वाली बात... नौकरी छोड़ शुरू किया काम

नई दिल्ली, एजेंसी।
कानपुर देहात के शिवराज निषाद ने सूखे फूलों (ड्राई फ्लावर) के व्यवसाय में अलग पहचान बनाई है। फार्मा कंपनी में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव की जमी-जमाई नौकरी छोड़कर उन्होंने इस कारोबार में कदम रखा। उन्होंने कानपुर में फूलों की खेती को सफल ड्राई फ्लावर बिजनेस में बदल दिया है। वह एम.फार्मा हैं। उन्होंने हेल्थ और वेलनेस इंडस्ट्री में बढ़ते रुझान को सही समय पहचाना। शिवराज ने महसूस किया कि काफी लोग दवाओं के बजाय इम्यूनिटी-बूस्टिंग फ्लावर टी की ओर रुख कर रहे थे। उन्होंने यह भी पाया कि स्थानीय बाजारों में फूलों की कम मांग के कारण किसानों को भारी नुकसान होता है। इस समस्या को हल करने और किसानों को स्थिर आय देने के उद्देश्य से उन्होंने 2021 में ईश्वर फ्लावर्स एंड हर्ब्स की नींव रखकर सूखे फूलों का कारोबार शुरू किया। इसका सालाना टर्नओवर आज 1.5 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। आइए, यहां शविराज नषािद की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

शिवराज निषाद ने कानपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड फार्मेसी से एम.फार्मा की डिग्री पूरी की। जुलाई 2017 में उन्होंने एक फार्मा कंपनी में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के रूप में नौकरी शुरू की। नौकरी के दौरान उन्होंने देखा कि लोग तेजी से इम्यूनिटी बनाने और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए गोलियों के बजाय फ्लावर टी जैसे हर्बल विकल्पों को अपना रहे थे। उन्हें याद आया कि उनके परिवार की शेखपुर, कानपुर देहात में गुलाब, गेंदा और चमेली की फूलों की खेती थी। चार साल बाद उन्होंने महसूस किया कि बाजार में ताजा फूलों की मांग अस्थिर थी। इसका मूल्य 10 रुपये से 100 रुपये प्रति

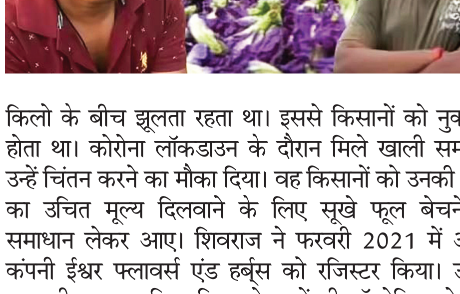

किलो के बीच झूलता रहता था। इससे किसानों को नुकसान होता था। कोरोना लॉकडाउन के दौरान मिले खाली समय ने उन्हें चिंतन करने का मौका दिया। वह किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलवाने के लिए सूखे फूल बेचने का समाधान लेकर आए। शिवराज ने फरवरी 2021 में अपनी कंपनी ईश्वर फ्लावर्स एंड हर्ब्स को रजिस्टर किया। उन्होंने जल्द ही यह जान लिया कि सूखे फूलों की कॉस्मेटिक, वेलनेस और फार्मास्युटिकल कंपनियों में बहुत बड़ी मांग है। ये उत्पाद इम्यूनिटी-बूस्टिंग और तनाव-मुक्त करने वाले गुणों के कारण विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो रहे थे।

बैंक एफडी पर भारी पोस्ट ऑफिस की योजनाएं, मिल रहा ज्यादा ब्याज

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कई बार कमी की है। इस कारण कई बैंकों ने अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) योजनाओं पर ब्याज दरें कम कर दी हैं। इस वजह से नए एफडी निवेशक अब कम ब्याज दरों पर ही निवेश कर रहे हैं। ऐसे समय में जब एफडी की ब्याज दरें गिर रही हैं, कई पोस्ट ऑफिस की छोटी बचत योजनाएं कई बड़े बैंकों की एफडी दरों से ज्यादा ब्याज दे रही हैं। ज्यादातर बड़े बैंकों में एफडी की ब्याज दरें 6 प्रतिशत से 7 प्रतिशत के बीच हैं। वहीं पोस्ट ऑफिस की कई ऐसी स्कीम हैं जो 7 प्रतिशत से ज्यादा ब्याज दे रही हैं। इनमें से कई योजनाओं में तो पुराने टैक्स रिजीम के तहत जमा राशि पर इनकम टैक्स में छूट भी मिलती है।

इन स्कीम पर मिल रहा ज्यादा ब्याज पोस्ट ऑफिस की छोटी बचत योजनाएं कई बड़े बैंकों की फिक्स्ड

डिपॉजिट योजनाओं से बेहतर रिटर्न दे रही हैं। पोस्ट ऑफिस की योजनाओं की ब्याज दरें सरकार हर तिमाही में बदलती है। अभी की ब्याज दर 31 दिसंबर तक है। पोस्ट ऑफिस इन स्कीम पर 7 प्रतिशत या उससे ज्यादा ब्याज मिल रहा है- अगर आप 2 साल के लिए पैसा जमा करना चाहते हैं तो आपको 7 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलेगा। यानी 10,000 रुपये पर हर तीन महीने में 719 रुपये ब्याज के तौर पर मिलेंगे। 3 साल की जमा पर 7.1 प्रतिशत सालाना ब्याज दर है। इसमें 10,000 रुपये पर हर तीन महीने में 729 रुपये मिलेंगे। 5 साल की जमा पर 7.5 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलेगा। 10,000 रुपये पर हर तीन महीने में 771 रुपये ब्याज के रूप में मिलेंगे। वरिष्ठ नागरिकों के लिए सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम है, जिस पर 8.2 प्रतिशत ब्याज मिलता है। 10,000 रुपये पर हर तीन महीने में 205 रुपये ब्याज के रूप में मिलेंगे और यह तिमाही भुगतान किया जाएगा।

अगर आप हर महीने कुछ आमदनी चाहते हैं, तो मंथली इनकम अकाउंट एक अच्छा विकल्प है। इस पर 7.4 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलता है। 10,000 रुपये पर हर महीने 62 रुपये मिलेंगे और यह हर महीने भुगतान किया जाएगा।

अरशद वारसी ने की आर्यन खान के निर्देशन की तारीफ

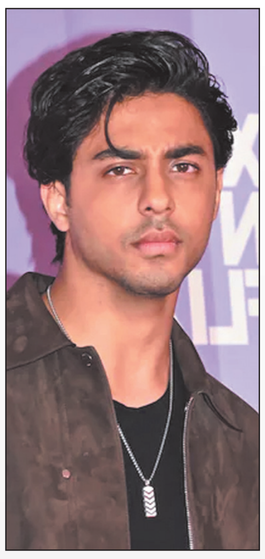

अरशद वारसी हाल ही में आर्यन खान की वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड में नजर आए। इसमें उन्होंने गफूर का किरदार निभाया। एक इंटरव्यू में अरशद ने कहा कि इस भूमिका की सफलता का पूरा श्रेय आर्यन खान को जाता है। बातचीत में अरशद ने कहा, आर्यन खान, जो इस सीरीज के निर्देशक हैं बहुत ही खास व्यक्ति हैं। वे उन निर्देशकों में से हैं जिनके दिमाग में हमेशा एक फिल्म चलती रहती है। मैंने सीरीज में छोटा सा रोल इसलिए किया क्योंकि मुझे आर्यन और शाहरुख पसंद हैं, लेकिन इसका असर बहुत बड़ा हुआ। उनके साथ काम करते हुए मुझे यह एहसास हुआ कि आर्यन उन निर्देशकों में से हैं जिनकी बात सुनकर आप सच में उसका पालन करना चाहते हैं। अरशद वारसी ने आगे बताया कि उनके किरदार में जो कुछ भी देखा गया, वह सब आर्यन ने ही लिखा और कल्पना किया था। इस गाने और उनके किरदार गफूर की सफलता पूरी तरह आर्यन के कारण है। उन्होंने यह भी कहा कि यह कहना गलत नहीं होगा कि आर्यन में निर्देशक बनने की सभी खूबियां हैं। बताते चलें कि सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड से आर्यन खान ने डायरेक्टोरियल डेब्यू किया है। सीरीज कई वजहों से विवादों रही। पहला विवाद रणबीर कपूर के बिना डिस्क्लेमर के ई-सिगरेट पीने पर हुआ है। और दूसरा विवाद समीर वानखेड़े की छवि बिगाड़े जाने के आरोपों से है।

मुझे ग्रे किरदार निभाने में मजा आता है

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी इन दिनों ओटीटी पर छाई हुई हैं। पहले 'महारानी 4' और अब 'दिल्ली क्राइम' सीरीज के तीसरे सीजन से वो सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री ने इसमें ग्रे शेड रोल में मुख्य भूमिका निभाई है। अपने किरदार को लेकर अभिनेत्री ने प्रतिक्रिया दी है और कहा कि इन रोल्स को करने के लिए उन्हें सुझाव भी आए थे। पढ़िए उन्होंने क्या कहा।

मुझे बुरे किरदार करने को कहा गया था

अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने दिल्ली क्राइम 3 में अपने किरदार के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'मैंने ग्रे किरदार निभाए हैं, मुझे हल्के-फुल्के ग्रे किरदार निभाने में मजा आता है, लेकिन यह डार्क है, जितना डार्क हो सकता है उतना डार्क और शानदार भी। मेरे कलाकारों ने मुझसे कहा था कि बुरे किरदार करो। इसलिए मैंने इसे प्रशंसा के तौर पर लिया।'

किरदार को वास्तविक बनाने का प्रयास किया

आगे उन्होंने कहा, 'हमने अपने द्वारा चुने गए विकल्पों के बारे में सोचा। चाहे वह हरियाणवी का उपयोग करने की कोशिश हो क्योंकि हम उसे एक बहुत ही वास्तविक व्यक्ति बनाना चाहते थे, न कि केवल एक कार्डबोर्ड जैसा फिल्मी विलेन।'

खुद को सौभाग्यशाली मानती हैं हुमा

आगे बातचीत में हुमा कुरैशी ने बोला, 'मैं सौभाग्य से उन लोगों में से हूं, जिन्हें किसी खास माहौल में रहने, संगीत सुनने या कोई खास परफ्यूम लगाने की जरूरत नहीं होती। मुझे बस शॉट से पहले 10 सेकंड का मौन रखना होता है, और मैं तैयार हो जाती हूं।' फिर एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक प्रक्रिया से कहीं ज्यादा है, सेट पर पहुंचने से बहुत पहले ही मेरा होमवर्क हो जाना चाहिए, यानी स्क्रिप्ट को बार-बार पढ़ना और यह समझना कि मैं क्या कर रही हूं। फिर एक्शन और कट के बीच, खुद को रोकने की कोशिश न करते हुए, उस पल के आगे समर्पण कर देना चाहिए।

दिल्ली क्राइम सीजन 3 के बारे में

इस सीरीज का निर्देशन तनुज चपड़ा द्वारा किया गया है। इसमें हुमा कुरैशी ने मीना के रूप में विलने का किरदार निभाया है, जिन्हें बड़ी दीदी के नाम से भी जाना जाता है। मीना मानव तस्करी नेटवर्क की एक शक्तिशाली हस्ती है। इसमें हुमा कुरैशी के अलावा शेफाली शाह, रसिका दुग्गल और राजेश तैलंग जैसे कलाकार भी नजर आए हैं। यह सीरीज 13 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

सेट पर परफेक्ट शॉट पाने के लिए करनी पड़ती है बहुत मेहनत

मिर्जापुर वेब सीरीज में 'बाऊजी' की बहू बीना त्रिपाठी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस रसिका दुग्गल की एक और दमदार सीरीज 'दिल्ली क्राइम 3' नेटफ्लिक्स पर गुरुवार को स्ट्रीम हो गई। क्राइम और थ्रिलर से भरी इस सीरीज में एक्ट्रेस हुमा कुरैशी भी हैं। इस सीरीज में पुलिस अधिकारी नीतू सिंह का रोल प्ले करने वाली रसिका दुग्गल ने अपने अनुभव को शेयर किया है।

रसिका दुग्गल ने बताया कि 'दिल्ली क्राइम 3' के सेट पर उन्होंने फोकस और तकनीक को लेकर बहुत कुछ सीखा। उन्होंने बताया कि कैसे तकनीकी पहलुओं और रचनात्मकता के बीच संतुलन बनाकर एक शॉट को परफेक्ट बनाया जा सकता है। एक्ट्रेस ने कहा कि 'जब मैं किसी सेट पर जाती हूं तो सोचती हूं, 'काश उनके पास कोई बहुत अच्छा फोकस करने वाला हो, जिससे शॉट्स को बेहतरीन बनाया जा सके।' मैं हमेशा सेट पर इस बारे में पूछती थी। उन्होंने एक किस्सा शेयर करते हुए बताया कि मैंने एक शो किया था और आखिरी सीन में मुझे रोना था। अगर वह सीन नहीं चलता तो बाकी किरदार भी नहीं चलते। ये सीन एक ट्रैक शॉट था जिसमें आधे सेकंड के लिए फोकस चला गया था। मुझे उसका एक और टेक लेने के लिए कहा और उन्होंने उसके लिए एक सेफ्टी टेक लिया, क्योंकि पहले वाले में थोड़ी सी गड़बड़ी थी। दूसरा शॉट इतना परफेक्ट नहीं था, लेकिन फिर भी निर्देशक ने पहला वाला ही रखा। इस बात को लेकर डीओपी निर्देशक से नाराज हो गए। उनका कहना था कि तुमने दर्शकों को मेरे काम की घटिया क्वालिटी दिखाई, लेकिन फिर भी वही सीन लिया गया।' कहने का मतलब है कि फोकस और आपसी सहयोग की वजह से शॉट को बेहतरीन बनाया जा सकता है।

महान फिल्मकार वी. शांताराम की भूमिका निभाएंगे सिद्धांत चतुर्वेदी

भरते हुए बॉलीवुड एक्टर सिद्धांत 3 चतुर्वेदी अपने करियर की अब तक की सबसे बड़ी और चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने जा रहे हैं। वह जल्द ही भारतीय सिनेमा के महान फिल्मकार वी. शांताराम की बायोपिक में नजर आएंगे। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का निर्माण वी. शांताराम के बेटे किरण शांताराम कर रहे हैं, जो अपने पिता की अमर विरासत को बड़े परदे पर जीवंत करने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... सिद्धांत का लुक टेस्ट पूरा हो चुका है और उनकी शक्ल वी. शांताराम से काफी मिलती जुलती बताई जा रही है। फिल्म की शूटिंग ने वाले कुछ महीनों में शुरू होगी। इस बायोपिक में फरदीन खान भी एक महत्वपूर्ण किरदार निभाएंगे, हालांकि उनकी भूमिका फिलहाल गुप्त रखी गई है। फिल्म में तीन अभिनेत्रियों को कास्ट किया जाएगा, क्योंकि वी. शांताराम की तीन शादियां हुई थीं। सिद्धांत इस रोल के लिए शारीरिक रूप से भी खुद को तैयार कर रहे हैं। इस बायोपिक में सिद्धांत के साथ फरदीन खान भी नजर आएंगे

श्रुति ने गाया फिल्म एसएसएमबी ग्लोबट्रॉटर 29 का पहला गाना

साउथ के मशहूर डायरेक्टर एस एस राजामौली और महेश बाबू की अगली फिल्म एसएसएमबी 29 से जुड़ी नई अपडेट सामने आई है। पृथ्वीराज सुकुमारन के फर्स्ट लुक और महेश व प्रियंका के वीडियो संदेश के बाद अब फिल्म का पहला सिंगल गाना रिलीज कर दिया गया है। ऑस्कर विजेता संगीतकार एमएम कीरवानी द्वारा कंपोज किया गया यह गाना ग्लोबट्रॉटर टाइटल के साथ जारी किया गया है। खास बात यह है कि गाने में श्रुति हासन ने अपनी आवाज दी है। इसे फिलहाल केवल तेलुगु भाषा में रिलीज किया गया है और यह गाना फिलहाल सिर्फ ऑडियो फॉर्मेट में यूट्यूब पर उपलब्ध है। वीडियो वर्जन जल्द आने की उम्मीद है। गाना लीज होते ही दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। खास तौर पर श्रुति की आवाज को खूब सराहा जा रहा है। श्रुति ने अपने सोशल मीडिया पर एम एम कीरवानी के साथ रिकॉर्डिंग स्टूडियो की कुछ फोटोज और वीडियो शेयर किए हैं। उन्होंने पोस्ट में लिखा... कीरवानी सर के म्यूजिकल के लिए गाना बहुत खुशी की बात थी। यह एक शानदार ट्रैक है, लेट इट बैंग, ग्लोबट्रॉटर।

शादी की खबरों के बीच रश्मिका ने की विजय देवरकोंडा की जमकर तारीफ

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की शादी की खबरें पिछले कुछ दिनों से बी-टाउन का हॉट टॉपिक बनी हुई हैं। इस बीच बीती रात रश्मिका मंदाना की 'द गर्लफ्रेंड' की सक्सेस पार्टी हुई। इस इवेंट में विजय देवरकोंडा भी पहुंचें। इस दौरान दोनों के बीच एक लविंग मूमेंट भी देखने को मिला, जब विजय ने रश्मिका के हाथों को चूमा। अब इस इवेंट के वीडियो भी सामने आ रहे हैं। इवेंट के दौरान रश्मिका ने विजय की जमकर तारीफ की और कहा कि हर किसी की लाइफ में एक विजय देवरकोंडा होना चाहिए।

रश्मिका ने की विजय की दिल खोलकर तारीफ

हैदराबाद में हुई 'द गर्लफ्रेंड' की इस सक्सेस मीट में अपने भाषण के दौरान रश्मिका ने फिल्म को लेकर बात की। फिल्म की जर्नी के बारे में बात करते हुए आखिरी में रश्मिका ने विजय की भी तारीफ की। उन्होंने विजय के फिल्म में सहयोग देने के लिए उनका आभार दिया। उन्होंने सार्वजनिक रूप से फिल्म में विजय देवरकोंडा की भागीदारी को स्वीकार किया। विजय को प्यार से विजू बुलाते हुए रश्मिका ने कहा, 'विजू, आप शुरू से ही इस फिल्म का हिस्सा रहे हैं और आप फिल्म की सफलता का हिस्सा हैं। आप इस पूरी यात्रा का व्यक्तिगत रूप से हिस्सा रहे हैं। मैं बस यही उम्मीद कर सकती हूं कि हर किसी के जीवन में एक विजय देवरकोंडा हो, क्योंकि यह एक आशीर्वाद है।'रश्मिका के विजय का नाम लेते ही वहां मौजूद लोगों ने जमकर तालियां बजाईं और शोर मचाया।

इवेंट से एक वीडियो विजय देवरकोंडा का भी सामने आया है, जिसमें विजय फिल्म को लेकर बात कर रहे हैं। इस दौरान विजय ने रश्मिका की भी तारीफ की और उनके इस फिल्म का हिस्सा होने पर गर्व जताया। विजय ने कहा, 'रश्मिका मुझे तुम पर गर्व है। आज तुम एक ऐसी लड़की हो जो इस तरह की स्क्रिप्ट को चुनती है। अपने करियर के पीक पर ऐसी कहानी को बताना चाहती है, उसे अपना टाइम देती है। इस फिल्म के दौरान रश्मिका ये नहीं सोच रही थी कि इसे देखने कितने दर्शक पहुंचेंगे, पहुंचेंगे या नहीं। लेकिन उनका कहना था कि ये ऐसी कहानी है, जिसे वो बताना चाहती हैं। रशी मुझे तुम पर गर्व है तुम्हारे इस सफर के लिए, तुम्हारी मेहनत के लिए और तुम जो भी हो उस पर मुझे गर्व है।'

रश्मिका-विजय की शादी को लेकर चल रहीं खबरें

पिछले महीने ऐसी खबरें आई थीं कि रश्मिका और विजय की सगाई हो चुकी है। हालांकि, दोनों स्टार्स की तरफ से इन खबरों पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। इसके बाद अब पिछले कुछ दिनों से दोनों की शादी को लेकर भी तमाम तरह की खबरें चल रही हैं। इन खबरों में कहा जा रहा है कि दोनों की शादी 26 फरवरी 2026 को उदयपुर में होनी है। हालांकि, अभी भी रश्मिका या विजय की ओर से शादी की खबरों पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

डब्ल्यूबीबीएल

डिएंड्रा डॉटिन ने गेंद के बाद बल्ले से बिखेरी चमक

रेनेगेड्स ने दर्ज की जीत

मेलबर्न, एजेंसी। मेलबर्न रेनेगेड्स ने मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 में 4 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ रेनेगेड्स ने प्वाइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर अपनी जगह बना ली है। मेलबर्न रेनेगेड्स ने इस सीजन अब तक 4 में से 3 मुकाबले अपने नाम किए हैं। ब्रिस्बेन हीट और सिडनी थंडर्स के खिलाफ जीत के बाद टीम को एडिलेड स्ट्राइकर्स के विरुद्ध हार का सामना करना पड़ा था। दूसरी ओर, 3 में से 1 मैच जीतने वाली मेलबर्न स्टार्स ने इस सीजन एक मैच गंवाया है, जबकि एक मुकाबला बारिश के चलते बेनतीजा रहा। यह टीम प्वाइंट्स टेबल में पांचवें पायदान पर है। जंक्शन ओवल में खेले गए इस मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स ने 7 विकेट खोकर 141 रन बनाए। टीम ने 59 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। यहां से कप्तान एनाबेल सदरलैंड ने मारिजैन कप्प के साथ चौथे विकेट के लिए 44 रन जोड़ते हुए टीम को शतक के करीब पहुंचाया। रिस मैककेना ने 32 रन टीम के खाते में जोड़े, जबकि कप्तान सदरलैंड और किम गार्थ ने 29-29 रन बनाए। मारिजैन कप्प ने 22 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इनके अलावा, कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सकीं। विपक्षी टीम से डिएंड्रा डॉटिन ने सर्वाधिक 3 विकेट अपने नाम किए। चारिस बेकर, मिल्ली इलिंगवर्थ, सोफी मोलिन्यूक्स और जॉर्जिया वेयरहैम ने 1-1 विकेट निकाला। इसके जवाब में मेलबर्न रेनेगेड्स ने 18.5 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। टीम महज 9 रन पर डेविना पेरिन का विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद सोफी मोलिन्यूक्स ने कोर्टनी वेब के साथ दूसरे विकेट के लिए 53 गेंदों में 58 रन जोड़कर पारी को मजबूती दी। मोलिन्यूक्स 32 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। कोर्टनी वेब ने रेनेगेड्स की पारी में 37 रन का योगदान दिया। गेंद से चमक बिखेरने के बाद डॉटिन ने 6 गेंदों में 1 छक्के और 1 चौके के साथ 13 रन बनाए। उन्हें शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

'हर मैच में रन बनाना...'

टीम इंडिया से बाहर होने पर सरफराज खान का छलका दर्द

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज के लिए सरफराज खान को भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है. ऑस्ट्रेलिया दौरे (2024-25) पर सरफराज स्क्वॉड में शामिल थे, लेकिन एक भी मैच में मौका नहीं मिला. फिर सरफाज इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे. सरफराज ने भारतीय टीम के लिए आखिरी टेस्ट नवंबर 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ

खेला था. उसके बाद उन्हें टेस्ट क्रिकेट में चांस नहीं मिला है. घरेलू क्रिकेट में सरफराज का रिकॉर्ड इतना शानदार है कि उनका चयन अपने-आप में तय लगता है. हालांकि सरफराज को अब इंडिया-ए टीम में भी जगह नहीं मिल रही है. सरफराज ने हिम्मत नहीं हारी है और रणजी ट्रॉफी 2025-26 के जरिए दोबारा टीम इंडिया में वापसी की कोशिश कर रहे हैं. सरफराज ने कुछ महीने पहले काफी वजन कम किया था, फिर भी सेलेक्शन नहीं हुआ. सरफराज बताते हैं कि वह बिल्कुल भी निराश नहीं हैं. सरफराज खान ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'मैं नहीं समझता कि मुझे कुछ बदलने की जरूरत है. मैं अच्छा कर रहा हूं. मैं हमेशा ट्रेनिंग में बहुत गेंदें खेलता हूं और अब भी उतनी ही मेहनत करता हूं. हर मैच में रन बनाना संभव नहीं है. पिछले चार सीजन अच्छे गए हैं.'

खिलाड़ी पर चल रहा रेप केस, फिर भी आरसीबी ने किया रिटेन

● सोशल मीडिया पर तगड़ा बवाल आरसीबी

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2026 के लिए अपनी रिटेंशन लिस्ट में यश दयाल को भी शामिल किया है. आरसीबी के इस फैसले की जमकर आलोचना हो रही है, क्योंकि यश पर अभी 2 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें पोक्सो एक्ट के तहत एक मामला भी शामिल है. पिछले साल आरसीबी ने यश दयाल को 5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था. यश दयाल पर गाजियाबाद और जयपुर में दो अलग-अलग मामले दर्ज हैं और दोनों ही यौन शोषण से संबंधित हैं. ऋष्क्र द्वारा उन्हें रिटेन किए जाने से फ्रैंचाइजी के रुख पर सवाल खड़े होने लगे हैं. इस रिटेंशन को लेकर सोशल मीडिया पर लोग 2 गुटों में बंट गए हैं. कुछ लोगों ने तो यह तक कहा कि गंभीर मामले दर्ज होने के बावजूद यश को रिटेन करके आरसीबी फ्रैंचाइजी समाज में गलत संदेश दे रही है. आरसीबी फ्रैंचाइजी ने यश दयाल को रिटेन करने पर अलग से कोई स्टेटमेंट जारी नहीं किया है.

झेल चुके हैं सस्पेंशन

इसी साल अगस्त में दर्ज मामलों की गंभीरता को देखते हुए यूपी टी20 लीग के आयोजकों ने यश दयाल को लीग में भाग लेने से रोक दिया था. वो गोरखपुर लायंस के लिए खेलने वाले थे. वहीं डोमेस्टिक सीजन में वो अभी तक उत्तर प्रदेश के लिए एक भी मैच में नहीं खेलते दिखे हैं. ये सब खबरें उनके क्रिकेट में भविष्य को कटघरे में लाकर खड़ा कर रही हैं.

एटीपी फाईनल

मिनौर को हराकर एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में पहुंचे सिनर

अब अल्कारेज से होगा सामना

तूरिन, एजेंसी। सत्र के आखिरी टूर्नामेंट में घरेलू कोर्ट पर सिनर के सामने खिताबी मुकाबले में कार्लोस अल्कारेज होंगे जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल मैच में फेलिक्स ऑगर-एलियासेम को मात दी। इटली के यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन जारी करते हुए एटीपी फाइनल्स के अंतिम चार मैच में एलेक्स डी मिनौर को को हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज सिनर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी को सीधे सेटों में 7-5, 6-2 से हराकर दोनों खिलाड़ियों के बीच 13 मुकाबले में 13वीं जीत दर्ज की। सत्र के आखिरी टूर्नामेंट में घरेलू कोर्ट पर सिनर के सामने खिताबी मुकाबले में कार्लोस अल्कारेज होंगे जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल मैच में फेलिक्स ऑगर-एलियासेम को मात दी। सिनर और अल्कारेज पिछले तीन ग्रैंडस्लैम फाइनल में भिड़ चुके हैं। अल्कारेज ने फ्रेंच ओपन का खिताब जीता, जबकि सिनर ने विंबलडन में अल्कारेज को शिकस्त दी थी। अल्कारेज ने हालांकि यूएस ओपन में जीत के साथ सिनर के खिलाफ अपना दबदबा मजबूत किया।

'लो-स्कोरिंग' मुकाबले में भारत करारी की हार

● **पहला टेस्ट:** साउथ अफ्रीका ने बनाई 1-0 से लीड, 124 का लक्ष्य हासिल न कर सकी टीम इंडिया

● स्पीन को मददगार पिच पर साईमन का जलवा।

● कप्तान गिल गर्दन में चोट की वजह से दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे।

कोलकाता, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने भारत के खिलाफ ईडन गार्डन्स में खेले गए 'लो-स्कोरिंग' टेस्ट मैच को 30 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेहमान टीम ने दो मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा मैच 22 नवंबर से गुवाहाटी में खेला जाएगा। भारतीय टीम को दूसरी पारी में जीत के लिए महज 124 रन का टारगेट मिला था, लेकिन टीम इंडिया महज 93 रन ही बना सकी। कप्तान गिल गर्दन में चोट की वजह से दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी साउथ अफ्रीकी टीम पहली पारी में महज 159 रन पर सिमट गई। एडेन मार्करम ने 31 रन बनाए, जबकि वियान मुल्डर और टोनी डी जोरजी ने 24-24 रन की पारी खेली। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने सर्वाधिक 5 विकेट हासिल किए, जबकि मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट निकाले। इसके जवाब में भारतीय टीम पहली पारी में महज 189 रन पर सिमट गई। इस पारी में केएल राहुल ने सर्वाधिक 39 रन बनाए, जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 29 रन टीम के खाते में जोड़े। साउथ अफ्रीका की तरफ से साइमन हार्मर ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि मार्को जेनसन को 3 सफलताएं हाथ लगीं। भारत के पास पहली पारी के आधार पर महज 30 रन की बढ़त थी। दूसरी पारी में कप्तान टेंबा बावुमा चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और 136 गेंदों में 4 चौकों के साथ नाबाद 55 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर पर कोई बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सका। इस पारी में रवींद्र जडेजा ने चार विकेट अपने नाम किए, जबकि कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज को 2-2 विकेट हाथ लगे। तीसरे दिन की शुरुआत से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने स्पष्ट कर दिया था कि कप्तान शुभमन गिल गर्दन में चोट की वजह से मुकाबले का शेष हिस्सा नहीं खेलेंगे। ऐसे में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल बतौर सलामी बल्लेबाज मैदान पर उतरे, लेकिन चौथी गेंद पर ही साझेदारी टूट गई। जायसवाल खाता खोले बगैर पवेलियन लौट गए। तीसरे ओवर तक केएल राहुल (1) भी आउट हो गए थे।

● पिच विवाद पर सौरव गांगुली का बड़ा बयान

भारत ने ही मांगी, क्यूरेटर की गलती नहीं...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच ईडन गार्डन्स में आयोजित टेस्ट मैच की पिच को लेकर बहस छिड़ी हुई है. इस मुकाबले में विकेटों का पतझड़ देखने को मिला है. खेल के पहले दिन 11 विकेट गिरे. वहीं दूसरे दिन गिरने वाले विकेटों की संख्या 15 रही. फिर तीसरे दिन भी विकेट्स गिरने का सिलसिला जारी रहा. इस मैच की किसी भी पारी में 200 से ज्यादा रन नहीं बना, जिससे पता चलता है कि पिच पर बैटिंग करना कठिन था. विकेट लगातार गिरते रहे और पिच की भारी आलोचना हुई. मैच तीसरे ही दिन समाप्त होने जा रहा है. टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने तो कहा कि टेस्ट क्रिकेट को मजाक बना दिया गया है. उन्होंने हैशटैग किया- यानी टेस्ट क्रिकेट का अंत. ईडन गार्डन्स की पिच को लेकर टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के प्रेसिडेंट सौरव गांगुली ने बड़ा खुलासा किया है. सौरव गांगुली ने कहा कि भारतीय टीम को वही पिच मिली, जो टीम ने डिमांड की थी. गांगुली ने पिच विवाद में ईडन के क्यूरेटर सुजान मुखर्जी का बचाव किया. बात करते हुए गांगुली ने कहा, 'पिच बिल्कुल वैसी ही तैयार हुई थी.

इसलिए बल्लेबाजी करना हुआ मुश्किल!

गांगुली ने बताया कि पिच पर चार दिनों तक पानी नहीं डाला गया, इसलिए यह इतनी सूखी और बल्लेबाजी के लिए कठिन बन गई. उन्होंने कहा, 'पिच वही थी जो भारतीय टीम चाहती थी. चार दिन पानी नहीं देने पर ऐसी ही पिच बनेगी. इसके लिए क्यूरेटर सुजान मुखर्जी को दोष नहीं दिया जा सकता.' मैच में साउथ अफ्रीका अपनी पहली पारी में सिर्फ 159 रनों पर ऑलआउट हो गया. फिर भारतीय टीम भी अपनी पहली इनिंग्स में सिर्फ 189 रनों तक ही पहुंच सकी. फिर दूसरी पारी में साउथ अफ्रीकी टीम सिर्फ 153 रनों पर आउट हो गई. साउथ अफ्रीका के लिए कप्तान टेम्बा बावुमा ने नाबाद 55 रन बनाए, जो इस मुकाबले में किसी बल्लेबाज का सबसे बड़ा स्कोर रहा. भारत को जीत के लिए 124 रनों का टारगेट मिला, जिसे चेज करने में भारतीय टीम लड़खड़ा गई है.

भारत के धनुष ने डेफलिम्पिक्स में एयर राइफल में स्वर्ण जीता

मुर्तजा को रजत

नई दिल्ली, एजेंसी। धनुष श्रीकांत ने रविवार को तोक्यो में डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) में पुरुषों की एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक के साथ भारत के लिए खाता खोला। भारत के मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 के अंतिम स्कोर के साथ रजत पदक, जबकि कोरिया के बेक सेउंगहाक ने 223.6 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। श्रीकांत ने 252.2 अंक बनाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में भारत के पदकों की संख्या अब दो हो गई है।

ओलंपिक में कब शामिल हुआ ये रोमांचक खेल?

नई दिल्ली, एजेंसी। इतिहास में कभी किसी व्यक्ति ने अगर किसी नदी या तालाब को पार किया होगा, तो उसे शायद ही इसका अनुमान रहा होगा कि आगे चलकर यह प्रथा एक खेल के रूप में विकसित होगी और तैराकी के नाम से जानी जाएगी। उस दिन से तैराकी काफी आगे निकल चुकी है और अब लंबे समय से ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर एक रोमांचक खेल के रूप में प्रतिष्ठित है। अगर इतिहास पर गौर करें तो लगभग 7000 ईसा पूर्व की गुफा चित्रों में तैराकी के प्रमाण मिलते हैं। प्राचीन मिस्त्र, ग्रीस और रोम में तैराकी सैन्य प्रशिक्षण, मनोरंजन और स्वास्थ्य का हिस्सा थी। आगे चलकर 19वीं सदी में ब्रिटेन में तैराकी क्लब बने। धीरे-धीरे तैराकी का विकास एक खेल के रूप में हुआ और इसे 1896 के ओलंपिक में शामिल किया गया। महिला तैराकों को ओलंपिक में हिस्सा लेने का मौका 1912 से मिला। 20वीं सदी में तकनीकी प्रगति हुई। फ्लिपर्स, गॉगल्स और स्पीडो सूट जैसे उपकरण आए। फेडरेशन इंटरनेशनल डी नेटेशन की स्थापना 1908 में हुई, जो नियम निर्धारित करती है। समय के साथ तैराकी में फ्रीस्टाइल, बैकस्ट्रोक, ब्रेस्टस्ट्रोक और बटरफ्लाई शैलियां विकसित हुईं। 1896 ओलंपिक से शुरू हुआ तैराकी का वैश्विक सफर 2024 ओलंपिक तक एक समृद्ध विरासत के रूप में विकसित हो गया है। आज की तारीख में तैराकी को खेल के साथ-साथ फिटनेस के दृष्टिकोण से भी बेहद अहम माना जाता है। ओलंपिक खेलों में तैराक के रूप में अमेरिका के माइकल फेल्प्स सबसे सफल हैं। फेल्प्स ने ओलंपिक में कुल 28 पदक जीते हैं, जिनमें 23 स्वर्ण, 3 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं। वह न सिर्फ तैराकी में बल्कि किसी भी इवेंट में ओलंपिक इतिहास के सबसे सफल और सबसे ज्यादा मेडल जीतने वाले एथलीट हैं। तैराकी के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यवस्था वाले देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, और सिंगापुर का नाम आता है। सिंगापुर ने रियो ओलंपिक में तैराकी में गोल्ड जीता था। इसके अलावा, स्वीडन, नीदरलैंड, नॉर्वे, और फिनलैंड में भी तैराकी काफी लोकप्रिय है।

लाल किले के पास जहां हुआ धमाका, वहां से मिले 9 एमएम कारतूस; सेना करती है इस्तेमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। लाल किला कार विस्फोट मामले में दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने घटनास्थल से 9 एमएम कैलिबर के 3 तीन कारतूस बरामद होने पुष्टि की है। इनमें दो जिंदा और एक खाली खोखा है। 9 एमएम पिस्टल आम नागरिकों के लिए रखना प्रतिबंधित है। एक सीनियर अधिकारी ने रविवार को कहा कि कारतूस बरामद होने के बावजूद घटनास्थल पर कोई पिस्तौल या उसका कोई पुर्जा नहीं मिला। पुलिस ने कहा, ये कारतूस आमतौर पर केवल सुरक्षा बलों या विशेष अनुमति प्राप्त लोगों के पास ही होते हैं।

सूत्रों के अनुसार, घटनास्थल पर कोई पिस्तौल या उसका कोई पुर्जा नहीं मिला। मतलब कारतूस तो मिले, लेकिन उन्हें चलाने में इस्तेमाल किया गया हथियार अभी तक नहीं मिला है। अधिकारी ने कहा कि वे अब यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ये कारतूस वहां कैसे पहुंचे, क्या ये संदिग्ध के पास थे।

9 एमएम कारतूसों की बरामदगी से चल रही जांच में एक नया आयाम जुड़ गया है, क्योंकि अधिकारी विस्फोटक के स्रोत और किसी आतंकवादी या आपराधिक नेटवर्क से इसके जुड़े होने की जांच कर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की और विस्फोट स्थल से फोरेंसिक साक्ष्य एकत्र किए।

बता दें कि, 10 नवंबर को लाल किले के पास सफेद रंग की एक संदिग्ध ह्20 कार में हुए विस्फोट में 12 लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे।

अधिकारियों ने बताया कि एक दिन पहले, दिल्ली पुलिस ने लाल किला विस्फोट की जांच में आपराधिक साजिश की धाराओं के तहत एक नई एफआईआर दर्ज की थी।

इस बीच, विस्फोट के बाद लाल किले के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है और अधिकारी एंट्री पॉइंट और आसपास के इलाकों पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं।

दिल्ली पुलिस ने फोरेंसिक डीएनए टेस्ट के बाद पुष्टि की है कि लाल किले के पास कार विस्फोट करने वाला व्यक्ति डॉ. उमर उन नबी था, जिसका डीएनए उसकी मां के नमूने से मेल खाता है।

4 जगह थी धमाके की साजिश; लाल किला एक मेट्रो स्टेशन और दो बाजार थे निशाने पर

नई दिल्ली, एजेंसी। डॉक्टर मॉड्यूल ने दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन पर धमाके के आरोपियों ने राजधानी में चार स्थानों पर विस्फोट की साजिश रची थी। जांच एजेंसियों ने खुलासा किया कि लाल किले के साथ एक मेट्रो स्टेशन और दो बाजारों में भी धमाके करने की योजना थी। जांच के दौरान पकड़े गए संदिग्धों के मोबाइल, लैपटॉप से तस्वीरें, वीडियो, रूट मैप और कूट भाषा में चैट मिले हैं। इनमें लाल किला के साथ एक मेट्रो स्टेशन और दो बाजारों की तस्वीर हैं। तस्वीरों में न तो मेट्रो स्टेशन के नाम का बोर्ड दिख रहा है और न ही यह स्पष्ट है कि बाजार कौन से हैं। प्राथमिक जांच में यह साफ हो गया है कि ये सभी जगहें दिल्ली की ही हैं और संदिग्धों के दिल्ली दौरे के दौरान ली गई थीं। गुनहगारों-मददगारों की तलाश में ताबड़तोड़ छापे- जांच एजेंसियों ने शनिवार को हरियाणा, पंजाब और पश्चिम बंगाल में छापेमारी की। इसमें एक मौलवी, दो डॉक्टरों, एमबीबीएस छात्र और एक खाद-बीज कारोबारी के बेटे को हिरासत में लिया गया है। ये पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि साजिश में कौन-कौन शामिल था और विस्फोटक कहां से आया। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने लालकिला धमाके की जांच की कड़ी में आपराधिक षडयंत्र रचने की धारा में अलग से एफआईआर दर्ज की है। धमाके के तुरंत बाद स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज किया था, लेकिन अब एंटी-टेरर यूनिट ने पूरे नेटवर्क की पड़ताल शुरू कर दी है।जांच एजेंसियों को शक है कि फरीदाबाद में पकड़ा गया मॉड्यूल कथित तौर पर कई कार बम धमाके की योजना बना रहा था, लेकिन हमलों को अंजाम देने से पहले ही उनके मंसूबे उजागर हो गए थे। इसके बाद मॉड्यूल से जुड़े कई लोग फरार हो गए। आशंका है कि लालकिले पर फिदायीन हमला करने वाले डॉ. उमर के तार इसी फरीदाबाद मॉड्यूल के साथियों और कुछ अन्य संदिग्धों से जुड़े हो सकते हैं। इसी बीच दिल्ली पुलिस की एक टीम ओखला स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी के हेडक्वार्टर भी पहुंची और वहां दस्तावेजों की जांच की। हालांकि टीम की कार्रवाई का उद्देश्य स्पष्ट नहीं है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक कुछ महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई गई है।

संक्षिप्त समाचार

लड़की-लड़के को होटल में छोड़ सीधे थाने पहुंचा कैब ड्राइवर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के वजीराबाद इलाके में सोशल मीडिया पर हुई दोस्ती के बाद 11वीं क्लास में पढ़ने वाली 16 साल की एक छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी फ्रेंड शुक्रवार को लड़की को ब्लैकमेल कर दोबारा अपने साथ एक होटल में ले गया था, लेकिन कैब चालक को उस पर कुछ हो गया और पुलिस को इसकी सूचना दिए जाने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि युवक ने पीड़िता से इंस्टाग्राम पर दोस्ती करने के बाद उसे वजीराबाद में अपने एक दोस्त के फ्लैट पर ले जाकर दुष्कर्म किया था। पीड़ित किशोरी दो महीने पहले इंस्टाग्राम पर नूंह के रहने वाले साबिर नाम के युवक के संपर्क में आई थी। लगातार चैट से दोनों के बीच दोस्ती हो गई। साबिर ने खुद को एक बड़ी कम्पनी में कार्यरत बताया था। इसके बाद 1 नवंबर को आरोपी ने पीड़िता को मिलने के लिए वजीराबाद स्थित अपने एक दोस्त के फ्लैट पर बुलाया। आरोप है कि फ्लैट पर ले जाकर आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी देकर किशोरी के साथ दुष्कर्म किया और अपने मोबाइल फोन में उसके अश्लील वीडियो और फोटो बना लिए। आरोपी ने वीडियो और फोटो वायरल करने की धमकी देकर छात्रा को ब्लैकमेल करते हुए कश्मीरी गेट इलाके में दोबारा मिलने के लिए बुलाया था। आरोपी लड़की को वहां से अपने साथ कैब में कमला नगर स्थित होटल में ले गया। इस बीच कैब चालक को उस पर कुछ शक हुआ तो वह उन्हें होटल में छोड़ने के बाद सीधे पास के रूप नगर थाने पहुंच गया। उसने पुलिस को पूरे घटना की जानकारी दी तो पुलिसकर्मी तुरंत होटल पहुंचे और आरोपी को धर दबोचा। पुलिस ने उसके कब्जे से किशोरी को छुड़ाकर उसके परिजन को घटना की सूचना दी।

कांग्रेस अपने राजकुमार का बचाव कर रही, चिदंबरम के लेख पर भाजपा की तीखी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा 2025 के नतीजों को लेकर भाजपा ने रविवार (16 नवंबर, 2025) कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम की आलोचना की और उनकी पार्टी पर खराब प्रदर्शन के बाद लोगों का अपमान करने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कड़े शब्दों में आलोचना करते हुए लिखा कि कांग्रेस ने एक बार फिर अपनी नाकामी की जांच करने के बजाय जनता पर दोष मढ़कर अपने राजकुमार का बचाव करने का विकल्प चुना है। उन्होंने लिखा, आत्मचिंतन करने के बजाय, कांग्रेस ने एक बार फिर जनता पर दोष मढ़कर अपने राजकुमार का बचाव करना चुना है। चिदंबरम के कॉलम का जिक्र करते हुए पूनावाला ने कहा, पी चिदंबरम लिखते हैं, उन्हें सत्ता में लेकर आना जनता की जिम्मेदारी है। ये लोग कितने हकदार और भ्रमित हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में दोष मढ़ने की आदत रही है। उन्होंने कहा, ईवीएम को दोष दो, एसआईआर को दोष दो, अब बिहार की जनता को दोष दो। 95 की हार के लिए राहुल को दोष मत दो। राहुल कुछ गलत नहीं कर सकते, जनता गलत है! कांग्रेस ने फिर बिहार का अपमान किया! चिदंबरम ने 'मतदान जिम्मेदारियों का अंत नहीं है' शीर्षक से अपने कॉलम में जनादेश का विश्लेषण किया, जिसमें एनडीए को 202 सीटें दी गईं, जबकि महागठबंधन को 35 सीटें मिलीं। उन्होंने लिखा कि नागरिकों को परिणाम स्वीकार करना चाहिए, लेकिन उन्हें यह भी जांचना होगा कि राज्य को अभी भी गहरे संरचनात्मक संकटों का सामना क्यों करना पड़ रहा है। पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि बिहार के लोगों को लालू प्रसाद की सरकार के 15 साल याद हैं और नीतीश कुमार के लंबे शासन को भी याद है, लेकिन फिर भी भारी बेरोजगारी, काम के लिए करोड़ों लोगों का पलायन, बहुआयामी गरीबी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा की दयनीय स्थिति और शराबबंदी की विफलता के बावजूद उन्होंने बदलाव के लिए वोट नहीं दिया। चिदंबरम ने तर्क दिया कि इन परिस्थितियों को देखते हुए, इस बात का कोई स्पष्टीकरण नहीं है कि लोगों ने ऐसा मतदान क्यों किया। उन्होंने कहा कि बिहार के मतदाताओं को चंपारण युग की भावना को फिर से खोजना होगा और अयोग्य शिक्षकों, बदहाल स्कूलों, पेपर लीक, हेरफेर किए गए परीक्षा परिणामों और नौकरियों के लंबे समय से अभाव को स्वीकार करने से इनकार करना होगा।

बंद कमरे में महिला और युवक को लगी गोली, युवती की मौत; दिल्ली के पंजाबी बाग में वारदात

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके में शनिवार को एक घर में मौजूद युवक और युवती को गोली मारने की वारदात सामने आई है। गोली लगने से 24 वर्षीय युवती की मौत हो गई, जबकि युवक 25 वर्षीय नीरज की हालत गंभीर है। मामले की सूचना मिलने के बाद पहुंची पंजाबी बाग थाना पुलिस युवक को अस्पताल में भर्ती किया है। पुलिस ने 24 वर्षीय मुस्कान के शव को पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया है।

पुलिस ने मामले में हत्या और हत्या का प्रयास की धारा में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज जब्त की गई है। फिलहाल पुलिस दोनों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस उपायुक्त डीएस भास्कर ने बताया कि मृत युवती मुस्कान बी-28बी, ओल्ड स्लम क्वार्टर्स, पश्चिम पुरी इलाके में रहती थी। जबकि नीरज पंजाबी बाग इलाके में रहता है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार को मुस्कान के मामा ने पुलिस को मुस्कान और नीरज के घर में घायल अवस्था में पड़े होने की सूचना दी थी। एसएचओ पंजाबी बाग अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जहां एक कमरे में युवती और दूसरे कमरे में युवक घायल अवस्था में पड़े हुए थे। पुलिस ने दोनों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया।

युवक को आईसीयू में भर्ती किया गया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू की और प्राथमिक जांच के दौरान घर से मिले दस्तावेजों से दोनों की पहचान मुस्कान और नीरज के रूप में हुई। पुलिस को पता चला कि जहां दोनों घायल अवस्था में मिले थे, वह मुस्कान का घर था। मुस्कान का कुछ दिन पहले ही तलाक हुआ था। जिसके बाद से वह इस घर में रह रही थी।

पंजाबी बाग थाना पुलिस ने वैज्ञानिक सबूत जुटाने के लिए क्राइम टीम और एफएसएल टीम को मौके पर बुला कर जांच में सहयोग लिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि नीरज शादीशुदा है और मुस्कान की शादी 2023 में हुई थी और का तलाक कुछ दिन पहले ही हुआ है। शादी से पहले दोनों के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। तलाश के बाद से ही नीरज मुस्कान से नजदीकी बढ़ाने की कोशिश कर रहा था। नीरज शनिवार को मुस्कान के घर आया। मुस्कान अपनी छोटी बहन के साथ घर में मौजूद थी। नीरज ने उसकी छोटी बहन को सौ रुपये देकर बाजार से फल लाने के लिए भेज दिया। उसके बाद नीरज ने कमरे को अंदर से लॉक कर दिया। बताया जा रहा है कि गोली चलने के बाद मुस्कान के मामा ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

डॉ. उमर ने 2 केजी विस्फोटक से मिनटों में बनाया बम? धमाके में टाइमर-डेटोनेटर के इस्तेमाल का शक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में लाल किले के पास हुए धमाके की फोरेंसिक जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। शुरुआती विश्लेषण से पता चला है कि विस्फोट में 2 किलो से ज्यादा अमोनियम नाइट्रेट और डेटोनेटिंग मैटेरियल का इस्तेमाल किया गया था। जांच टीम को घटनास्थल से पतले तार भी मिले हैं, जो इस आशंका को मजबूत करते हैं।

सूत्रों के अनुसार, कार में मौजूद आरोपी डॉ. उमर बम बनाने में बेहद माहिर था। शुरुआती विश्लेषण में जांच एजेंसियों का मानना है कि धमाका करने वाला विस्फोटक उमर ने ही 5 से 10 मिनट में तैयार कर लिया होगा।

सूत्रों के मुताबिक, आई-20 कार से मिले लगभग 60 प्रतिशत सैंपल इस दिशा में इशारा करते हैं कि धमाके में डेटोनेटर और टाइमर का इस्तेमाल किया गया। घटनास्थल से फोरेंसिक टीम को पतले तार भी मिले हैं, जो इस संभावना को और मजबूत करते हैं।

जांच एजेंसियों से जुड़े सूत्र बताते हैं कि अब तक फोरेंसिक टीम को धमाके से जुड़े 52 से ज्यादा सैंपल मिल चुके हैं। इन सैंपल के आधार पर यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि क्या डॉ. उमर ने विस्फोटक पार्किंग में ही तैयार किया था, क्योंकि वह धमाके से पहले करीब 3 घंटे तक लाल किले के पास वाली पार्किंग में मौजूद था। जांच टीम द्वारा मौके से उठाए गए इन सैंपल के जरिये धमाके की प्रकृति और उपयोग किए गए रसायनों की पुष्टि की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, अमोनियम नाइट्रेट समेत जिन घटकों को मिलाकर विस्फोटक तैयार किया गया था, उनकी पहचान के लिए इन सभी सैंपलों की जांच की जा रही है। एजेंसियां अब जांच रही हैं कि उमर ने बम को पार्किंग में ही तैयार किया था या फिर कहीं और बनाकर वह पार्किंग में पहुंचा था। लालकिले पर हुए धमाके से जुड़ा एक और नया सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें विस्फोट की तीव्रता साफ झलकती है। फुटेज से यह संकेत मिलता है कि धमाका इतना जोरदार था कि जमीन से करीब 50 फीट नीचे तक कंपन महसूस हुई। नीचे मौजूद लोगों की घबराहट और अचानक हुई हलचल कैमरों में रिकॉर्ड हुई है। धमाके के कुछ सेकेंड बाद लालकिला मेट्रो स्टेशन के अंदर लगे कैमरों में दर्ज हुए दृश्य बताते हैं कि झटका बेहद तेज था।

पटाखा कारखाने में जबरदस्त विस्फोट, 4 लोगों की दर्दनाक मौत, 11 घायल

इस्लामाबाद एजेंसी। दक्षिणी पाकिस्तान में एक पटाखा कारखाने में शनिवार को हुए शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। पुलिस और अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में सिंध प्रांत के हैदराबाद शहर में एक ढही हुई उस इमारत से धुएं का घना गुबार निकलता दिखाई दे रहा है, जहां पटाखे बनाए जा रहे थे। शहर के पुलिस प्रमुख अदील चंदियो ने बताया कि बचावकर्मियों ने मृतकों और घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। उन्होंने बताया कि विस्फोट का कारण तत्काल पता नहीं चल पाया है। सिंध सरकार ने एक बयान में कहा कि जांच से यह पता लगाया जाएगा कि क्या कारखाने को पटाखे बनाने की अनुमति थी और क्या उसने सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया था।

अमेरिका में एआइ की मदद से सड़कों को किया जा रहा गड्ढामुक्त, कैमरों की ली जा रही मदद

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में सड़कों को गड्ढामुक्त करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का इस्तेमाल किया जा रहा है। एआइ के जरिये न केवल सड़कों के गड्ढों को चिह्नित किया जा रहा है, बल्कि तकनीक ही तय करती है कि किन गड्ढों को पहले भरा जाना है, कहां गार्डरेल ठीक होनी है, कहां साइनबोर्ड दुरुस्त होने हैं और किस मोड़ पर चेतावनी बोर्ड लगाए जाने हैं। ये कैमरे संबंधित विभाग को सूचना भेजते हैं और मरम्मत टीम मौके पर जाकर चीजें ठीक करती है। भारत में भी इससे प्रेरणा लेकर सड़कों को यातायात के लिए सुरक्षित बनाया जा सकता है। अमेरिका के हवाई राज्य के अधिकारियों ने बताया कि सड़क हादसों में कमी लाने के लिए 1000 डैशबोर्ड कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे एआइ के इस्तेमाल से सड़कों के किनारे लगे गार्डरेल, सड़क चिह्नों और पैदल मार्ग की मार्किंग का स्वचालित निरीक्षण करते हैं और आपात स्थितियों का आकलन करके मरम्मत कार्य दल को वारंट भेजते हैं। अधिकारियों का कहना है कि ये काम दैनिक आधार पर किया जाता है। कैलिफोर्निया के सैन जो इलाके में सड़कों पर लगे कैमरों के बारे में स्वीपर और सिटी स्टाफ ने बताया कि इस प्रणाली ने 97 प्रतिशत तक सही जानकारी दी। अब इस प्रयास को आगे बढ़ाया जा रहा है। टेक्सास राज्य में सड़कों की हालत का पता लगाने में आम लोगों की भी मदद ली जा रही है। स्वयंसेवी ड्राइवरों की गाड़ियों में लगे कैमरों के साथ-साथ मोबाइल फोन डेटा के इस्तेमाल से खराब सड़कों का पता लगाकर उसे ठीक किया जा रहा है। हवाई राज्य में 2021 से ही सड़क सुरक्षा के लिए आइज आन द रोड अभियान चलाया जा रहा था, जिसमें तमाम गाड़ियों में 499 डालर के डैशकैम फ्री में लगाए गए। इस काम में हवाई यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर रोजर चेन ने भी सहयोग किया। उन्होंने पुराने पड़ चुके सड़क ढांचे में सुधार के लिए कार्यक्रम तैयार किए। सैन जो के मेयर मैट महन ने सड़कों की बेहतरी के लिए दो स्टार्टअप भी शुरू किए हैं।

भूकंप से पानी में समा गया पूरा का पूरा शहर

लंदन , एजेंसी। सदियों पहले भूकंप के झटकों ने इस कदर धरती को हिलाया कि दुनिया का एक बड़ा हिस्सा पानी में समा गया। यह कोई साधारण शहर नहीं था, बल्कि इसे पूरी दुनिया का केंद्र कहा जाता था। यूनान के मशहूर दार्शनिक प्लेटो ने इस कहानी को सच बताते हुए इस शहर को एटलांटिस का नाम दिया था। प्लेटो का कहना था कि एटलांटिस एक टापू पर स्थित दुनिया का सबसे सभ्य और खूबसूरत शहर था।

प्लेटो के द्वारा बताए गए एटलांटिस की वैज्ञानिक आज भी तलाश कर रहे हैं। इसी कड़ी रूसी पुरातत्वविदों ने किर्गिस्तान की एक झील में पूरे शहर को ढूंढने का दावा

किया है। यह खबर सामने आने के बाद एटलांटिस का नाम एक बार फिर सभी की जुबां पर है। यह शहर एटलांटिस की तरह ही खूबसूरत और समृद्ध नजर आ रहा है। भूकंप के बाद झील में समाया रूसी विज्ञान अकादमी के पुरातत्वविदों का कहना है कि उन्होंने किर्गिस्तान की इस्सिक कुल झील में एक जलमग्न शहर को ढूंढा है। यह शहर 15वीं शताब्दी में आए भूकंप के बाद झील में समा गया था। यह दुनिया की आठवीं सबसे

दुनिया की 8वीं सबसे गहरी झील में मिले अवशेष

गहरी झील है। इस झील का सर्वेक्षण किया जा रहा है। झील के आसपास खुदाई जारी है।

रूसी वैज्ञानिकों ने झील के नीचे जो शहर खोजा है, वो अपने समय में बेहद समृद्ध हुआ करता था। इस शहर में बड़े व्यावसायिक समूह की तस्वीर देखी जा सकती है। इस शहर की इमारतें पक्की ईंट, पत्थर और लकड़ी की बीम से मिलकर बनी थीं। साथ ही यहां अनाज और आटा पीसने वाली चक्की भी मिली है।

रूसी पुरातत्वविदों के अनुसार, यह शहर काफी बड़ा है, जहां एक सार्वजनिक इमारत भी मिली है। यह इमारत मस्जिद, स्नानघर, मदरसा या स्कूल के रूप में इस्तेमाल होती रही होगी। इसके अलावा शहर में एक बड़ा कब्रिस्तान भी मिला है। इन कब्रों में दफन लोगों को पारंपरिक इस्लामी रीति-रिवाजों से दफनाया गया है। शव का सिर उत्तर की ओर और मुंह किबला की तरफ है। यह वही दिशा है, जिस दिशा में मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज अदा करते हैं। रूसी पुरातत्वविदों का कहना है कि इस खोज से यह साबित हो गया है कि यहां कभी कोई एक प्राचीन शहर था, जो भूकंप के कारण झील में धंस गया। हालांकि, आपदा आने से पहले ज्यादातर लोगों ने इस शहर को छोड़ दिया था।

यूपी में समय से पहले सबसे आ रहे ठंडे दिन, नवंबर में ही चलेगी दिसंबर वाली शीतलहरी

लखनऊ , एजेंसी। यूपी में इस बार समय से पहले ही ठंडे दिन आ रहे हैं। दिसंबर वाली ठंड नवंबर में ही आने के संकेत मौसम विभाग ने दिए हैं। आम तौर पर शीतलहर दिसंबर से जनवरी के बीच चलती है। इसी दौरान सीजन के सबसे ठंडे दिन आते हैं। दिन और रात का पारा तेजी से गिरता है। बीते वर्षों में यहां अधिक सर्दी के दौरान दिन का तापमान 10 डिग्री और रात का पारा माइनस 1 डिग्री तक जा चुका है। ऐसे में ओस जम जाती है। दिन का तापमान 16 डिग्री या उससे कम होने पर कोल्ड-डे-कंडीशन हो जाती है। 2024 में यह सबसे ज्यादा थी। करीब 24 दिन सबसे ठंडे रहे थे। साथ ही 14 दिन कोल्ड-डे-कंडीशन वाले रहे थे। आम तौर पर यह दिन चार से पांच ही रहते हैं। इस साल भी नवंबर में शीलतहर के अलर्ट से सबसे ठंडे दिन जल्द आने के आसार हैं। ऐसा होने पर अनाज और सब्जियों की फसलें भी प्रभावित होंगी। कुछ को नुकसान तो कुछ को फायदा भी हो सकता है। मौसम विभाग ने शनिवार से शीतलहर चलने का अलर्ट जारी किया था।

झारखंड स्थापना दिवस पर बोकारो कलाकेन्द्र में झारखंड संगीत समारोह आयोजित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्राचीन कला केन्द्र, चंडीगढ़ एवं भारतीय संगीत कला अकादमी, बोकारो के संयुक्त तत्वावधान में बोकारो के सेक्टर 2डी स्थित कलाकेन्द्र में शनिवार की शाम झारखंड संगीत समारोह 2025 का भव्य आयोजन हुआ। झारखंड स्थापना दिवस पर आयोजित इस संगीत समारोह में कला केन्द्र का सभागार संगीत प्रेमियों से खचाखच भरा रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन विशिष्ट अतिथि संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की इकाई इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, क्षेत्रीय शाखा, रांची के क्षेत्रीय निदेशक डॉ कुमार संजय झा व वरिष्ठ परामर्शदाता एवं कैंसर रोग विभाग प्रमुख, मेडिकेंट अस्पताल, बोकारो डॉ टी एम सिंह, प्राचीन कला केन्द्र, चंडीगढ़ के सचिव सजल कौसर, कार्यक्रम संयोजक व भारतीय संगीत कला अकादमी, बोकारो के सचिव डॉ राकेश रंजन, संरक्षक अशोक कुमार सिंह, कवि व गायक अरुण पाठक ने मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन एवं संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्राचीन कला केन्द्र, चंडीगढ़ के सचिव सजल कौसर ने स्वागत भाषण में शास्त्रीय संगीत, नृत्य व कला के क्षेत्र में संस्था की उपलब्धियों व गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी को झारखंड के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं और बोकारो में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम पर प्रसन्नता व्यक्त की। विशिष्ट अतिथि डॉ कुमार संजय झा ने शास्त्रीय संगीत को बढ़ावा देने में प्राचीन कला केन्द्र, चंडीगढ़ व भारतीय संगीत कला अकादमी, बोकारो के योगदान की सराहना की। शास्त्रीय संगीत के इस कार्यक्रम में संगीत प्रेमियों की काफी अच्छी उपस्थिति पर खुशी जताई। विशिष्ट अतिथि डॉ टी एम सिंह ने अपने संबोधन में मानव जीवन में संगीत के सकारात्मक प्रभावों की चर्चा की और कहा कि संगीत का महत्व अच्छे स्वास्थ्य के लिए भी है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों के साथ ही कवि, पत्रकार व गायक अरुण पाठक, संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली के सदस्य डॉ संजय कुमार चौधरी व शिक्षाविद डॉ नरेन्द्र कुमार राय सहित प्रस्तुति देने वाले सभी कलाकारों को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया। इस संगीत समारोह की शुरूआत भारतीय संगीत कला अकादमी के छात्र केशव नंदन, अपूर्व सिंह, यश मिश्र, अक्षिता वत्स, हर्षित झा व अर्णव पाल के समूह तबला वादन की सुंदर प्रस्तुति से हुई। इस प्रस्तुति में हार्मोनियम पर लहरा श्रुति रंजन व अमित सरकार ने दिया। इस प्रस्तुति के बाद कोलकाता से आयीं ख्याति प्राप्त शास्त्रीय गायिका पियू मुखर्जी ने गायन प्रस्तुत कर समां बांध दिया। इन्होंने राग यमन में बड़ा ख्याल जो एकताल में निबद्ध था और मध्यलय जो तीन ताल एवं द्रुत एकताल में निबद्ध था प्रस्तुत किया। तत्पश्चात राग माझ खमाज में ठुमरी व राग पीलू में दादरा सुनाकर श्रोताओं की खूब दाद पायी। इनके साथ तबले पर बोकारो के डॉ राकेश रंजन, हारमोनियम पर कोलकाता के देवाशीष अधिकारी ने अपनी संगति से श्रोताओं पर अमिट छाप छोड़ी। तानपूरा पर साथ दे रही थीं बोकारो की गौरी झा। कार्यक्रम का खास आकर्षण रहा चंडीगढ़ से आईं वरिष्ठ कथक नृत्यांगना डॉ समीरा कौसर का कथक नृत्य का प्रदर्शन। उन्होंने की बहुत ही मनोहारी प्रस्तुति से सभी का दिल जीत लिया। प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना समीरा कौसर ने आध्यात्मिक प्रस्तुति कृष्ण वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की और उसके बाद पारंपरिक कथक नृत्य की प्रस्तुति दी जिस में गत, निकास थाट, आमद, उठान, परन, चक्रदार परन, उपज, प्रमिलु, लमछड़ परन आदि को मनमोहक और सुंदर चाल और बेहतरीन भावों द्वारा प्रस्तुत किया गया। नृत्य नाटिका काया स्वरूपा उनकी अगली प्रस्तुति थी, जिसमें उन्होंने कथक के अभिनय पहलू पर अपनी पकड़ का बखूबी प्रदर्शन किया। नृत्य में भावों को प्रस्तुत करने की अपनी अनोखी शैली से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस नृत्य नाटिका में समीरा ने अपने नृत्य के माध्यम से मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को चित्रित करने की कोशिश की, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। गुरु बृजमोहन गंगानी ने पढंत पर, महमूद खान ने तबले पर और अरिंदम ने गायन और मोनित पॉल ने सरोद पर बखूबी संगत करके कार्यक्रम को चार चाँद लगा दिए। कार्यक्रम का सफल संचालन दीप्ती निशंका ने किया। इस संगीत समारोह में उपस्थित श्रोताओं में बोकारो के अलावा धनबाद, गिरिडीह, जमशेदपुर व रांची से भी संगीत प्रेमी आए थे। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में रांची के वरिष्ठ संगीतज्ञ कृष्ण मोहन पाठक, अवनीन्द्र कुमार सिंह, धनबाद के संगीतज्ञ मधुरेश कुमार वर्मा, डॉ डी के झा, बेरमो के संगीतज्ञ तापस सेन गुप्ता सहित बोकारो के वरिष्ठ संगीतज्ञ पं बच्चन महाराज, नरेश कुमार सिन्हा, धनंजय चक्रवर्ती, अंकिता चक्रवर्ती, शांतनु सेन गुप्ता, अर्चना, रंजू सिंह, डॉ डी के झा, प्रसून कुमार झा, अरुप रक्षित, अमरजी सिन्हा, मंजरी श्रीवास्तव, पूनम सिंह, शारदा झा, अरुण कुमार, रुपक झा आदि थे।

शास्त्रीय गायन, वादन व कथक नृत्य की प्रस्तुतियों से मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर 19 नवंबर को यूनिटी मार्च

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारत सरकार देशभर में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है। इसी क्रम में बोकारो में भी 19 नवंबर को भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसकी जानकारी धनबाद के भाजपा सांसद ढुलू महतो ने बोकारो सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान दी। सांसद ढुलू महतो ने बताया कि इस अवसर पर यूनिटी मार्च का आयोजन किया जाएगा, जिसका उद्देश्य देश की एकता, अखंडता और आत्मनिर्भरता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है। यह मार्च गरगा पुल के पास स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा स्थल से प्रारंभ होकर सेक्टर 5 पुस्तकालय मैदान तक पहुंचेगा। सांसद ने कहा कि लौह पुरुष सरदार पटेल के जीवन आदर्शों को याद करने और युवाओं में राष्ट्रनिर्माण की भावना जागृत करने के लिए यह कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। सरकार का मानना है कि जब युवा आत्मनिर्भर बनेंगे और समाज की मुख्य धारा से जुड़ेंगे, तभी देश मजबूती से आगे बढ़ सकेगा। इसी सोच को ध्यान में रखते हुए यूनिटी मार्च को विशेष रूप से युवाओं की सहभागिता पर केंद्रित किया गया है। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के छात्र, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, खेल जगत से जुड़े युवा और स्थानीय नागरिकों सहित लगभग 1000 प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। सांसद महतो ने उम्मीद जताई कि बोकारो की जनता बड़ी संख्या में इस आयोजन में शामिल होकर सरदार पटेल की जयंती को सार्थक बनाएगी और राष्ट्रीय एकता के संदेश को आगे बढ़ाएगी।

हाइवा की चपेट में आने से युवक घायल

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झरिया के जोड़ापोखर थाना क्षेत्र अंतर्गत जामाडोबा को-ऑपरेटिव कॉलोनी के समीप रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 25 वर्षीय हीरा पंडित गंभीर रूप से घायल हो गया। सड़क से गुजर रहे तेज रफ्तार हाइवा ने युवक को अपनी चपेट में ले लिया था। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने उसे रेफर कर दिया। वहीं, हादसे के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने हाइवा को जब्त कर चालक को पकड़ लिया। उनकी मांग थी कि घायल युवक को बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाए और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए। घटना की सूचना मिलने पर जोड़ापोखर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और चालक को हिरासत में लेने का प्रयास किया, लेकिन भारी विरोध के कारण पुलिस को उसे वहीं छोड़ना पड़ा। वहीं इस घटना को लेकर हाइवा चालक ने भी अपनी गलती स्वीकार की।

फुटबॉल के माध्यम से दिया गया जीवन कौशल का प्रशिक्षण

कसमार (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। टांगटोना पंचायत के नावाडीह गांव में सहयोगिनी संस्था द्वारा फुटबॉल खेल सह 'जीवन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से किशोरियों और महिलाओं को खेल खेल के जरिये जागरूक करने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने और उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही, बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के दुष्प्रभावों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को जेंडर समानता, बाल संरक्षण, किशोरियों के अधिकार, किशोरावस्था में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, तथा निर्णय लेने की क्षमता जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशलों की जानकारी दी गई। फुटबॉल खेल की विभिन्न गतिविधियों को लाइफ-स्किल ट्रेनिंग से जोड़कर किशोरियों में आत्मविश्वास, टीमवर्क और सकारात्मक सोच विकसित करने पर बल दिया गया। सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने बताया कि संस्था कसमार प्रखंड के दुगार्पुर, बगदा, खैराचातर , गरी, पोंडा, सोनपुरा और टांगटोना पंचायतों के 30 गांवों में किशोरी एवं युवा महिला समूहों का गठन कर उनके नेतृत्व विकास पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा सरकारी योजनाओं से जोड़कर इन समूहों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास जारी है। सुरक्षित और जागरूक वातावरण बच्चों के भविष्य की नींव है। समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने कहा कि टांगटोना पंचायत में किशोरी एवं युवा महिला समूहों के साथ मिलकर जीवन कौशल एवं नेतृत्व क्षमता विकास का निरंतर कार्य चल रहा है। प्रशिक्षक प्रेम कुमार महतो ने किशोरावस्था में सही मार्गदर्शन की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा— जीवन कौशल से किशोरियों में नेतृत्व और निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है, जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाती है। उन्होंने बाल विवाह के शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक दुष्प्रभावों पर भी विस्तार से चर्चा की। फुटबॉल प्रशिक्षक सिमती किस्कू ने बताया कि फुटबॉल खेल किशोरियों में ऊर्जा, टीम भावना और आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा खेल के माध्यम से बच्चों को बाल अधिकार, जेंडर समानता और बाल संरक्षण की समझ देना अधिक प्रभावी होता है। इस कार्यक्रम में रेखा देवी, परी कुमारी, षष्ठी कुमारी, डोली कुमारी, मधु कुमारी, कशिश कुमारी, आरती कुमारी, सोनिया परवीन, साना परवीन, जुबेदा खातून, रोशनी खातून, शहनाज खातून सहित कई किशोरियाँ और महिलाएं आदि उपस्थित रहीं।

तस्करी के लिए अवैध रूप से रखे गए 500 खरगोश, हंगामा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रेलवे पार्सल कार्यालय में रविवार को उस समय हंगामा खड़ा हो गया जब एनिमल एक्टिविस्ट शौमिक बैनर्जी अपने साथियों के साथ कार्यालय पहुंचे। उन्हें सूचना मिली थी कि करीब 500 खरगोशों को अवैध रूप से कई दिनों से पार्सल कार्यालय में रखा गया है और इसे तस्करी कर ट्रेन के माध्यम से कही दूसरी जगह ले जाने की योजना है। जांच में पता चला कि शाहा इंटरप्राइजेज द्वारा इन खरगोशों को धनबाद से मुरादाबाद भेजने की तैयारी थी। एक्टिविस्ट्स ने बताया कि प्रत्येक केज में अधिकतम 10 खरगोश ले जाने की अनुमति है, लेकिन यहां भारी ओवरलोडिंग की गई थी। न तो भोजन की कोई व्यवस्था थी और न पानी। इसी लापरवाही के कारण लगभग चार खरगोशों की मौत हो चुकी है, जबकि कुछ ने वहीं बच्चे भी दिए हैं। एक्टिविस्ट्स के अनुसार, यदि इन खरगोशों को जल्द रेस्क्यू नहीं किया गया तो सभी की जान जा सकती है। वहीं, पार्सल कर्मचारी रूपक कुमार ने कहा कि उचित कागजात न होने और नियमों का पालन न किए जाने के कारण पार्सल को रोक दिया गया था। वहीं, खरगोश लाने वाला व्यक्ति अपनी तबीयत खराब होने का हवाला देकर कार्यालय से फरार हो गया।

मुखी समाज ने प्रतिभा सम्मान समारोह का किया आयोजन

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गोलमुरी केबुल बस्ती के मुखी समाज द्वारा आज प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार विशिष्ट अतिथि रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि समाज 2013 से सम्मान समारोह का आयोजन करती आ रही है। यह उनका 12वां वर्ष है। मेरे विचार से सभी समाज को इस तरह कार्यक्रम करने की आवश्यकता है, ताकि विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभा को सम्मान मिलने से आगे और भी बढ़ेंगे। उन्होंने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि आज अमीर हो या गरीब हो, सभी लोगों के जीवन में संघर्ष है। इस संघर्ष से डरना नहीं चाहिए, बल्कि उसका डट कर मुकाबला करना चाहिए। आजकल के बच्चे छोटे-छोटे असफलता से ही निराश हो जाते हैं और आत्महत्या तक कर लेते हैं। हम ऐसे बच्चों को कहना चाहते हैं कि आप किसी भी असफलता से घबराएं नहीं, ईश्वर में आपके जीवन दिया है। आप पूरे हिम्मत के साथ आगे बढ़ते रहिए। सफलता आपको अवश्य मिलेगी। वहीं मुखी समाज के सचिव गुरुचरण मुखी ने कहा कि हम लोग आज 2013 से बच्चों को सम्मानित कर रहे हैं।

गुमला मंडल कारा में लगी जेल अदालत

गुमला/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार गुमला , ध्रुव चंद्र मिश्र के निर्देश पर आज मंडल कारा में जेल अदालत सह विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया । इस जेल अदालत में लीगल एड डिफेंस काउंसिल के प्रमुख एवं सदस्य ने मंडल कारा में बंद बंदियों को कानून संबंधी जानकारी देते हुए कहा कि कानून संबंधी किसी भी जानकारी या सहायता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से लीगल एक डिफेंस काउंसिल के सदस्य हमेशा तत्पर रहते हैं आप हमेशा उनकी सहायता ले सकते हैं । आज के जेल अदालत सह विधिक जागरूकता शिविर में मेडिकल कैंप का भी आयोजन किया गया जिसमें बंदियों का निशुल्क मेडिकल जांच किया गया तथा उन्हें दवाई भी उपलब्ध कराई गई .

अंतरराष्ट्रीय प्रेस दिवस पर परिचर्चा का आयोजन

पत्रकार समाज के लिए मूल्य व नैतिकता को प्रतिबिंबित करते हैं : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अंतरराष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर बोकारो जिला प्रशासन द्वारा चर्चाझ्परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नया मोड़ स्थित वेस्टर्न फार्म में आयोजित हुआ, जिसमें जिले के पत्रकारों के साथ-साथ उपायुक्त अजय नाथ झा ने भी हिस्सा लिया। डीसी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत की और पत्रकारिता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का मुख्य विषय था बढ़ती भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता का संरक्षण। इस विषय पर पत्रकारों ने अपने-अपने अनुभवों और दृष्टिकोणों के आधार पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि आज के दौर में फेक न्यूज, अफवाह और अपुष्ट सूचनाओं के बढ़ते प्रसार ने पत्रकारिता की विश्वसनीयता के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। ऐसे में जिम्मेदार और सत्यापित सूचना प्रदान करना समय की मांग है। उपायुक्त अजय नाथ झा ने चचाओं को और आगे बढ़ाते हुए कहा कि विश्वसनीयता केवल समाचार या शासन-प्रशासन के कार्यों से नहीं बनती, बल्कि यह आचरण और चरित्र से निर्मित होती है। उन्होंने कहा कि पत्रकार केवल खबरें नहीं लिखते, बल्कि समाज के लिए एक मूल्य और नैतिकता को प्रतिबिंबित करते हैं। इसलिए पत्रकारों के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों को भी अपनी आचरण सीमा रेखा तय करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर फैलने वाली सूचनाओं को केवल पत्रकारों या अधिकारियों पर छोड़ देना उचित नहीं है। ऐसी सूचनाओं को पढ़ने और साझा करने वाले नागरिकों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे तथ्यों की जांच करें। डीसी ने बढ़ते आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभाव पर भी चिंता व्यक्त की और कहा कि तकनीक जितनी तेजी से आगे बढ़ रही है, उतनी ही सावधानी और सतर्कता के साथ काम करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि प्रेस की विश्वसनीयता और सूचना की सत्यता बनाए रखने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

युवक का शव बरामद, प्रेम प्रसंग में हत्या की आशंका

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झरिया के घनुवाडीह ओपी क्षेत्र स्थित पांडेबेड़ा के पास रविवार को झाड़ियों में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। इस बीच मृतक का एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें वह खुदकुशी की बात कहते हुए दिखाई दे रहा है। मृतक की पहचान बोकारो चास निवासी 22 वर्षीय तुषार सिंह के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार तुषार 11 नवंबर को उड़ीसा में काम करने के लिए चंद्रपुरा स्टेशन से ट्रेन पकड़ने निकला था, लेकिन स्टेशन तक नहीं पहुंचा। उड़ीसा में संपर्क न होने पर परिजन उसकी खोजबीन में जुट गए। चंद्रपुरा थाना में गुमशुदगी दर्ज होने और स्टेशन के सीसीटीवी की जांच के बाद पुलिस ने तुषार का मोबाइल लोकेशन ट्रेस किया, जो लोदना क्षेत्र में मिला। इसी लोकेशन के आधार पर परिजन पांडेबेड़ा पहुंचे, जहां झाड़ियों में उसका शव पड़ा मिला। परिवार ने इसे साफ-साफ हत्या करार देते हुए पांडेबेड़ा की एक युवती और उसके घरवालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि तुषार का युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था और कुछ दिन पहले युवती के परिजनों ने उसे जान से मारने की धमकी दी थी। घनुवाडीह ओपी प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि युवक बोकारो का निवासी था और झरिया में एक लड़की से उसके प्रेम संबंध होने की जानकारी मिली है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का स्पष्ट कारण सामने आएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com